MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 12 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-129

लाइफ सपोर्ट पर सीज़फ़ायर

ट्रंप का बड़ा बयान, टेंशन में दुनिया

नयी दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका और ईरान के बीच अभी तक शांति वार्ता किसी नतीजे तक नहीं पहुंच पाई है। ईरान ने अमेरिकी प्रपोजल का जवाब पाकिस्तान के जरिए भेज दिया है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मौजूदा सीजफायर लाइफ सपोर्ट पर है और हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। उन्होंने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि उनके पास ईरान को लेकर कोई स्पष्ट रणनीति नहीं है।

ओवल ऑफिस में एक सवाल के जवाब में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, मबेशक, मेरे पास एक योजना है। मेरे पास अब तक की सबसे बेहतरीन योजना है। ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। उन्होंने संकेत दिए कि आने वाले समय में अमेरिका की रणनीति और सख्त हो सकती है। वो जल्द ही अपने जनरलों के साथ ईरान को लेकर अहम बातचीत करने वाले हैं। इसमें कई बड़े फैसले हो सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, मजनरलों का एक बड़ा समूह मेरा इंतजार कर रहा है। यह ईरान जैसे बेहद प्यारे देश से जुड़ा होने के कारण भी अहम है। इस दौरान ट्रंप से सवाल पूछा गया कि क्या ईरान ने अपने सभी एनरिच्ड यूरेनियम को हटाने की इजाजत देने पर सहमति जताई है। इसके जवाब में उन्होंने दावा किया कि ईरान पहले

इस पर तैयार था, लेकिन बाद में उसने अपना रुख बदल लिया।

ट्रंप ने कहा, उन्होंने दो दिन पहले सहमति जताई थी, लेकिन फिर उन्होंने अपना मन बदल लिया। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की ओर से उठाई गई युद्ध हर्जाने की मांग भी अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में बड़ा विवाद बनती जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरानी प्रस्तावों में हर्जाने जैसे शब्द के इस्तेमाल से असहज हैं। उनका मानना है कि वो इसे स्वीकार नहीं कर सकते।

पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशें जारी

राजनयिकों के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की कोशिशें जारी हैं, ताकि युद्ध खत्म करने और बाकी विवादित मुद्दों पर आगे बातचीत का रास्ता तैयार किया जा सके। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान इस पूरे घटनाक्रम में मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा है। वो अमेरिका और ईरान के बीच एक समझौता ज्ञापन कराने की दिशा में काम कर रहा है। इस पहल का मकसद युद्ध को खत्म करना और अनसुलझे मुद्दों पर व्यापक बातचीत जारी रखना है। एक राजनयिक ने कहा कि पाकिस्तान को कई अन्य देशों का भी समर्थन हासिल है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री इशाक डार और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर लगातार दोनों पक्षों के संपर्क में हैं। पाकिस्तान की कोशिश है कि मौजूदा सीजफायर कायम रहे और युद्ध खत्म हो जाए।

अमेरिका का सख्त रुख, ईरान की शर्तें जटिल

हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप के बयानों से साफ है कि अमेरिका अभी भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बेहद सख्त रुख बनाए हुए है। दूसरी ओर, ईरान की शर्तें और हर्जाने की मांग बातचीत को और जटिल बना रही हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय देशों के बीच जारी कूटनीतिक कोशिशें क्या किसी स्थायी समझौते तक पहुंच पाती हैं।

सोने-तेल पर मोदी अलर्ट

वडोदरा, 11 मई (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे में दो बार देशवासियों से सोने की खरीद से बचने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा सोने के आयात पर देश का पैसा विदेश जाता है। गुजरात में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें हर छोटे-बड़े प्रयास से उन उत्पादों का उपयोग कम करना है जो विदेश से आते हैं, और ऐसे व्यक्तिगत कामों से भी बचना है जिनमें विदेशी मुद्रा खर्च होती है।

इससे पहले रविवार को भी प्रधानमंत्री ने मिडिल ईस्ट में जारी जंग को लेकर कई अहम बातें कही थीं। उस दौरान भी उन्होंने विदेशी मुद्रा पर चर्चा की और सोने की खरीद न करने का जिक्र किया था।

आज सोमवार को गुजरात में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें भारत के नागरिक के तौर पर अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी जब-जब देश युद्ध या किसी बड़े संकट से गुजरा है, सरकार की अपील पर हर नागरिक ने अपना दायित्व निभाया है। आज भी जरूरत है कि हम सब मिलकर अपना दायित्व निभाएं और देश के संसाधनों पर पड़ने वाले बोझ को कम करें।

▶10 पर

अपील के पीछे की कहानी

नयी दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने रविवार को तेलंगाना की एक रैली में देश से 7 अपीलें कीं। इनमें एक अपील सोना न खरीदने की भी थी। पीएम मोदी ने कहा- देशहित में हमें यह तय करना होगा कि सालभर तक घर में कोई कार्यक्रम हो, हम सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। हालांकि सरकार ने खुद पिछले कुछ सालों से आरबीआई के जरिए सोने की खरीद बढ़ा दी है।

एक साल तक सोना न खरीदने से क्या होगा?

पीएम मोदी ने कहा: एक समय था, जब संकट आने पर देशहित में लोग सोना दान दे देते थे। आज दान की जरूरत नहीं है, लेकिन देशहित में हमें यह तय करना होगा कि सालभर तक घर में कोई कार्यक्रम हो, हम सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। विदेशी मुद्रा बचाने के लिए हमारी देशभक्ति हमें चुनौती दे रही है और हमें यह स्वीकार करके विदेशी मुद्रा बचानी होगी। पीएम मोदी ने भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने के लिए ये अपील की। भारत अपने इस्तेमाल का करीब 99% सोना विदेशों से खरीदता है। 2025-26 में सोने का ये इम्पोर्ट बिल करीब 6.4 लाख करोड़ रुपए का था। विदेशों से खरीदे जाने वाले सामान के कुल खर्चे में 9% हिस्सेदारी के साथ ▶10 पर

हिमंता आज लेंगे शपथ, पीएम मोदी समेत कई बड़े नेता रहेंगे मौजूद

गुवाहाटी, 11 मई (एजेंसियां) ।

असम में हिमंत बिस्वा सरमा मंगलवार (12 मई) को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मुख्यमंत्री पद का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को 11 बजकर 40 मिनट पर होगा। असम में मुख्यमंत्री के साथ छोटा मंत्रिमंडल भी शपथ लेगा। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के साथ मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। इसमें दोनों सहयोगी दल के भी 1-1 मंत्री रहेंगे।

सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को होने वाले शपथ समारोह में रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो, अजंता नेओग भी मंत्री पद की शपथ लेंगे। साथ ही विधायक रंजीत दास असम विधानसभा के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार होंगे।

पीएम मोदी समेत ये लोग रहेंगे शामिल

गुवाहाटी के वेटनरी कॉलेज में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। सीएम पद के शपथ समारोह में पीएम मोदी, राष्ट्रीय बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ-साथ एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल होंगे। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, जिन्होंने रविवार को हिमंत बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री नियुक्त किया। राज्यपाल आचार्य मंगलवार सुबह 11:40 बजे हिमंत बिस्वा सरमा और नए मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। हिमंता बिश्व सरमा, जो पहली बार 2021 में मुख्यमंत्री बने थे। असम में लगातार दो बार तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता होंगे। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री सरबानंदा सोनोवाल के नेतृत्व में पहली बार सत्ता में आने के बाद से यह राज्य में एनडीए का लगातार तीसरा कार्यकाल होगा। बता दें कि भाजपा, असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट से मिलकर बने एनडीए ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करते हुए 126 सदस्यीय विधानसभा में रिकॉर्ड 102 सीटें जीतीं हैं। भाजपा ने अकेले 82 सीटें जीतकर राज्य में पहली बार एकल-दलीय बहुमत प्राप्त किया, जबकि एजीपी और बीपीएफ ने 10-10 सीटें जीतीं हैं।

ममता के 'मोहरों' पर कैंची

शुभेंदु सरकार ने लिए 10 बड़े फैसले

कोलकाता, 11 मई (एजेंसियां) ।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के तुरंत बाद नई बीजेपी सरकार ने तेज और आक्रामक शुरुआत की है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की पहली कैबिनेट बैठक में ममता बनर्जी शासनकाल के कई फैसलों पर सीएम अधिकारी की कलम तेजी से चली। ममता सरकार द्वारा नियुक्त कई रिटायर्ड आईएएस/आईपीएस अधिकारियों को सरकारी दफ्तरों से बाहर करने का फैसला लिया गया, जबकि पुरानी नीतियों को पलटते हुए नई दिशा दी गई। एक अहम फैसले में अधिकारी सरकार ने बीएसएफ को बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 600 एकड़ जमीन तुरंत ट्रांसफर करने का फैसला किया है। इसके अलावा सरकार ने जनगणना शुरू करने, ममता काल की आईएएस/आईपीएस ट्रेनिंग नीति को बदलने और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) को तुरंत लागू करने जैसे बड़े फैसले लिए। नए सीएम शुभेंदु अधिकारी ने साफ संदेश दिया कि अफसरों को येस मैन बनने की जरूरत नहीं है और वहीं करें जो राष्ट्र और राज्य हित के लिए सर्वोपरि हो। दरअसल ममता राज के मोहरों पर चल रही सीएम अधिकारी की कलम अब बदलाव की नई इबारत लिख रही है।ख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सुशासन, सुरक्षा और डबल इंजन सरकार का नया सफर देश भर के दूसरे बीजेपी शासित राज्यों में चले विकास के उसी रास्ते पर आगे बढ़ेगा।

केंद्रीय योजनाओं को लागू करने का फैसला

1. बंगाल में आयुष्मान भारत योजना लागू की जाएगी। इसके साथ ही कई अन्य केंद्रीय कल्याणकारी परियोजनाएं भी इसमें शामिल होंगी। जैसे पीएम जन आरोग्य योजना, किसानों के लिए फसल बीमा देने वाली पीएम फसल बीमा योजना, सरकारी स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम एसएचआरआई) योजना, कारीगरों और शिल्पकारों की मदद करने वाली पीएम विश्वकर्मा योजना, महिलाओं की शिक्षा और सशक्तीकरण के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना और सब्सिडी वाले रसोई गैस कनेक्शन के लिए उज्ज्वला 3.0 योजना। ममता बनर्जी ने इन योजनाओं को राज्य में लागू नहीं किया था।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तुरंत लागू

2. आज से बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) लागू हो जाएगा। सीएम ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने संविधान का उल्लंघन करते हुए बीएनएस लागू नहीं किया था। आईपीसी और सीआरपीसी पर ही काम हो रहा था।

▶10 पर

'सर' पर हार का ठीकरा

टीएमसी से सुप्रीम कोर्ट ने नई याचिकाएँ माँगी

नयी दिल्ली/कोलकाता, 11 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, बंगाल में 31 सीटों पर जीत का अंतर, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान हटाए गए वोटों की संख्या से कम हो तो, मामले में ममता बनर्जी और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं।

टीएमसी ने दावा किया कि हालिया विधानसभा चुनाव में 31 सीटों पर जीत का अंतर, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान हटाए गए वोटों की संख्या से कम था। दरअसल, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की बेंच बंगाल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38°
न्यूनतम : 26°

स्पोर्ट्स बाइक-कार की टक्कर में 5 की मौत

महबूबनगर, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

रविवार रात महबूबनगर जिले के पलकोंडा गांव में बाईपास सड़क पर एक स्पोर्ट्स बाइक और कार की भीषण टक्कर में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बाइक पर सवार दो लोगों और कार में सवार तीन अन्य लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अर्शिया बेगम (30), उजेप्पा (7), अमर (2) और बाइक चालक याकूब अफजल (25) के रूप में हुई है। एक अन्य व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को जिले के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बाइक रेसिंग इस दुर्घटना का कारण हो सकती है। स्थानीय लोगों ने कहा कि बाईपास सड़क बाइक चालकों के लिए रेसिंग का केंद्र बन गई है, जिससे अन्य मोटर चालकों की जान जोखिम में पड़ रही है।

बंडी के बेटे पर कसा शिकंजा

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय के बेटे साई भगीरथ के खिलाफ दर्ज पोक्सो मामले की गहराई को उजागर करने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्य के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद, आईपीएस को तुरंत जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने कहा कि डीसीपी माधापुर जोन रिति राज, आईपीएस, को संभावित रूप से सीट का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है जो साई भगीरथ के खिलाफ दर्ज पोक्सो मामले की जांच करेगी। उच् के निर्देश के बाद, पुलिस ने मामले में सबूत जुटाने के लिए कई स्थानों पर पहुंच बनाई है।

यह आदेश उसी दिन के बाद आया है जब सीएम रेवंत ने प्रधानमंत्री मोदी और बंडी संजय के साथ परेड ग्राउंड सार्वजनिक सभा में मंच साझा किया था।

अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं?

मुख्यमंत्री ने डीजीपी से सवाल किया कि शिकायत 8 मई को प्राप्त होने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। डीजीपी आनंद ने सीएम रेवंत को

सीएम के आदेश पर सीट करेंगी जाँच तेज

मामले के विवरण से अवगत कराया।डीजीपी ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 मई के हैदराबाद दौरे को देखते हुए पूरी पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्थाओं में व्यस्त थी।मुख्यमंत्री ने डीजीपी को मामले की व्यापक जांच के लिए विशेष टीमें गठित करने का निर्देश दिया।

मामला क्या है?

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय के बेटे साई भगीरथ ने कोमपल्ली के एक परिवार द्वारा हनी ट्रैप का आरोप लगाते हुए पुलिस शिकायत दर्ज कराई है।

हालांकि, परिवार ने मंत्री के बेटे के खिलाफ बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा (पोक्सो) अधिनियम के तहत एक काउंटर एफआईआर दर्ज की है।

साई भगीरथ ने हैदराबाद स्थित परिवार और लड़की के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, जो कथित तौर पर नाबालिग है, और उन पर शादी के नाम पर उसे टेक्स्ट और वीडियो का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का आर-ोप लगाया।

एफआईआर के अनुसार, युगल कथित तौर पर मैत्रीपूर्ण संबंध में थे, जो उसके शादी से इनकार करने के बाद कड़वे अंत पर समाप्त हो गया।

इसके बाद, परिवार ने साई भगीरथ को ब्लैकमेल किया और अनुकूलताएं मांगीं, एफआईआर में यह कहा गया है।उसी दिन, 8 मई को, साई भगीरथ के खिलाफ हैदराबाद में एक काउंटर एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें पोक्सो का आरोप लगाया गया। ▶10 पर

नासा ने गैलेक्सी एम-77 की तस्वीरें की जारी, डिफ्रैक्शन स्पाइक्स की दिखी झलक

नए तारों के निर्माण और गैलेक्सी की संरचना को समझने में बेहतर मदद मिलेगी

नई दिल्ली

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की मदद से गैलेक्सी एम-77 की तीन तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में गैलेक्सी का केंद्र इतनी तेजी से चमक रहा है कि पूरी गैलेक्सी चमक रही है। सबसे खास बात इन तस्वीरों में दिखने वाले डिफ्रैक्शन स्पाइक्स हैं, जो टेलीस्कोप के आप्टिक्स की वजह से बनने वाला एक आप्टिकल प्रभाव है। ये डिफ्रैक्शन स्पाइक्स कोई गैलेक्सी की असली संरचना नहीं बल्कि टेलीस्कोप का आप्टिकल प्रभाव है। गैलेक्सी एम-77 सर्पिल गैलेक्सी है और सक्रिय केंद्र वाली गैलेक्सियों में से एक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासा की इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को ब्लैक होल के आसपास की गतिविधि नए तारों के निर्माण और गैलेक्सी की संरचना को बेहतर समझने में मदद मिलेगी। नासा ने इन तस्वीरों के साथ लिखा- किसी को भी अपनी चमक कम न करने दें। गैलेक्सी एम-77 का केंद्र इतना चमकदार है क्योंकि गैस उसके केंद्रीय ब्लैक होल के चारों ओर बहुत तेज गति से घूम रही है। इस तेज घुमाव से गैस गर्म हो जाती है और भारी मात्रा में ऊर्जा व रेडिएशन निकालती है।

पहली तस्वीर-मिड-इन्फ्रारेड व्यू है। इस तस्वीर में गैलेक्सी के केंद्र से निकलने वाली तेज चमक सबसे ज्यादा आकर्षित करती है।

केंद्र से छह बड़ी और दो छोटी चमकदार नारंगी किरणें बाहर की ओर निकल रही हैं। ये किरणें असल में डिफ्रैक्शन स्पाइक्स हैं, जो वेब टेलीस्कोप की बनावट के कारण पैदा होते हैं। गैलेक्सी की सर्पिल भुजाओं में नारंगी रंग के चमकते बुलबुले दिख रहे हैं, जो नए बने तारों के समूह या स्टार क्लस्टर्स हैं। गैलेक्सी का बाकी हिस्सा धूल के नीले घूमते बादलों से भरा नजर आ रहा है। वहीं, दूसरी तस्वीर नियर-इन्फ्रारेड व्यू है, जिसमें गैलेक्सी के केंद्र में 6 हजार प्रकाश वर्ष लंबा एक बार साफ दिख रहा है। यह बार एक चमकदार छल्ले से घिरा हुआ है, जिसे स्टारबर्स्ट रिंग कहा जाता है। यह छल्ला गैलेक्सी की दो सर्पिल भुजाओं के अंदरूनी सिरों से बनता है। स्टारबर्स्ट क्षेत्र वे जगहें हैं जहां नए तारे बहुत तेजी से बन रहे हैं। यहां भी केंद्र से छह लंबी चमकदार किरणें यानी डिफ्रैक्शन स्पाइक्स निकल रही हैं।

तीसरी तस्वीर दोनों इन्फ्रारेड व्यूज का काम्बिनेशन हैं। यह तस्वीर मिड-इन्फ्रारेड और नियर-इन्फ्रारेड दोनों को मिलाकर बनी है। इसमें गैलेक्सी की खूबसूरती और वैज्ञानिक महत्व दिख रहा है। केंद्र से निकलने वाले डिफ्रैक्शन स्पाइक्स, स्टारबर्स्ट रिंग, सर्पिल भुजाएं और धूल के बादल सभी स्पष्ट नजर आ रहे हैं। वेब टेलीस्कोप की बनावट की वजह से चमकदार वस्तुओं के चारों ओर छह-प्लस-दो बिंदुओं वाला पैटर्न बनता है जबकि हबल टेलीस्कोप में चार बिंदुओं वाला पैटर्न दिखता है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में बिजली विभाग के ई-बिडिंग साफ्टवेयर को हैक कर टेंडर हथियाने 22 के खिलाफ आरोप

काठमांडू। नेपाल पुलिस के साइबर ब्यूरो ने बिजली विभाग के ई-बिडिंग साफ्टवेयर को हैक कर टेंडर हथियाने के आरोप में पूर्व शहरी विकासमंत्री विक्रम पाण्डे सहित 22 के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। काठमांडू के जिला सरकारी वकील कार्यालय के अनुसार, इनमें 13 आरोपित गिरफ्तार हो चुके हैं। नौ अभी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपितों में पूर्वमंत्री पाण्डे भी शामिल हैं। पाण्डे व अन्य का आज से काठमांडू जिला अदालत में बयान दर्ज किया जाएगा। बयान दर्ज होने के बाद न्यायिक हिरासत पर बहस शुरू होगी। पुलिस का दावा है कि आरोपितों ने बिटकाइन जैसी मुद्रा का कारोबार भी किया गया। आरोप पत्र में मांग की गई है कि संगठित तरीके से बिटक्वाइन मुद्रा के कारोबार में संलग्न रहने के आरोप में भी आरोपितों को सजा दी जाए। पाण्डे चितवन के भरतपुर के रहने वाले हैं। वह राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) से सांसद रहे हैं। उनकी कालिका कंस्ट्रक्शन निर्माण कम्पनी भी है। जांच के निष्कर्ष के अनुसार आरोपितों ने अनधिकृत पहुंच बनाकर आर्थिक प्रस्ताव से जुड़े दस्तावेजों में फेरबदल किया। एक आरोपित दिवाकर देउजा के पालीग्राफ परीक्षण समेत विभिन्न प्रमाणों के आधार पर पाण्डे की संलिप्तता की पुष्टि होने का दावा किया गया है। अभियोग पत्र में दावा किया गया है कि इस कार्य के बदले क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से रकम का लेनदेन भी हुआ। इससे राज्य को भी नुकसान पहुंचा।

काठमांडू हवाई अड्डे पर उड़ानों का परिचालन शुरू

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के रनवे से टर्किश एयर के विमान को हटाने के बाद विमानों की उड़ान और लैंडिंग फिर से शुरू हो गई है। टर्किश के विमान में लैंडिंग के समय आग लग जाने से यह हवाई अड्डा करीब दो घंटे बंद रहा। विमानस्थल कार्यालय के अधिकारी छवि ठकुल्ला ने कहा कि सुबह 9 बजे से विमानस्थल फिर से संचालन में आ गया है। डायवर्ट किए गए विमान अब दोबारा लैंडिंग की प्रक्रिया में हैं। काठमांडू एयरपोर्ट बंद होने के दौरान वाराणसी से आ रहे बुद्धा एयर के विमान को सिमरा एयरपोर्ट, श्री एयरलाइंस के विमान को विराटनगर, एयर इंडिया के विमान को दिल्ली और फ्लाई दुबई के विमान को लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा। खबर लिखे जाने तक दिल्ली से आए एयर इंडिया, शारजाह से आए एयर अरेबिया, दोहा से आए कतर एयर, दुबई से आए फ्लाई दुबई और मलेशिया से नेपाल एयरलाइंस के विमान का अवतरण हो चुका है। हांगकांग से आ रहेहिमालय एयरलाइंस का विमान अभी लैंडिंग की तैयारी में है। रनवे बंद होने के कारण काठमांडू हवाई अड्डे से उड़ान नहीं भर पाने वाले एयर इंडिया (दिल्ली), हिमालय एयरलाइंस (ल्हासा), जजीरा एयर (कुवैत), एयर एरेबिया (शारजाह), बुद्ध एयर (वाराणसी) को उड़ान की अनुमति दे दी गई है। टर्किश एयर के जिस विमान में आग लगी, उसकी काठमांडू-इस्तांबुल उड़ान को रद कर दिया गया है। इस हादसे के कारण घरेलू उड़ानों में भी देरी हुई है।

इजराइल ने चोरी से इराक में बनाया गुप्त सैन्य ठिकाना, सूत्रों ने किया खुलासा

वाशिंगटन। ईरान के साथ चल रही जंग की बीच अमेरिकी अधिकारियों से जुड़े सूत्रों ने खुलासा किया है कि इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने हवाई अभियान को सफल बनाने के लिए इराकी रेगिस्तान के बीचों-बीच एक गुप्त सैन्य ठिकाना बनाया था। इजराइल का ये ठिकाना इतना सीक्रेट था फिर भी युद्ध के शुरुआती दिनों में इराकी सैनिकों ने इसे खोज लिया था, लेकिन तब इजराइल ने उन्हें पीछे हटाने के लिए हवाई हमले भी किए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल से ईरान की दूरी लगभग 1,000 मील है। इतनी लंबी दूरी पर लगातार हवाई हमले करना किसी चुनौती से कम नहीं था। ऐसे में इजराइल ने युद्ध शुरू होने से ठीक पहले अमेरिका की जानकारी में इस ठिकाने का निर्माण किया था। इजराइल का ये सीक्रेट बेस इजराइली एयर फोर्स के लिए एक लाजिस्टिक हब की तरह काम कर रहा था। यहां इजराइल की स्पेशल फोर्स तैनात थी। इसके अलावा यहां सर्च-एंड-रेस्क्यू टीमें भी मौजूद थीं। इनका काम ईरान पर हमले के दौरान किसी इजराइली पायलट का विमान गिर जाने पर उसे तुरंत सुरक्षित बचाने का था। मार्च की शुरुआत में ये सीक्रेट बेस पकड़े जाने के करीब पहुंच गया था। इराकी सरकारी मीडिया के मुताबिक एक स्थानीय चरवाहे ने इलाके में संदिग्ध सैन्य गतिविधियां और हेलीकाप्टर उड़ते देखे थे। इसकी जानकारी मिलने पर इराकी सेना ने जांच के लिए अपनी टुकड़ियां भेजी। जैसे ही इराकी सैनिक हमवी गाड़ियों में सवार होकर उस जगह की ओर बढ़े, उन पर भारी हवाई हमला हुआ। इस हमले में एक इराकी सैनिक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए थे।

पश्चिम एशिया तनाव से नेपाल की अर्थव्यवस्था और मानव विकास पर संकट के बादल-रिपोर्ट

काठमांडू

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में नेपाल की उपलब्धियां जोखिम में पड़ सकती हैं। यूएनडीपी की पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव पर ताजा अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला, रेमिटेंस प्रवाह और आयातित वस्तुओं पर अत्यधिक निर्भरता के कारण नेपाल के इस संघर्ष से प्रभावित होने की आशंका में है।

यूएनडीपी की मिलिट्री एस्केलेशन इन द मिडल ईस्ट: ह्यूमन डेवलपमेंट इम्पैक्ट्स अक्रास एशिया एंड द पैसिफिक शीर्षक वाली प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दो महीने से जारी संघर्ष लंबा खिंचता है तो नेपाल और पाकिस्तान को मानव विकास के क्षेत्र में सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था कमजोर होने से रेमिटेंस आय घट सकती है। इससे परिवारों की क्रय शक्ति कम होगी और खाद्य सुरक्षा पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि युद्ध के कारण कृषि में व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले फास्फेट उर्वरक के लिए आवश्यक सल्फर की ढुलाई बाधित हुई है। पेट्रोलियम पदार्थों के सह-उत्पाद सल्फर की कीमत और आपूर्ति में समस्या आने से नेपाल में धान उत्पादन पर असर पड़ सकता है, जो कृषि क्षेत्र का प्रमुख आधार है। रिपोर्ट में कहा गया है, नेपाल में रोजगार का जोखिम वैदेशिक श्रम प्रवासन से गहराई से जुड़ा हुआ है। करीब 80 प्रतिशत प्रवासी श्रमिक खाड़ी देशों और मलेशिया जाते हैं। यदि व्यवधान जारी रहा, तो श्रमिक आवाजाही में कमी आने से रेमिटेंस पर निर्भर परिवारों की आय और रोजगार प्रभावित हो सकते हैं।

यूएनडीपी के विश्लेषण के अनुसार, रेमिटेंस और कृषि क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर कम होगी, जिससे एचडीआई के आय संबंधी सूचक प्रभावित होंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित देशों में स्वास्थ्य और शिक्षा के सूचकांकों पर भी असर पड़ेगा। रिपोर्ट में 2013 से 2023 के बीच मानव विकास में हुई प्रगति को आधार बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि बाहरी झटकों से निपटने के लिए मजबूत नीतिगत व्यवस्था की कमी के कारण खाड़ी संघर्ष का असर दक्षिण एशिया में अधिक होगा, जबकि पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया तुलनात्मक रूप से कम प्रभावित होंगे।

अर्थशास्त्री पुष्कर बज्राचार्य के अनुसार, संघर्ष लंबा चलने पर मुद्रास्फीति, आर्थिक वृद्धि, व्यापार और पर्यटन प्रभावित होंगे तथा परिवारों की उपभोग क्षमता घटेगी। उन्होंने कहा, आर्थिक वृद्धि दर लगभग 3 प्रतिशत तक गिर सकती है, जो नेपाल के पिछले 70 वर्षों की औसत 4 प्रतिशत वृद्धि दर से कम है। उन्होंने अगले दो वर्षों तक आर्थिक वृद्धि धीमी रहने और गरीबी बढ़ने की चेतावनी भी दी। बज्राचार्य ने कहा, जनसंख्या का बड़ा हिस्सा पहले से ही गरीबी रेखा के नीचे है। एक बड़ा झटका और अधिक लोगों को गरीबी में धकेल सकता है। उनके अनुसार, यदि संघर्ष लंबा चला तो 25 से 33 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे पहुंच सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, रेमिटेंस घटने से परिवारों की आय कमजोर होगी और क्रय शक्ति कम होगी। नेपाल के केंद्रीय बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक के आंकड़ों के अनुसार नेपाल को मिलने वाले कुल रेमिटेंस का लगभग 40 प्रतिशत खाड़ी देशों से आता है। चालू आर्थिक वर्ष के पहले आठ महीनों में नेपाल को 1 खर्ब 88 अरब रुपये का रेमिटेंस प्राप्त हुआ। पिछले आर्थिक वर्ष में कुल 1 खर्ब 70 अरब रुपये रेमिटेंस मिला था, जिसमें 67 अरब 30 करोड़ रुपये खाड़ी देशों से आए थे।

पश्चिम एशिया के कतर, साउदी अरब, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में करीब 19 लाख नेपाली श्रमिक कार्यरत हैं। हर वर्ष विदेश रोजगार के लिए जाने वाले लगभग 7 लाख नेपाली नागरिकों में से करीब 4 लाख 50 हजार खाड़ी देशों में जाते हैं। यूएनडीपी के अनुसार, ईंधन की कीमत बढ़ने से जीवनयापन की लागत बढ़ रही है, जिससे गरीब और गरीबी के करीब रहने वाले परिवारों पर अधिक दबाव पड़ रहा है। रोपाई के मुख्य मौसम से पहले खाद्यान्न और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि विशेष रूप से दक्षिण एशिया और प्रशांत द्वीपीय देशों में खाद्य असुरक्षा बढ़ा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, रोजगार, अनौपचारिक क्षेत्र और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सबसे अधिक प्रभावित होंगे। इसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं, प्रवासी श्रमिकों और कम आय वाले परिवारों पर पड़ेगा।

6 फीट 7 इंच लंबी युवती को पंसद है छोटे कद के लड़के

ब्रिस्टल

इग्लैंड की रहने वाली एक युवती अपनी असाधारण लंबाई को लेकर सोशल मीडिया सेंसेशन बनी हुई है। ब्रिस्टल शहर में रहने वाली 26 वर्षीय अमीरा की सोच भी अनोखी है। 6 फीट 7 इंच लंबी अमीरा का कहना है कि कभी उनकी यही लंबाई उनके लिए परेशानी का कारण थी, लेकिन अब उन्होंने इसे अपनी सबसे बड़ी ताकत और पहचान बना लिया है। हाल ही में अमीरा ने अपनी निजी जिंदगी और डेटिंग पसंद को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने से छोटे कद वाले लड़कों को डेट करना पसंद है। उनकी यह पसंद सोशल मीडिया पर लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

अमीरा का कहना है कि जब वह छोटे कद वाले लड़कों के साथ होती हैं तो उन्हें खुद को और ज्यादा लंबा, आत्मविश्वासी और शक्तिशाली महसूस होता है। उनके अनुसार लंबे कद के पुरुषों के साथ रहने पर उन्हें सामान्य महसूस होता है, जबकि छोटे कद के साथी उन्हें अलग और खास एहसास कराते हैं। उन्होंने कहा कि रिश्तों में अक्सर लोगों का ध्यान हाइट पर चला जाता है और आमतौर पर लड़कियां लंबे लड़कों को पसंद करती हैं, लेकिन उनका नजरिया इससे बिल्कुल अलग है।

अमीरा मानती हैं कि प्यार का संबंध इंसान के दिल और व्यवहार से होता है, न कि उसकी लंबाई से। उनकी यह सोच अब सोशल मीडिया पर कई लोगों को प्रभावित कर रही है और लोग उनकी खुले विचारों वाली सोच की सराहना कर रहे हैं। अमीरा ने बताया कि बचपन में उनकी लंबाई उनके लिए काफी मुश्किलें लेकर आई थी। स्कूल के दिनों में बच्चे उन्हें अलग-अलग नामों से चिढ़ाते थे। कई लोग उन्हें जिराफ और लंबा टावर कहकर बुलाते थे, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी प्रभावित हुआ। उस समय उन्हें अपनी लंबाई को लेकर शर्मिंदगी महसूस होती थी और वह खुद को दूसरों से अलग समझती थीं।

हालांकि समय के साथ उन्होंने अपनी सोच बदली और अपनी इसी खासियत को अपनी ताकत बना लिया। अब अमीरा अपनी लंबाई की वजह से सोशल मीडिया पर अच्छी पहचान बना चुकी हैं। वह विभिन्न ब्रांड्स के साथ काम कर रही हैं और हाइट से जुड़े उत्पादों का प्रचार भी करती हैं। इसके अलावा वह अपने फालोअर्स के साथ अपनी लाइफस्टाइल, फैशन और निजी अनुभव साझा करती रहती हैं। उनकी अलग पर्सनालिटी और अनोखी डेटिंग स्टोरीज लोगों को काफी पसंद आ रही हैं। अमीरा का कहना है कि हर इंसान को अपनी खासियत को अपनाना चाहिए, क्योंकि वही चीज उसे दूसरों से अलग बनाती है।

अमेरिकी फाइटर जेट की गति ने पूरी दुनिया को किया हैरान

वाशिंगटन। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि 6 से 7 हजार किलोमीटर की दूरी महज 25 मिनट में तय की जा सकती है आज के दौर में यह किसी विज्ञान-फंतासी फिल्म का हिस्सा लग सकता है, लेकिन अमेरिका ने यह कारनामा आज से 22 साल पहले ही कर दिखाया था। साल 2004 में नासा के एक्स-43ए विमान ने 7,346 मील प्रति घंटे (9.6 मैक) की हैरतअंगेज रफ्तार छूकर पूरी दुनिया को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया था। विडंबना यह है कि जिस तकनीक को हासिल करने के लिए आज दुनिया भर की महाशक्तियां अरबों डालर बहा रही हैं, उसे अमेरिका ने दो दशक पहले ही कबाड़ समझकर ठंडे बस्ते में डाल दिया था। एक्स-43ए कोई साधारण विमान नहीं था, बल्कि यह नासा के हाइपर-एक्स प्रोग्राम का एक क्रांतिकारी हिस्सा था। इसका मुख्य उद्देश्य स्कैमजेट इंजन की सक्षमता को वास्तविक आसमान में साबित करना था। राकेट के विपरीत, यह इंजन अपने साथ भारी आक्सीजन टैंक लेकर नहीं चलता, बल्कि उड़ते समय वातावरण से ही आक्सीजन सोखता है। इससे विमान हल्का होता है और इसकी गति अकल्पनीय हो जाती है। नवंबर 2004 में, इसने ध्वनि की गति से लगभग 10 गुना तेज उड़कर दुनिया के सबसे तेज एयर-ब्रीदिंग एयरक्राफ्ट होने का गौरव प्राप्त किया था। इतनी बड़ी सफलता के बावजूद, उसी साल इस प्रोग्राम को अचानक बंद कर दिया गया। इसके पीछे तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि बदली हुई राजनीतिक प्राथमिकताएं थीं। 2004 में अमेरिकी सरकार ने विजन फार स्पेस एक्सप्लोरेशन का ऐलान किया, जिससे नासा का बजट हाइपरसोनिक रिसर्च से हटाकर चांद और मंगल मिशन की ओर मोड़ दिया गया।

समुद्र में मछुआरों के हाथ लगा बेहद दुर्लभ जीव लाब्स्टर

लंदन

गहरे समुद्री पानी में मछली पकड़ने गए मछुआरों के हाथ बेहद दुर्लभ जीव लाब्स्टर हाथ लग गया, जो अपने अनूठे रंग के कारण चर्चा का विषय बन गया है। एक कंपनी की मछली पकड़ने वाली टीम को यह अद्भुत जीव मिला, जिसका शरीर आधा भूरे रंग का और आधा चमकीले नारंगी रंग का था। यह जीव दो अलग-अलग हिस्सों में बंटा हुआ दिख रहा था। वैज्ञानिकों और मछुआरों दोनों के लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं था, क्योंकि ऐसे आधा-आधा रंग के लाब्स्टर 5 करोड़ में से केवल एक ही पाए जाते हैं। कंपनी के अधिकारी ने इस असाधारण खोज के महत्व को समझा और तुरंत इसे संरक्षित करने का निर्णय लिया। उनका मानना था कि ऐसे दुर्लभ जीव को सीधे उपभोग में लाने के बजाय लोगों के सामने लाना आवश्यक है, ताकि अधिक से अधिक लोग प्रकृति की इस अनूठी देन के बारे में जान सकें।

जैसे ही इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की गईं, वे तेज़ी से वायरल हो गईं और वैज्ञानिकों का ध्यान भी इसकी ओर आकर्षित हुआ। इस लाब्स्टर के दो रंग होने के पीछे एक विशेष जैविक घटना है, जिसे जेनेटिक मोज़ेकिज्म या गाइनेंड्रोमार्फिज्म कहा जाता है। इसका अर्थ है कि एक ही जीव के शरीर में अलग-अलग प्रकार की आनुवंशिक कोशिकाएँ मौजूद होती हैं, या उसमें नर और मादा दोनों के गुण एक साथ पाए जाते हैं। यह स्थिति इसके शरीर को दो स्पष्ट रूप से अलग रंगों में विभाजित करती है, जिससे यह और भी आकर्षक दिखाई देता है। इस अद्वितीय लाब्स्टर को खाने के लिए इस्तेमाल करने के बजाय वुड्स होल साइंस एक्वेरियम को दान कर दिया गया है। यहाँ इसे वैज्ञानिक अध्ययन के लिए सावधानीपूर्वक रखा जाएगा और भविष्य में आम जनता के लिए भी प्रदर्शित किया जाएगा।

एक्वेरियम की जीवविज्ञानी जूलिया स्टडली ने इस खोज पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह लाब्स्टर न केवल देखने में मंत्रमुग्ध कर देने वाला है, बल्कि यह हमें प्रकृति की अद्भुत जटिलता और उसके भीतर छिपी विविधता के बारे में भी बहुत कुछ सिखाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे जीव प्राकृतिक चयन और आनुवंशिकी के रहस्यों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह घटना प्रकृति की अप्रत्याशितता और उसकी असीम रचनात्मकता का एक जीता-जागता प्रमाण है, जो हमें याद दिलाती है कि समुद्र की गहराइयों में अभी भी कितने रहस्य छिपे हुए हैं। यह दुर्लभ खोज एक बार फिर दर्शाती है कि प्रकृति कितनी अनोखी और अप्रत्याशित हो सकती है।

होर्मुज में फिलहाल शांति की उम्मीद नहीं, युद्ध टालने के प्रयासों को झटका

वाशिंगटन/तेहरान

इस साल फरवरी आखिर से अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य पर छिड़ी तकरार के और तेज होने की संभावना बढ़ गई है। युद्ध टालने और तनाव को कम करने के ताजा कूटनीतिक प्रयासों को झटका लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है। ईरान की सेना ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि अगर आक्रामकता फिर से शुरू होती है, तो दोनों देशों को निश्चित रूप से कल्पना से परे चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

रिपोर्ट में इस घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई है। ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के ताजा प्रस्ताव को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। ईरान ने अपने जवाब में कहा कि वह टकराव रोकने को तैयार है। बशर्ते अमेरिका नौसैनिक नाकाबंदी तत्काल हटाए। प्रतिबंधों को खत्म करे। परमाणु कार्यक्रम और विदेश नीति पर दखल न दे। इनमें कुछ ऐसे मसले हैं जिनका हवाला वाशिंगटन ने इस युद्ध को शुरू करने के लिए दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ऐसा अमेरिका कभी नहीं करेगा। यह किसी से छुपा नहीं है कि ईरान दुनिया की 12वीं या 13वीं परमाणु शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। उसके पास इजराइल के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाने की क्षमता भी है। अमेरिका हमास और हिजबुल्ला जैसे आतंकी समूहों के लिए ईरान के समर्थन को भी खत्म करना चाहता है। दोनों देशों के बीच ऐसे कुछ अहम मुद्दे हैं, जो शांति की राह में चट्टान बनकर खड़े हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल लिखा, मैंने अभी-अभी ईरान के तथाकथित प्रतिनिधियों की प्रतिक्रिया पढ़ी है। मुझे यह पसंद नहीं आई। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है! उन्होंने दूसरी पोस्ट में कहा, ईरान पिछले 47 साल से अमेरिका और बाकी दुनिया के साथ खेल खेल रहा है। ओबामा सरकार ने 2015 में एक समझौता किया था, जिसका मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना था। मैंने अपने पहले कार्यकाल में इस समझौते को मंजूरी नहीं दी। हाल ही में ईरान ने 42,000 बेकसूर और निहत्थे प्रदर्शनकारियों को खत्म कर दिया। वह हम पर हंस रहे हैं। वो अब और नहीं हंस पाएंगे।

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में फ्रांसीसी-ब्रिटिश कोशिश के खिलाफ भी चेतावनी दी है। ईरान के उप विदेशमंत्री ने कहा कि होर्मुज में अमेरिका की गैरकानूनी कार्रवाई का साथ देने पर सशस्त्र बल निर्णायक और तत्काल जवाब देंगे। इसके बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह कोई सैन्य तैनाती नहीं होगी, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय मिशन होगा जिसका मकसद हालात ठीक होने पर जहाजों की आवाजाही को सुरक्षित करना होगा। ब्रिटिश रायल नेवी ने कहा कि एचएमएस ड्रैगन को इस सप्ताह मध्य पूर्व में तैनात किया जाएगा। एचएमएस ड्रैगन ब्रिटिश रायल नेवी का विनाशक युद्धपोत है। इसे विशेष रूप से विमानों और मिसाइलों जैसे हवाई खतरों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन का काम जल्दी ही निपट जाएगा. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिव जी का पंचाक्षर मंत्र जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यस्तता ज्यादा रहेगी थकावट भी रहेगी.परन्तु सफलता भी है कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. विवाह सम्बन्ध मे बाधा रहेगी , दुर्गा जी का मंत्र जप करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज कार्य सिद्ध होंगे आप मे उत्साह भरपूर रहेगा। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है. बच्चों के साथ शाम के वक्त समय जरूर बिताए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का दीप प्रज्वलित करें काम पूरे होंगे खर्च पर नियंत्रण रखें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. शाम तक पूरे काम निपट जांएगे आप रिलैक्स महसूस करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी माता पिता का जरुरी कार्य पहले पूरा करेंगे. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान-पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. छोटी कन्या को दूध की मिठाई जरुर दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज व्यापार मे निवेश करना बढ़ीया रहेगा । अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता हैं काम से फ़ुर्सत मिलते ही आराम करें नये काम का बोझ मत डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज व्यापार का लिए समय अनुकूल है साझेदारी भी कर सकते हैं भविष्य मे लाभदायक रहेगा अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले दही का सेवन जरुर करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज छात्रों का दिन अच्छा और सफलता वाला रहेगा नये कोर्स मे सफलता भी मिलेगी सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.मछलियों को आटा डाले मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज धन का लाभ बनेगा आय के स्त्रोत बढ़ेंगे । शाम को जीवनसाथी के साथ घूमने जरुर जाए . इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. लक्ष्मी जी को पद्मपुष्प चढाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

व्यापार के लिए समय आज अनूकूल नही हैं विचार प्रूवक निवेश करें कर्ज लेने से बचें पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद-विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा. डिनर हल्का लेवें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज मौसमी बीमारियों से परिवार के बच्चे परेशान रहेंगे घर मे गाय के धूप को जलाए . किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. किसी मित्र के यहां शाम का वक्त बितेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन-देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा के दौरान चोरी, दुर्घटना का भय है. मित्रों की सलाह महत्वपूर्ण साबित होगी.

आज का पंचांग

दिनांक : 12 मई 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी दोपहर 02:55 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद रात्रि 01:18 तक
योग : वैधृति रात्रि 11:18 तक
करण : विष्टि दोपहर 02:55 तक
चन्द्राशि : कुंभ रात्रि 07:25 तक
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:30 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38 , सूर्यास्त 06:29 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , भद्रा दोपहर 02:54 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कीर्ति दीपा दीनदयाल इन्नानी ने महाराष्ट्र माध्यमिक परीक्षा में हासिल की शानदार सफलता

धर्माबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। धर्माबाद शहर के इंदिरा गांधी पब्लिक स्कूल की छात्रा कु. कीर्ति दीपा दीनदयाल इनानी ने महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक परीक्षा (एसएससी) में 96.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। उन्होंने धर्माबाद तालुका में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं परिवार का नाम गौरवान्वित किया है।महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन के लातूर डिविजनल बोर्ड द्वारा 10वीं कक्षा का परिणाम 8 मई 2026 को घोषित किया गया। इंदिरा गांधी पब्लिक स्कूल, धर्माबाद ने इस वर्ष भी 100 प्रतिशत परिणाम की परंपरा को कायम रखा।विद्यालय की छात्रा कु. कीर्ति इनानी बचपन से ही मेहनती एवं जिज्ञासु छात्रा रही हैं तथा पहली कक्षा से लगातार 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का परिचय देती रही हैं।

विद्यालय के अन्य सफल विद्यार्थियों में मुंढकर प्रतिक्षा साईनाथ, कोटावाड सानिका साईनाथ, पनडवार राहुल सुधाकर, बकावाड प्रणव बालाजी, शेख अफान, शेख सल्लादीन, बिडवे वेदिका गणेश, पवार आरुषी विशाल, इडिपवार श्वेता गोपी, दुगमवार शिवानंद हनमंत, होनशेट्टे श्रद्धा बालाजी, फारुकी अलताफ, फारुकी एमडी उबेद, मिर्जा अनवर, पवार श्रयोग सतीश, अस्तने तनवीर, पाटील सुमीत संजय, मदनुरे हर्षिता राजना, बकावाड साईप्रसाद बालाजी, जोरघेवाड सविता पोशट्टी, रामपुरे अथर्व राजेश्वर, आरगुलवार अनन्या विश्वनाथ, हिवराले मेघा हनुमंत, कवडेवार ओमकार सुरेश एवं शेख मोहयद शामिल रहे।

विद्यालय की इस सफलता के लिए संस्था के अध्यक्ष विठ्ठलरेड्डी कोपलोड, उपाध्यक्ष शेटपेल्ली नरसारेड्डी, सचिव आर्गे नरसन्ना, कोषाध्यक्ष मुधोलकर राजेश्वर एवं अन्य पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती संगीता किशोर पाटील तथा शिक्षकगण खान सर, नित्या अय्यर, साखरे सर, शेख मशरत, मालगे रमेश, कीर्ति सर एवं समस्त शिक्षकीय स्टाफ की योजनाबद्ध तैयारी, मार्गदर्शन एवं मेहनत को इस सफलता का श्रेय दिया गया।

इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल नई शिक्षा नीति के अनुरूप आधुनिक शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के खेल, कला, कौशल विकास एवं अत्याधुनिक भौतिक सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। विद्यालय के इस प्रयास से अभिभावकों में भी संतोष एवं विश्वास का वातावरण है।

विद्यालय के अध्यक्ष विठ्ठलरेड्डी कोपलोड ने कहा कि विद्यालय ने अभिभावकों के विश्वास को कायम रखा है तथा भविष्य में भी विद्यार्थियों की उत्कृष्ट सफलता के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

कु. कीर्ति इनानी ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता दीपा दीनदयाल इनानी, विद्यालय के प्रधानाचार्य, कक्षा शिक्षकों, शिंदे कोचिंग एवं पाटिल अकादमी क्लास के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन एवं परिवार के सहयोग से उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है।

पेद्दापल्ली में जनगणना हाउसहोल्ड सूची प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने के निर्देश

पेद्दापल्ली, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जिले में जनगणना हाउसहोल्ड सूची प्रक्रिया को व्यापक कार्ययोजना के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए।

सोमवार को जिला कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने पेद्दापल्ली मंडल के पेद्दापल्ली गांव में चल रहे जनगणना कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिले में 11 मई से 9 जून 2026 तक जन-गणना हाउस लिस्ट कार्यक्रम संचालित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि हाउस लिस्ट सर्वे के दौरान पेयजल कनेक्शन, शौचालय, फोन, इंटरनेट सुविधा, खान-पान की आदतों सहित कुल 33 बिंदुओं से संबंधित जानकारी ऑनलाइन ऐप में दर्ज की जाएगी। जिले में कुल 1548 हाउसिंग लिस्ट ब्लॉक (एचएलबी) चिन्हित किए गए हैं तथा प्रत्येक ब्लॉक में लगभग 300 घर और करीब 800 की जनसंख्या शामिल होगी।

कलेक्टर ने कहा कि 11 मई से गणनाकर्मी घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी गणनाकर्मियों के पास क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से होना चाहिए। वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए सर्वे कार्य सुबह एवं शाम के समय करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने प्रत्येक हाउसिंग लिस्ट ब्लॉक के लिए अलग कार्ययोजना तैयार कर हर घर का विवरण दर्ज करने को कहा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनगणना अधिनियम के अनुसार सही जानकारी देना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है तथा कोई भी व्यक्ति जानकारी देने से इंकार न करे।

इसके पश्चात जिला कलेक्टर ने पेद्दापल्ली कृषि मार्केट यार्ड स्थित ईवीएम स्ट्रांग रूम गोदाम का निरीक्षण किया। नियमित निरीक्षण के तहत सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

बाद में उन्होंने पेद्दापल्ली मार्केट यार्ड में धान खरीद केंद्र का भी निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण धान की शीघ्र खरीद सुनिश्चित करने, पर्याप्त संख्या में हमाल एवं आवश्यक वाहनों की व्यवस्था रखने तथा खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को टैब एंट्री एवं ट्रक शीट जनरेशन जैसी प्रक्रियाएं तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को शीघ्र भुगतान किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

पेद्दापल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शी टीम का जागरूकता सेमिनार आयोजित

पेद्दापल्ली, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त के निर्देश पर पेद्दापल्ली जागृति मंडल महिला समाख्या कार्यालय में पेद्दापल्ली शी टीम की ओर से महिलाओं के लिए जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शी टीम प्रभारी उपनिरीक्षक लावण्या ने भाग लेकर महिलाओं की सुरक्षा, बाल संरक्षण, ऑनलाइन ठगी तथा नशा विरोधी विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। उपनिरीक्षक लावण्या ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शी टीम द्वारा प्रतिदिन बस स्टैंड, मुख्य चौक, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों तथा कॉलेज परिसरों में लगातार गश्त की जा रही है। उन्होंने महिलाओं एवं छात्राओं से अपील की कि यदि कोई उन्हें परेशान करता है या छेड़छाड़ करता है तो वे बिना किसी डर के शी टीम हेल्पलाइन नंबर 6303923700 पर संपर्क करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतकर्ताओं की जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने लोगों को साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी तथा फर्जी लोन ऐप्स से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी का शिकार होने पर तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

मातृ दिवस पर भव्य सम्मान एवं चरण पूजन समारोह आयोजित

मंचेरियाल, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में वनिता वक्कू फाउंडेशन के तत्वावधान में मारुति नगर, मंचेरियाल में मातृ शक्ति के सम्मान में भव्य समारोह एवं चरण पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माताओं का सम्मान करते हुए उनके त्याग, प्रेम और समर्पण को याद किया गया।

इस अवसर पर वनिता वक्कू फाउंडेशन के संस्थापक अधिवक्ता रंगा वेणु कुमार ने भावुक संबोधन में कहा कि चाहे आग हो, बाढ़ हो या जीवन में कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न आ जाएं, एक मां के मन में हमेशा अपने बच्चे की सुरक्षा और खुशहाली की ही चिंता रहती है। उन्होंने कहा कि मां ही वह देवी है, जो अपने बच्चों की खुशी में अपना स्वर्ग देखती है और मां के प्रेम का कोई मूल्य नहीं चुकाया जा सकता।

उन्होंने कहा कि जब तक मां हमारे साथ है, तब तक उसका हाथ थामकर उसे प्रेम और सम्मान देना ही मातृ दिवस का सच्चा उत्सव है। उनके प्रेरणादायी संबोधन ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया।

सरकारी कार्यालयों में सूचना बोर्ड लगाने की मांग

मंचेरियाल, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूचना का अधिकार विकास समिति के प्रतिनिधियों ने मांग की है कि सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत मंचेरियाल जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में अनिवार्य रूप से सूचना बोर्ड लगाए जाएं।

समिति के प्रतिनिधियों ने सोमवार को आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपकर यह मांग रखी। उन्होंने कहा कि कई सरकारी कार्यालयों में पुराने सूचना बोर्ड लगे हुए हैं, जिन पर अधिकारियों की अद्यतन जानकारी उपलब्ध नहीं है।

प्रतिनिधियों ने अनुरोध किया कि पुराने बोर्डों के स्थान पर नए सूचना बोर्ड लगाए जाएं तथा उनमें संबंधित अधिकारियों के पदनाम एवं वर्तमान मोबाइल नंबर स्पष्ट रूप से दर्ज किए जाएं, ताकि आम नागरिकों को आवश्यक जानकारी आसानी से प्राप्त हो सके।

समिति ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन तभी संभव है, जब जनता को संबंधित अधिकारियों एवं विभागों की सही जानकारी सहज रूप से उपलब्ध हो।

बंडी संजय को केंद्रीय मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग, बीआरएस नेताओं का विरोध

मदनूर, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल बीआरएस पार्टी अध्यक्ष बंसी पटेल एवं पार्टी नेताओं ने केंद्रीय मंत्री बंदी संजय को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की है। सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में नेताओं ने आरोप लगाया कि बंदी संजय के पुत्र भागीरथ पर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का आरोप है और उनके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

बीआरएस नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए बंदी संजय को केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाना चाहिए। उन्होंने बंदी भागीरथ की तत्काल गिरफ्तारी की मांग भी की। प्रेस वार्ता के दौरान नेताओं ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस मामले पर सरकार की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों इस मामले में एक जैसी भूमिका निभा रही हैं।

बीआरएस नेताओं ने कहा कि यदि किसी केंद्रीय मंत्री के पुत्र पर गंभीर आरोप लगे हैं, तो निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पीड़ित लड़की को शिकायत दर्ज कराने के लिए लंबे समय तक पुलिस स्टेशन में इंतजार करना पड़ा।

नेताओं ने पुलिस प्रशासन पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आम जनता और सत्ताधारी दल से जुड़े लोगों के साथ अलग-अलग व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि नाबालिग लड़की को न्याय दिलाया जाए, अन्यथा बीआरएस पार्टी गली से लेकर दिल्ली तक आंदोलन करेगी।

भागीरथ के खिलाफ मामला दर्ज नहीं होने पर बाल्का सुमन ने उठाए सवाल

मंचेरियाल, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर के पूर्व विधायक बाल्का सुमन ने केंद्रीय मंत्री बंदी संजय के पुत्र भागीरथ के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज नहीं किए जाने पर सवाल उठाते हुए पीड़ित नाबालिग लड़की के परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि इस मामले पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तथा राज्य के मंत्री कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रहे हैं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल खड़े किए।

बाल्का सुमन रविवार को मंचेरियाल जिले के रामकृष्णपुर पुलिस स्टेशन में उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि क्यातानपल्ली नगरपालिका अध्यक्ष चुनाव के दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा उनके खिलाफ कथित रूप से अवैध मामले दर्ज किए गए थे, जिनके संबंध में वह पुलिस स्टेशन पहुंचे थे।

बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्य ठप पड़े हैं और जनता को मूलभूत सुविधाएं भी सही ढंग से उपलब्ध नहीं हो रही हैं।

उन्होंने मंत्री विवेक की कार्यशैली पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह मंत्री की बजाय कलेक्टर के क्लर्क की तरह काम कर रहे हैं। बाल्का सुमन ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं है।

उन्होंने लक्षेट्टीपेट क्षेत्र में बेमौसम बारिश के कारण चार किसानों की मौत पर दुख एवं नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि यह केवल एक दुर्घटना थी, तो संबंधित मंत्री पीड़ित परिवारों से मिलने क्यों नहीं गए।

मंचेरियाल में आरटीसी कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन बस सेवाएं प्रभावित होने से यात्री परेशान

मंचेरियाल, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल में सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) कर्मचारियों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। आरटीसी चालकों ने डिपो में उपयोग की जा रही ब्रेथलाइज़र मशीनों की कार्यप्रणाली पर गंभीर असंतोष व्यक्त किया।

चालकों का आरोप है कि मंचेरियाल डिपो में लगी ब्रेथलाइज़र मशीनें सही ढंग से कार्य नहीं कर रही हैं और शराब का सेवन नहीं करने के बावजूद पॉजिटिव परिणाम दिखा रही हैं। पिछले दो दिनों में दो चालकों के शराब पीकर वाहन चलाने के मामले में पॉजिटिव पाए जाने के बाद चालक अपने परिवार के सदस्यों के साथ सोमवार सुबह डिपो के सामने विरोध प्रदर्शन पर उतर आए।

प्रदर्शन कर रहे चालकों ने कहा कि मशीनों में तकनीकी खराबी के कारण शराब का सेवन न करने वाले कर्मचारियों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आ रही है, जिससे उन्हें अनावश्यक निलंबन और जुर्माने का सामना करना पड़ रहा है। आरटीसी ट्रेड यूनियन नेताओं ने मांग की कि पुरानी और खराब मशीनों को तत्काल हटाकर नई एवं उच्च गुणवत्ता वाली मशीनें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि जांच में सटीक परिणाम मिल सकें। इसी दौरान सोमवार तड़के लगभग साढ़े तीन बजे से आरटीसी कर्मचारियों ने काम बंद कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे कई स्थानों पर बस सेवाएं ठप हो गईं। बसों के रुकने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। यात्रियों ने बताया कि वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें निजी वाहनों एवं ऑटो रिक्शा का सहारा लेना पड़ा। इस स्थिति का फायदा उठाते हुए कई निजी वाहन चालक मनमाना किराया वसूल रहे हैं, जिससे यात्रियों में नाराजगी देखी गई।

तिरुपति भगवान वेंकटेश्वर की मूर्ति की कुछ अनोखी बातें

मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर, दाईं ओर एक एक छडी रहती है जिसका इस्तेमाल वहां उपस्थिति वेंकटेश्वर स्वामी को हिट करने के लिए अनंतालवर के द्वारा किया जाता था। जब इस छड का इस्तेमान नन्हे बालक के रूप में वेंकटेश्वर को मारने के लिए किया गया था, तो उनकी ठोडी पर चोट लग गई थी। तब से वेंकटेश्वर को चंदन का लेप ठोडी पर लगाये जाने की शुरूआत की गई।

इस मंदिर में वेंकटेश्वर स्वामी की मूर्ति पर लगे हुए बाल उनके असली बाल हैं। ऐसा कहा जाता है कि ये बाल कभी उलझते नहीं है और हमेशा इतने ही मुलायम रहते हैं। इस मंदिर से 23 किमी दूर एक गांव स्थित है। इस गांव में सिर्फ वही लोग आ जा सकते हैं जो इस गांव के निवासी हो। इस गांव के लोग, सख्त नियमों के साथ अपना जीवन बिताते हैं। इसी गांव से भगवान वेंकटेश्वर के लिए, फूल, दूध, घी, मक्खन आदि सामग्री जाती है। वेंकटेश्वर स्वामी की स्थापना, गर्भ गुदी के मध्य में की गई है, ऐसा प्रतीत होता है। लेकिन वास्तव में, जब आप इसे बाहर से खड़े होकर देखें, तो पाएंगे कि यह मंदिर के दाईं ओर स्थित है। मूर्ति पर चढाये जाने वाले सभी फूलों और तुलसी पत्रों को भक्तों में न बांटकर, परिसर के पीछे बने पुराने कुएं में फेंक दिया जाता है। स्वामी का पिछला हिस्सा सदैव नम रहता है। अगर आप ध्यान से कान लगाकर सुनें तो आपको सागर की आवाज सुनाई देती है। गुरूवार के दिन, मंदिर में निज रूप दर्शनम् का आयोजन किया जाता है, जिसमें सफेद चंदन के पेस्ट से स्वामी को रंग दिया जाता है। जब इस लेप को हटाया जाता है तो माता लक्ष्मी के चिन्ह् बने रह जाते हैं। इन चिन्हों को मंदिर के अधिकारियों द्वारा बेच दिया जाता है। जिस प्रकार जब किसी की मृत्यु हो जाती है तो पीछे मुडकर नहीं देखा जाता है और न ही रोशनी की जाती है। उसी प्रकार, इस मंदिर के पुजारी, पूरे दिन मूर्ति के पुष्पों को पीछे फेंकते रहते हैं और उन्हें नहीं देखते हैं। मंदिर में चढाये जाने वाले फूलों को दूर स्थित एक विशेष गांव से लाया जाता है।

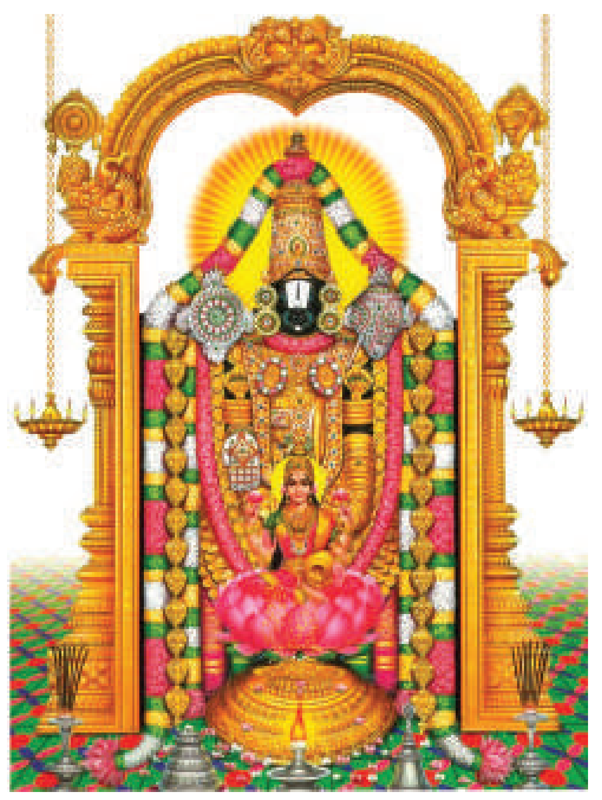

इस मंदिर में एक दीया कई सालों से जल रहा है किसी को नहीं ज्ञात है कि इसे कब जलाया गया था। 1800 में, इस मंदिर को कुल 12 वर्षों के लिए बंद कर दिया गया था। उस दौरान, एक राजा ने 12 लोगों को दंडस्वरूप मौत की सजा दी और मंदिर की दीवार पर लटका दिया। कहा जाता है कि उस समय विमान वेंकटेश्वर स्वामी प्रकट हुए थे।

बालाजी की मूर्ति पर पचाई कर्पूरम चढाया जाता है जो कपूर से मिलकर बना होता है। अगर इसे किसी साधारण पत्थर पर चढाया जाये, तो वह कुछ ही समय में चटक जाये, लेकिन मूर्ति पर इसका प्रभाव नगण्य रहता है। मूर्ति का तापमान 110 फारेनहाईट रहता है, जबकि इसे प्रतिदिन सुबह 4:30 बजे ही जल, दूध से स्नान करा दिया जाता है। स्नान कराने के बाद मूर्ति से पसीना आता है जिसे पोंछा जाता है।

जानिए, एक मोर का पंख हमारे जीवन कि दिशा बदलने में कितना सहायक है

देवताओं के सेनापति कहे जाने वाले शिव पुत्र कार्तिकेय मोर पर सवार होकर असुरो के साथ हुए युद्ध में विजय दिलवाए थे। क्या आप जानते हैं मोर के पंख हमारे लिए कितना उपयोगी है।

मोर के पंख का उपयोग। यही मोर का पंख हमारे ज्योतिष-शास्त्र एवं वास्तु शास्त्र के द्वारा मनुष्य जीवन में कितना भाग्यशाली सिद्ध होता है कि एक मोर का पंख हमारे जीवन कि दिशा बदलने में कितना सहायक है।

इसे नित्य प्रयोग में लाने से असंभव कार्य भी संभव से होने लगते है। निम्न प्रयोगों के द्वारा आप भी शुभ मोर के पंखों से लाभ उठा सकते है। घर के दक्षिण-पूर्व कोण में लगाने से बरकत बढती है, व अचानक कष्ट नहीं आता है। यदि मोर का एक पंख किसी मंदिर में श्री राधा-कृष्ण कि मूर्ती के मुकुट में 40 दिन के लिए स्थापित कर प्रतिदिन मक्खन-मिश्री का भोग सांयकाल को लगाए, 41वें दिन उसी मोर के पंख को मंदिर से दक्षिणा-भोग दे कर घर लाकर अपने खजाने या लाकर्स में स्थापित करें। तो ऐसा माना जाता है कि धन,सुख-शान्ति कि वृद्धि हो रही है। सभी रुके हुए कार्य पूरे होंगे ।

काल-सर्प के दोष को भी दूर करने की इस मोर के पंख में अद्भुत क्षमता है। काल-सर्प वाले व्यक्ति को अपने तकिये के खौल के अंदर 7 मोर के पंख सोमवार रात्री काल में डालें तथा प्रतिदिन इसी तकिये

का प्रयोग करे। और अपने बैड रूम की पश्चिम दीवार पर मोर के पंख का पंखा जिसमे कम से कम 11 मोर के पंख तो हों लगा देने से काल सर्प दोष के कारण आयी बाधा दूर होती है। बच्चा जिदी हो तो इसे छत के पंखे के पंखों पर लगा दे ताकि पंखा चलने पर मोर के पंखो की भी हवा बच्चे को लगे धीरे-धीरे हठ व जिद कम होती जायेगी। जैसे कि पहलें वर्णन किया कि मोर व सर्प में शत्रुता है अर्थात सर्प, शनि तथा राहू के संयोग से बनता है। यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार में या अपनी जेब व डायरी में रखा हो तो राहू का दोष कभी भी नहीं परेशान करता है। तथा घर में सर्प, मच्छर, बिच्छू आदि विषेलें जंतुओं का भय नहीं रहता है। नवजात बालक के सिर की तरफ दिन-रात एक मोर का पंख चांदी के ताबीज में डाल कर रखने से बालक डरता नहीं है तथा कोई भी नजर दोष और अला-बला से बचा रहता है।

यदि शत्रु अधिक तंग कर रहें हो तो मोर के पंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिन्दूर से मंगलवार या शनिवार रात्री में उसका नाम लिख कर अपने घर के मंदिर में रात भर रखें प्रात:काल उठकर बिना नहाये धोए चलते पानी में बहा देने से शत्रु, शत्रुता छोड कर मित्रता का व्यवहार करने लगता है।

क्यों करें, अंतिम समय में दीप दान

मृत्यु जीवन का अंतिम कटु सत्य है। मृत्यु के लिए दो कार्य आवश्यक हैं। प्रथम, मनुष्य जब पांच तत्वों अर्थात जल, वायु, आकाश, पृथ्वी व अग्नि का कर्ज चुका दे तब मृत्यु को प्राप्त होगा। दूसरा, वह स्थान, वह विधि जब स्थूल शरीर को मिल जाए, जहां मृत्यु होनी है तब मृत्यु होगी। जहां अंतिम सांस ली वह उसका मृत्यु का स्थान था। जब हम मृत पड गए शरीर को अग्नि को समर्पित करते हैं तो वह पांचों तत्वों का कर्ज चुकाता है। इसलिए ही शव को जलाने का चलन है। चिता की अग्नि में देह भस्तसात् हो जाती है। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है। शास्त्र कहते हैं कि अंश अपनी अंशी के पास पहुंचकर ही विश्रम लेता है। इसी प्रकार चैतन्य प्राण वायु के रूप में प्रवाहित अग्नितत्व अपने उद्गम स्थल सूर्चपिंड में पहुंचकर ही विश्रम लेता है। दीपक मृतक आत्मा के पथ को प्रकाशित कर, उसे गंतव्य पर पहुंचने में सहयोग करता है। ज्योतिष की दृष्टि से कितने घंटे का एक प्रहर होता है। तीन घंटे अर्थात साढे सात घटी का एक प्रहर होता है ।चौबीस घंटे में कितने प्रहर होते हैं। आठ पहर होते हैं। आठों पहरों के नाम, दिन में- पूर्वार्ध, मध्याह्, अपराह्, सायं, रात्रि में-प्रदोष, निशीथ, त्रियामा, उषा। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है।

पूजा में तांबे के बर्तन का उपयोग क्यूं किया जाता है

आप जब भी मंदिर जाते होगें तो वहां पर मौजूद लोगों के हाथों में कभी चांदी, तांबा या स्टील के बर्तन जरुर देखते होगें। हिन्दू धर्म में सोना,

चांदी और तांबे के बर्तन काफी पवित्र माने गए हैं। हिन्दू धर्म में ऐसा माना गया है कि ये धातुएं कभी अपवित्र नहीं होती है। पूजा में इन्ही धातुओं के यंत्र भी उपयोग में लाए जाते हैं क्योंकि इन से यंत्र को सिद्धि प्राप्त होती है। वहीं दूसरी जगह अगर देखा जाए तो लोहा, स्टील और एल्यूमीनियम के धातु अपवित्र माने जाते हैं। अगर आप स्टील की प्लेट का इस्तमाल पूजा के लिये करते हैं, तो इनका प्रयोग तुरंत ही बंद कर दें क्योंकि यह धातु पूरी तरह से अपवित्र माने जाते हैं और धार्मिक क्रियाकलापों में इन धातुओं के बर्तनों के उपयोग की मनाही की गई है।

इन धातुओं की मूर्तियां भी नहीं बनाई जाती। लोहे में हवा पानी से जंग लगता है। एल्यूमीनियम से भी कालिख निकलती है। इसलिए इन्हें अपवित्र कहा गया है। जंग आदि शरीर में जाने पर घातक बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए लोहा, एल्युमीनियम और स्टील को पूजा में निषेध माना गया है। पूजा में सोने, चांदी, पीतल, तांबे के बर्तनों का उपयोग करना चाहिए। हिंदू धर्म में नारियल का महत्व अगर आपके लिये सोने और चांदी के बर्तन महंगे हैं, तो आप तांबा का प्रयोग कर सकते हैं। यह उनके तुलना में सस्ता है और मंगल कार्य हेतु बहुत ही अच्छा धातु है। माना जाता है कि तांबे के बर्तन का पानी पीने से खून साफहोता है। इसलिए जब पूजा में आचमन किया जाता है तो अचमनी तांबे की ही रखी जानी चाहिए क्योंकि पूजा के पहले पवित्र क्रिया के अंतर्गत हम जब तीन बार आचमन करते हैं तो उस जल से कई तरह के रोग दूर होते हैं और रक्त प्रवाह बढता है। इससे पूजा में मन लगता है और एकाग्रता बढती है।

नटराज: कहानी नृत्य करते शिव की

नटराज एक बहुत ही प्रसिद्ध नाचते हुए देवता की मूर्ती है। जिन्हें नृत्य का शौक होता है वे अपने सामने नटराज जी की मूर्ती रखते हैं और उन्हें प्रणाम कर के ही अपना नृत्य शुरु करते हैं। यह नटराज भगवान दरअसल शिव जी का स्वरूप हैं। नटराज शिवजी का एक नाम है उस रूप में जिस में वह सबसे उत्तम नर्तक हैं। नटराज दो शब्दों से मिल कर बना है- नट अथार्त कला और राज का अर्थ है राजा। शिव का तांडव नृत्य प्रसिद्ध है। भगवान शिव को आमतौर पर विनश के साथ जोडा जाता है और हमेशा उन्हें गुस्से में ही दिखाया गया है। लेकिन बहुत ही कम लोग यह जानते हैं कि शिव जी को संगीत और नृत्य से कितना ज्यादा प्यार था। नटराज अवतार एक संदेश था कि अज्ञानता को केवल ज्ञान, संगीत और नृत्य ही दूर कर सकता है। शिव के तांडव के दो स्वरूप हैं। पहला उनके क्रोध को दिखाता है और दूसरा आनंदरप्रदान करने वाला तांडव। प्राचीन आचार्यों के मतानुसार शिव के आनन्द तांडव से ही सृष्टी अस्तित्व में आती है तथा उनके रौद्र तांडव में सृष्टी का विलय हो जाता है। शिव कानटराज स्वरूप भी उनके अन्य स्वरूपों की ही भातिं मनमोहक तथा उसकी अनेक व्याख्यायँ हैं। आइये दर्शन करते हैं भारत के प्रसिद्ध शिव मंदिरों के नटराज शिव की प्रसिद्ध प्राचीन मुर्ति के चार भुजाएं हैं, उनके चारो ओरअग्नि के घेरें हैं। उन्होंने अपने एक पांव से एक बौने को दबा रखा है तथा दूसरे पांव से नृत्य मुद्रा में उपर की ओर उठा है। उन्होने अपने पहले दाहिने हाथ में डमरू पकडा है। डमरू की आवाज सृजन का प्रतीक है। ऊपर की ओर उठे हुए उनके दूसरे हाथ में आग है जो कि विनाश का प्रतीक है। उनका दुसरा दाहिना हाँथ अभय (या आशिस) मुद्रा में उठा हुआ है जो कि हमें बुराईयों से रक्षा करता है। नटराज का जो पांव उठा हुआ है वह मोक्ष दर्शाता है। इसका अर्थ यह है कि शिव मोक्ष के मार्ग का सुझाव करते हैं। कहा जाता है कि शिव के चरणों में मोक्ष है। जो बौना शिव के पैरों तले दबा हुआ है वह अज्ञान का प्रतीक है। शिव जी अज्ञान का विनाश करते हैं।

क्या कोई वस्तु शुभ या अशुभ होता है या ये अंधविश्वास है

कोई वस्तु शुभ या अशुभ नहीं होती ,शुभ-अशुभ के अंधविश्वास से निकलकर हमें हर वस्तु की उपयोगिता परखनी चाहिए बचपन से हम सुनते आए हैं कि घर में अमुक वस्तुएं रखना शुभ होता है और अमुक रखना अशुभ होता है। किसी चीज से घर के सदस्यों के बीच में प्यार बढने का दावा किया जाता है तो किसी चीज से तकरार बढने का। किसी से घर में सुख-समृद्धि का आगमन बताया जाता है तो किसी से अभाव का। लेकिन सही बात यह है कि ये बातें सिर्फ अंधविश्वास हैं, क्योंकि इन बातों में तार्किकता का अभाव है। वास्तव में कोई भी चीज शुभ या अशुभ नहीं होती। किसी भी वस्तु को शुभ या अशुभ बनाता है उसका उपयोग। सीधी-सी बात है कि यदि किसी वस्तु के इस्तेमाल का परिणाम अच्छा है, तो वह वस्तु शुभ और परिणाम अच्छा नहीं है तो अशुभ होगी। चाकू को ही लीजिए। घर में रोजमर्रा के कामों में उसकी उपयोगिता व महत्व को नकारा नहीं जा सकता। एक सर्जन सर्जिकल नाइफ से ही ऑपरेशन कर मरीज की जान बचाता है। अत: एक डॉक्टर के हाथ का चाकू उपयोगी व अनिवार्य होने के कारण वह चाकू शुभ ही माना जाएगा, लेकिन यदि किसी चाकू का इस्तेमाल किसी व्यक्ति की हत्या करने जैसे कार्य के लिए किया जाता है, तो वह चाकू का दुरुपयोग है। अत: वह चाकू अशुभ माना जाना चाहिए। किसी चीज का सदुपयोग अथवा दुरुपयोग ही उसे शुभ या अशुभ बनाता है।

शुभ या अशुभ का आधार इस्तेमाल की जाने वाली चीज की उपयागिता भी हो सकता है। जिस वस्तु का कोई उपयोग ही न हो वह कैसी शुभ या अशुभ हां, कुछ कलाकृतियां हो सकती हैं, जिनका वैसे तो कोई उपयोग नहीं होता, लेकिन कला की दृष्टि से वे मूल्यवान हो सकती हैं। लेकिन कोई भी कलाकृति सुंदर या आकर्षक अथवा बहुमूल्य या अल्पमूल्य हो सकती है, शुभ या अशुभ नहीं। एक व्यक्ति बाजार में घूम-घूम कर एक मूर्ति बेच रहा था और कह रहा था कि यह मूर्ति स्वयं जमीन से प्रकट हुई है और बहुत शुभ है। जो भी इसे अपने घर में स्थापित करेगा, उसके घर में हर प्रकार की समृद्धि में वृद्धि होगी। एक व्यक्ति ने उस मूर्ति के दाम पूछे। बेचने वाले ने कहा, 'दस हजार रुपये।' पूछने वाले ने कहा, 'ऐसी मूर्तियां तो एक हजार रुपये में मिल जाती हैं, दस गुने दाम मैं क्यों दूं जहां तक समृद्धि की बात है तो आप स्वयं क्यों नहीं इसे अपने घर में स्थापित कर लेते यहां सडकों पर क्यों मारे-मारे फिर रहे हैं और लोगों को ठग रहे हैं। हमें शुभ-अशुभ के चक्रमें मूर्ख नहीं बनना चाहिए। अपनी व्यावहारिक बुद्धि का इस्तेमाल करके चीजों की उपयोगिता पर भी विचार अवश्य कर लेना चाहिए।

मां कात्यायनी के ध्यान मात्र से मिलता है अर्थ व मोक्ष का वरदान

नवरात्रि के छठें दिन मां कात्यायनी देवी को पूजा की जाती है। इनकी कृपा से सारे कार्य पूरे हो जाते हैं। वे बैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट हुई थीं। भगवान कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा की थी। यह पूजा कालिंदी यमुना के तट पर की गई थी।

अत: ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यान ने भगवती पराम्बा की कठिन उपासना की थी। ऋर्षि की इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। इसलिए देवी कात्यायनी कहलाईं। मां के दायीं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभय मुद्रा में हैं तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में है। मां के बाईं तरफऊपर वाले हाथ में तलवार है और नीचे वाले हाथ में कमल है। मां का वाहन सिंह है।

फल की प्राप्ति इनकी उपासना से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। लोगों का रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाता है। इस देवी की उपासना करने से परम पद की प्राप्ति होती है।

बिना गुरु अवतार भी नहीं हुए पार

भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि ब्रहमा और शंकर जैसा व्यक्ति भी गुरु के बिना संसार से पार नहीं उतर सकता है। गुरु की महत्ता को ही समर्पित दिन है गुरु पूर्णिमा। अपने गुरुओं के दर्शन कर जीवन को आलोकित करने का अवसर। इस वर्ष गुरु पूर्णिमा, 31 जुलाई के दिन है। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है, 'गुरु बिनु भवनिधि तरइ न कोई/ जो बिरंचि संकर सम होई।' भले ही कोई व्यक्ति ब्रहमा और शंकर के समान क्यों न हो वह गुरु बिना भवसागर से पार नहीं उतर सकता है। गुरु को भारतीय संस्कृति में अहम पद प्रदान किया गया है और उन्हीं गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर लाती है गुरु पूर्णिमा। आषाढ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहा जाता है। यह दिन गुरुओं की महत्ता रेखांकित करता है। पूरे भारत में इस दिन लोग अपने-अपने गुरुओं के दर्शन कर जीवन को धन्य करते हैं, नई राह पाते हैं। कई श्रद्धालु इस दिन गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करते हैं। ब्रज में इस दिन को 'मुडिया पूनो' कहा जाता है। गुरु पूर्णिमा का यह दिन महाभारत को रचने वाले कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्म दिवस भी है। उन्होंने चारों वेद रचे। वेदों की रचना करने के कारण वे वेद व्यास कहलाए। वे वेदों की रचना कर आदि गुरु कहलाए और उनके प्रति आदर के कारण ही गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस तरह गुरु पूर्णिमा का दिन जीवन को प्रकाश से आलोकित करने वाले गुरु के प्रति आभार की अभिव्यक्ति का दिन है। भारत भूमि पर जितने भी

अवतार अवतरित हुए उनके गुरु भी हुए हैं। श्रीराम के गुरु वशिष्ठ थे तो श्रीकृष्ण के सांदीपनी। तात्पर्य यही है गुरु होना जरूरी है। गुरु के बिना जीवन का उद्धार नहीं है। गुरु बनाने का एक दार्शनिक तात्पर्य हमारे यहां यह भी बताया गया है कि हमें हर किसी से सीखने का प्रयास करना चाहिए। यदि हमारे भीतर गुरु बनाने या सीखने का भाव नहीं है तो हमारी उन्नति अवरुद्ध हो सकती है। दत्तात्रेय ने चौबीस गुरु बनाए थे और उन्हें गुरुओं के गुरु भी कहा जाता है। वे जहां-जहां गए वहां जो भी मिला उससे सीखते गए और इस तरह वे गुरुओं के भी गुरु कहलाए। गुरु पूर्णिमा बताती है कि हम जीवन में बडों और छोटों से भी सीखने का प्रयास करें। गुरु महिमा का बखान हनुमान चालीसा में भी प्राप्त होता है जहां कवि तुलसीदास जी ने लिखा है 'कृपा करौ गुरुदेव की नाईं।' अर्थ यह है कि हे नाथ, मुझ गुरु समान कृपा कीजिए। हनुमानजी से यह प्रार्थना है कि वे गुरु भाव से हमें शरण में लें और हमारी चेतना को प्रखर बनाएं।

दुविधा में गुरु का सहारा गुरु को भारतीय संस्कृति में ऐसे आश्रय के तौर पर देखा गया है जो विपरीत या कठिन परिस्थितियों में हमारा मार्गदर्शन करता है। कुरुक्षेत्र में जब अर्जुन किंकर्तव्यविमूढ हो गया तो श्रीकृष्ण ने गुरु रूप में उसका मार्गदर्शन किया। उसे जीवन के सार से अवगत कराया। अर्जुन गुरु द्रोण से शस्त्र विद्या में पारंगत हुआ था लेकिन जब जीवन समर में अपनों से युद्ध की दुविधा सामने आई तो अर्जुन ठिठक गया और तब गुरु रूपी श्रीकृष्ण ने उसकी शंकाओं का समाधान किया। हमें भी जीवन में जब कभी शंकाएं घेरती हैं तो हमें गुरु ही मार्ग दिखाते हैं इसलिए गुरु की महत्ता है। हमारी समस्याओं का समाधान गुरु के पास होता है। क्या करें गुरु पूर्णिमा पर जिन्हें आपने अपना गुरु माना है उनके दर्शन करें और आशीर्वाद प्राप्त करें। हिन्दू शास्त्रों में आदि शंकराचार्य को जगतगुरु माना गया है तो उनकी पूजा इस दिन की जाना चाहिए।

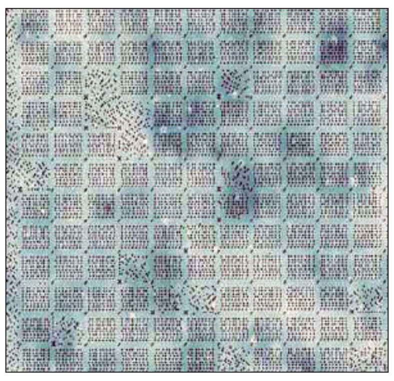

छोटे चिप में समा जाएंगी अब तक लिखी सारी किताबें

नीदरलैंड के वैज्ञानिकों ने दुनिया का सबसे छोटा हार्ड डिस्क बनाने का दावा किया है। सिंगल क्लोरीन एटम पर आधारित डाक टिकट के आकार वाले इस डिस्क में अब तक लिखी गई सारी किताबों को स्टोर किया जा सकता है। मौजूदा समय में हर दिन एक अरब गीगाबाइट से ज्यादा नए आंकड़ों का सृजन हो रहा है। इतनी बड़ी मात्रा में डाटा को स्टोर करने के लिए जरूरी है कि प्रत्येक बिट जितना संभव हो सके उतना कम स्थान ले। डेफ्ट यूनिवर्सिटी के नैनोसाइंस विभाग के वैज्ञानिकों ने यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने एक किलोबाइट (आठ हजार बिट्स) की मेमोरी बनाने में सफलता हासिल की है। इसमें प्रत्येक बिट सिंगल क्लोरीन एटम की स्थिति को दर्शाता है। सैंडर ओट के मुताबिक इस स्टोरेज क्षमता से दुनिया भर में आज तक लिखी गई सारी किताबें एक छोटे से हार्ड डिस्क में स्टोर हो जाएंगी। उनके मुताबिक इस हार्ड डिस्क की स्टोरेज डेंसिटी 500 टेराबिट्स (एक लाख करो? बिट्स) प्रति वर्ग इंच है। यह मौजूदा हार्ड डिस्क की क्षमता से पांच सौ गुना ज्यादा है। वर्ष 1959 में प्रख्यात भौतिकविद रिचर्ड फिनमैन ने पहली बार इसकी कल्पना की थी। वैज्ञानिकों के दल ने एटम की सतह की जांच के लिए नीडल युक्त स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप (एसटीएम) का इस्तेमाल किया। सैंडर ओट ने बताया कि क्लोरीन एटम के छिद्र के ऊपर होने की स्थिति में उसकी संख्या एक मानी जाती है।

व्हाट्सएप पर ऐसे करें नए फॉन्ट का उपयोग

जो लोग व्हाट्सएप का प्रयोग करते हैं वे कई व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल होते हैं। ऐसे में अगर वह अपनी चैट पर ग्रुप के अन्य लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं तो वह अपनी चैट का फॉन्ट बदल सकते हैं। इसके अलावा 'कोट' फीचर का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

ऐसे बदलें अपना टैक्स्ट फॉन्ट : चैट के दौरान अगर फॉन्ट को बदलना चाहते हैं तो इसके लिए पहले अपने व्हाट्सएप पर किसी का चैट बॉक्स खोलें। इसके बाद जिस वाक्य या शब्द को बदलना चाहते हैं, उससे पहले तीन बार (') टाइप करें और वाक्य या शब्द खत्म होने के बाद दोबारा इस कैरेक्टर को तीन बार (') टाइप करें। हालांकि ध्यान देने वाली बात यह है कि फोन के की-बोर्ड में (') इस तरह के दो निशान मिलेंगे, अगर पहले वाले का इस्तेमाल करने से टैक्स्ट का फॉन्ट नहीं बदल रहा है तो आप दूसरे वाले (') चिन्ह का प्रयोग कर सकते हैं। ध्यान रखें कि भेजने से पहले ही यह शब्द अपने आप बदल जाते हैं। यह फीचर उन लोगों को काफी पसंद आ सकता है जो अपने टैक्स्ट फॉन्ट को अन्य लोगों से अलग और रचनात्मक दिखाना चाहते हैं।

व्हाट्सएप में है 'कोट' फीचर : ग्रुप या फिर निजी चैट में आप किसी एक मैसेज पर ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं तो 'कोट' फीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं। बताते चलें कि व्हाट्सएप ने जून में lets users quote messages फीचर लॉन्च किया था। यह फीचर जवाब देने के लिए प्रयोग किया जाता है।

नाइटमेयर डिसऑर्डर: डराके गया सपना...!

कभी-कभार आने वाले डरावने सपने सामान्य बात हैं, मगर यदि यह नियमित सिलसिला बन जाए, तो इसे विकार माना जाता है, जिसका उपचार जरूरी है।

सपने सब देखते हैं, भले ही कुछ लोगों को जागने पर ये याद न रहते हों। नींद की अवस्था में हमारा मस्तिष्क जो वैकल्पिक यथार्थ या काल्पनिक फिल्म रचकर प्रदर्शित कर देता है, उसी को हम सपना कहते हैं। मसाला फिल्मों की ही तरह हमारे सपनों में एक्शन, इमोशन, रोमांस, कॉमेडी आदि सारे तत्व मौजूद रहते हैं- कुछ कम, तो कुछ ज्यादा। कभी-कभी ये सपने हॉरर फिल्म के रूप में भी सामने आते हैं। इन्हें हम डरावना सपना, बुरा सपना, नाइटमेयर या दुस्वप्न कहते हैं। बच्चों को डरावने सपने आना आम बात है, जिसके कारण वे रोते हुए जाग जाते हैं। मगर ऐसा नहीं है कि वयस्कों को डरावने या बुरे सपने नहीं आते।

यदा-कदा ऐसे सपने हर किसी को आते हैं। डर के मारे आपकी नींद टूट जाती है, आप हड़बड़ाकर उठ बैठते हैं, धड़कन व सांस तेज चलती हुई महसूस होती है। फिर, आपको एहसास होता है कि यह तो महज एक सपना था...। तब धीरे-धीरे आप सामान्य होने लगते हैं। मगर जब यह एक नियमित सिलसिला बन जाए, बार-बार डरावने सपने के कारण आपकी नींद टूट जाए, इन सपनों के खौफ के कारण आप सोने से ही कतराने लगें, तो इसे मानसिक विकार माना जाता है, जिसे उपचार की जरूरत होती है। इसे नाइटमेयर डिसऑर्डर या पैरासोम्निया कहते हैं।

पहचान और उपचार

यदि सप्ताह में एक से अधिक बार डरावने सपने आएं, यह सिलसिला लगातार बना रहे और इसके कारण आपकी नींद बार-बार बाधित हो तथा दोबारा नींद आना मुश्किल हो जाए, तो आपको डॉक्टर को दिखाना चाहिए। डॉक्टर पॉलीसोम्नोग्राफी नामक टेस्ट कराने को कह सकते हैं, जिसमें नींद के दौरान हृदय गति, मस्तिष्क तरंगों, ऑक्सीजन के स्तर, सांसों तथा आंखों व टांगों की हरकतों को रेकॉर्ड करने के लिए शरीर के विभिन्ना हिस्सों में सेंसर लगाए जाते हैं। इस टेस्ट के परिणाम के आधार पर डॉक्टर उपचार तय कर सकते हैं।

यदि डरावने सपनों का कारण तनाव या डिप्रेशन है, तो उसका उपचार किया जाता है। यदि किसी दवाई के साइड इफेक्ट के कारण ऐसा हो रहा है, तो डॉक्टर वैकल्पिक दवाई बता सकते हैं। नशीले पदार्थ यदि कारण है, तो उनका सेवन बंद करने से दुस्वप्नों की समस्या भी दूर हो सकती है। कुछ दुर्लभ मामलों में नाइटमेयर डिसऑर्डर को दूर करने के लिए दवाइयां भी दी जा सकती हैं।

नाइटमेयर डिसऑर्डर के कारण

इस डिसऑर्डर के कई कारण हो सकते हैं। एक प्रमुख कारण तो जीवन में हुई कोई त्रासद घटना ही हो सकती है। किसी वजह से यदि आप लगातार तनाव या डिप्रेशन में हैं या फिर व्यग्र हैं, तो भी आपको नियमित रूप से बुरे सपने आ सकते हैं। शराब या ड्रग्स का सेवन भी दु:स्वप्नों का कारण बन सकता है, वहीं इनकी लत छु?ाने की प्रि या के दौरान भी ऐसे सपने आ सकते हैं। इसी प्रकार किन्हीं दवाइयों के सेवन से या फिर इनका सेवन अचानक बंद कर देने से भी नाइटमेयर डिसऑर्डर की स्थिति बन सकती है। स्लीप एप्निया (नींद के दौरान सांस लेने में परेशानी से जु?ी समस्या) से ग्रस्त लोग भी नियमित रूप से डरावने सपनों के शिकार हो सकते हैं। कई बार लगातार पर्याप्त नींद से वंचित रहने वाला व्यक्ति जब सोता है, तो ऐसे सपनों का शिकार हो जाता है। इसके अलावा नियमित रूप से डरावनी फिल्में देखने या डरावनी कहानी-उपन्यास प?ने वाले लोगों को भी ऐसे सपने आ सकते हैं। सोने से ठीक पहले भारी भोजन करना भी इसका कारण बन सकता है।

सोशल मीडिया के जरूरी कायदे

दफ्तर में काम करने वाले कर्मचारी, कॉलेज जाने वाले युवा और महिलाएं सभी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। इस प्लेटफॉर्म पर आपकी छवि कैसी बने यह आपके ही हाथ है। कुछ सामान्य बातों का ध्यान रखकर आप अपनी सकारात्मक छवि बना सकते हैं। यह मुश्किल काम नहीं।

अपनी ही अपनी चीजें

कुछ लोग खुद से जुड़ी हर छोटी से छोटी बात सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं। यह आपसे जुड़े लोगों के लिए चिढ़ाने वाली होती है। कई बार लोग यह बताते हैं कि हम फलां रेस्टोरेंट गए या अब हवाई जहाज से सफर कर रहे हैं और ऐसी ही फालतू बातें।

प्रतिक्रिया में लेट न हों

अक्सर लोग ई-मेल या सोशल मीडिया पर भेजे गए किसी मैसेज का जवाब कई-कई दिनों बाद देते हैं। यह अच्छा प्रभाव नहीं छोड़ता। 60 मिनट में जवाब देना अच्छा माना जाता है। 30 मिनट में अगर आप जवाब देते हैं तो इससे अच्छा कुछ नहीं। जवाब केवल जरूरी मसलों में ही दें, फिजूल की बातचीत में न उलझें।

हैशटेग का ध्यान

अगर आपकी सभी पोस्ट के साथ हैशटेग का चिह्न रहता है तो यह ठीक बात नहीं। इसलिए अतिमहत्वपूर्ण चीजों या विचार के साथ ही हैशटेग चिह्न का उपयोग करें। कुछ लोग हर छोटी-मोटी बात में हैशटेग का उपयोग करते हैं जो इसका महत्व कम कर देती है।

80 काम, 20 हंसी

आपकी पोस्ट की 80 प्रतिशत चीजें ऐसी हों जो दूसरों के लिए किसी न किसी तरह उपयोगी हों। 20 प्रतिशत चीजें आप सिर्फ आनंद के लिए पोस्ट कर सकते हैं लेकिन ज्यादा बड़ा हिस्सा तो किसी बात पर दूसरों की राय जानने या किसी विषय को उनके साथ साझा करने जैसी चीजों का होना चाहिए।

सीधा संवाद

अपने से जुड़े लोगों के साथ सीधा संवाद रखें। उन्हें सीधे संबोधित करके कोई बात कहें। किसी भी व्यक्ति से बात करते हुए उसे सम्मान के साथ संबोधित करें। बातचीत में संबोधन का बहुत फर्क होता है और वे संबंधों को मजबूत करते हैं।

ट्वीट में जवाब की जगह

जब भी किसी विषय पर ट्वीट करें तो उसमें सामने वाले से आने वाले जवाब की जगह भी हो। एकतरफा संवाद होकर न रह जाए। इस तरह के खुले सिरे वाली बात में नए लोग भी जुड़ पाएंगे।

बिना अनुमति टैग नहीं

यह सामान्य व्यवहार का हिस्सा तो होना चाहिए लेकिन यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि कई लोग इसी कारण आपकी रिपोर्ट कर देते हैं या आपको अपनी फ्रेंड सूची से हटा देते है। वैसे भी बिना अनुमति किसी को टैग करना कहां ठीक है।

स्रोत का उल्लेख

जब कोई पंक्ति या गद्य का कोई टुकडा आप पोस्ट करते हैं या उसे ट्वीट करते हैं तो उसके स्रोत का उल्लेख करना चाहिए। कई लोग दूसरों की पंक्तियों को बिना नाम से पोस्ट करते हैं जो कि अच्छा नहीं है। अगर आप संदर्भ का उल्लेख करते हैं तो आपकी छवि बेहतर होगी।

नियमित रहें

कुछ लोग सोशल मीडिया पर लंबे गैप के बाद सक्रिय होते हैं और ऐसे में बीच में क्या हुआ वे इससे चूक जाते हैं। इसलिए तय करें कि आप दिन के किसी एक खास समय सोशल मीडिया पर रहेंगे या फिर हर दो दिन में एक बार अपना अकाउंट चेक करेंगे।

मौसम भले बदले लेकिन खानपान पर हो ध्यान

बचपन के दिन मौज-मस्ती और शैतानी वाले होते हैं। इन्हीं दिनों में शरीर का विकास भी होता है, इसलिए बच्चों के खानपान पर समुचित ध्यान देना बहुत जरूरी हो जाता है। मौसम में जब बदलाव हो रहे हों तब इस संदर्भ में अभिभावकों की जिम्मेदारी और ब? जाती है।

खासकर बारिश में जब खाद्य पदार्थों से संक्रमण के कारण सबसे ज्यादा समस्याएं पैदा होती हैं। कारण है इस मौसम में चटपटा, तला-भुना फास्ट फूड खाने के लिए बच्चों का ज्यादा मन होना। अक्सर बच्चे स्कूल जाने से पहले नाश्ता नहीं करते और स्कूल जाकर कैंटीन में दावत उड़ाते हैं। यह वैसे भी कोई अच्छी बात नहीं है, ऊपर से बारिश की घिच-पिच ऐसे में तमाम किस्म के इंफेक्शन को सीधा बुलावा देती है।

नाश्ता तो करना ही है

चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. आरसी गुप्ता बताते हैं कि मौसम कोई भी हो, बच्चों को सुबह का नाश्ता करने के लिए अवश्य उत्साहित करें। ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने से पहले अच्छी तरह नाश्ता नहीं करते। यह सेहत के लिए बुरी बात है। बच्चे को दिन में तीन मुख्य आहार और दो से तीन बार स्नैक्स जरूर देने चाहिए। स्नैक्स का सबसे अच्छा विकल्प फल और ड्राई फरूट्स हो सकते हैं जबकि इन दिनों माएं बच्चों को खुश करने के लिए जंक फूड और फास्ट फूड देकर जिम्मेदारी पूरी कर लेती हैं।

फोन से डाटा शेयरिंग के लिए इस एप का करें इस्तेमाल

फोन से मल्टीमीडिया फाइल को साझा करने के लिए 'शेयरइट एप' का प्रयोग किया जाता है मगर कभी-कभी एक ही जगह पर कई लोगों के शेयरइट एप ऑन होते हैं और वे आपके फोन पर भी दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में डर लगता है कि कहीं फाइलें किसी और व्यक्ति के साथ साझा न हो जाएं। ऐसी समस्या से बचने के लिए आप Shoot एप का प्रयोग कर सकते हैं जिससे फाइलें भेजने के लिए ि क रिस्पोंस कोड (क्यूआर कोड) का इस्तेमाल करना होता है और यह कोड हर एक फोन के लिए अलग-अलग होता है।

शूट एप्लीकेशन का प्रयोग करने के लिए के लिए दोनों फोन में इस एप को होना जरूरी है। साथ ही फोन में इंटरनेट कनेक्शन ऑन होना भी जरूरी है ताकि क्यूआर कोड जेनरेट किया जा सके। इस एप को फोन में इंस्टॉल करने के बाद आपको केवल कुछ चरणों को अपनाना होता है उसके बाद आपका डाटा दूसरे यूजर के साथ साझा हो जाएगा।

फाइल चयन के बाद आएगा क्यूआर कोड : शूट एप को डाउनलोड करने के बाद एप में 'सेंड' और 'रिसीव' का विकल्प मिलेगा। शेयरइट की तरह अगर आप फाइल सेंड करना चाहते हैं तो इसके लिए सेंड पर क्लिक करें। उस पर क्लिक करने के बाद फोन की गैलरी ओपेन होगी। इसमें से आप जिस भी फाइल, फोटो या वीडियो को दूसरे यूजर के साथ साझा करना चाहते हैं उसका चयन करें। फाइल का चयन करने के बाद क्यूआर कोड का विकल्प डिस्प्ले पर आ जाएगा। जैसे ही क्यूआर कोड दूसरे फोन में स्कैन करेंगे वैसे ही चयन की गईं फाइलें दूसरे फोन में ट्रांसफर हो जाएंगी।

ऐसे करें फाइल को रिसीव : इसके बाद आप जिस फोन में फाइल और वीडियो प्राप्त करना चाहते हैं तो शूट एप में दिए गए 'रिसीव' बटन पर क्लिक करें। रिसीव बटन पर क्लिक करते ही क्यूआर कोड स्कैन करने का विकल्प आएगा और उसे स्कैन करने के बाद आपके डिवाइस में फाइल आनी शुरू हो जाएंगी।

फलों के रस के साथ ना ले दवाई

दवाओं को अगर पानी के साथ न लेकर जूस के साथ लेने की आदत है, तो इसे सुधार लीजिए, क्योंकि इससे दवाओं का असर कम हो सकता है. अंगूर का रस शरीर में कुछ दवाओं को सोखने की क्षमता कम कर सकता है, वहीं संतरा और सेब के जूस शरीर में दवाओं की सोखने की क्षमता कम कर उनके असर को कम कर सकते हैं.

अंगूर का रस रक्तधारा में जाने वाली दवाओं की मात्रा कम कर देता है. डॉक्टरों ने कॉलेस्ट्रॉल, उच्च रक्तचाप और दिल की धड़कन की दवा लेने वाले मरीजों को अंगूरों का रस न पीने की चेतावनी दे रखी है.

शोध में पता चला है कि रस में मौजूद तत्व दवा के सोखने की क्षमता को प्रभावित करते हैं. कुछ रसायन दवा को ले जाने वाले तत्वों को बाधित कर देते हैं, जिससे दवा के सोखने की क्षमता कम हो जाती है, जबकि कुछ रसायन ड्रग्स मेटाबॉलिज्म एंजाइम जो आम तौर पर दवा को तोड़ने का काम करते हैं, उन्हें बाधित कर देते हैं. आम तौर पर पानी के साथ दवा लेना सुरक्षित होता है. एक घूंट के बजाय एक ग्लास बेहतर होता है, क्योंकि यह दवा को घुलने में मदद करता है. ठंडे पानी की बजाए गर्म पानी ज्यादा बेहतर रहता है.

रेसिपी

फलाहारी कच्चे केले की पकौड़ी

सामग्री

200 ग्राम सिंघाड़े का आटा, 4-5 कच्चे केले, 2 हरी मिर्च, सेंधा नमक (व्रत में खाने वाला), अदरक का टुकड़ा, घी अथवा मूंगफली का तेल (पर्याप्त मात्रा में तलने के लिए)।

विधि

सबसे पहले केले के दो टुकड़े करके छिलके सहित उबाल लीजिए। ध्यान रखें कि केले ज्यादा गलने न पाएं। ठंडे होने पर इनके छिलके उतार कर गोल-गोल टुकड़े काट कर रख लें। टुकड़े अब सिंघाड़े आटे का घोल तैयार करें। इसमें अपने स्वादानुसार हरी मिर्च, अदरक काट कर डालें तथा अंदाज से नमक मिला दें। घोल को गाढ़ा ही रहने दें। मोयन के लिए थोड़ा-सा घी अथवा तेल घोल में डाल दें। एक कड़ाही में घी/तेल गरम कर लें और केले के टुकड़े को घोल में लपेट कर घी में छोड़ते जाएं। दोनों तरफ से कुरकुरे होने तक सेंक लें। अब इन पकौड़ों को इमली की मीठी और हरी चटनी के साथ पेश करें।

कच्चे केले की लजीज टिकिया

सामग्री

5 कच्चे केले, 250 ग्राम उबले आलू, 30 ग्राम कुट्टू का आटा, अदरक, 2-3 हरी मिर्च, लाल मिर्च पावडर एक चम्मच, 2 चम्मच भूना जीरा पावडर, आधा चम्मच अमचूर पावडर, 100 ग्राम पनीर, घी तलने के लिए, सेंधा नमक या नमक स्वादानुसार, हरा धनिया, पाव कटोरी किशमिश।

विधि

पहले कच्चे केले को उबालें, छीले और ठंडा होने के लिए रख दें। अब धनिया, हरी मिर्च व अदरक को बारीक काट लें। उबले केले और आलू का मिश्रण तैयार करके अदरक, हरी मिर्च और हरा धनिया मिला लें। इसमें कुट्टू का आटा, सेंधा नमक, मिर्च और जीरा पावडर मिलाएं और छोटी-छोटी गोलिया बनाकर रख लें। अब एक दूसरे बर्तन में पनीर को लेकर किशमिश, नमक, अदरक, मिर्च और धनिया मिलाएं। इस मिश्रण को केले के गोले में भरकर टिक्की की तरह हाथ से दबा लें। अब अपनी सुविधानुसार इसे नॉन स्टिक तवे पर या ड्रीप फ्राई कर गरमागरम टिकिया को हरी और मीठी चटनी के साथ पेश करें।

नोट: आप चाहे तो ऊपर से फलाहारी आलू की सेंव भी बुरका सकती हैं।

सावन में घर लाएं ये चीजें

हर काम में मिलेगी सफलता

हिंदू धर्म में सावन साल का सबसे पवित्र महीना माना जाता हैं। इन दिनों में भगवान शिव की आराधना का सबसे खास दिन होते हैं। इन दिनों में शिव जी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही उनकी कृपा आपके ऊपर हमेशा बनी रहती हैं।

इसी तरह घर पर शिव जी से संबंधित चीजें रहने से नकारात्म ऊर्जा दूर रहती हैं। साथ ही हर काम में आपको सफलता मिलती है और घर में कभी भी धन की कमी नहीं होती हैं। सावन के इस माह में घर लाएं ये चीजे। जिससे भगवान शिव भी आपके घर में अपनी कृपा बरसाते रहें। जानिए इन चीजों के बारे में। साथ ही जानिए इन चीजों को किस जगह रखने से अधिक लाभ मिलेगा।

त्रिशूल : घर में त्रिशूल रखना बहुत ही शुभ माना जाता हैं। इसको घर में रखने से

नकारात्मक ऊर्जा घर पर प्रवेश नहीं कर पाएगी। इसलिए इसे घर के हॉल में तांबा या फिर चांदी का त्रिशूल बनवा कर स्थापित करें।

भस्म : भगवान शिव का इसं श्रृंगार माना जाता है। इसके बिना भगवान की पूजा पूर्ण नहीं होती है। इसलिए इसे भगवान शिव की मूर्ति के साथ जरुर रखें।

तांबे के लोटे में पानी भरकर रखें : अगर आप चाहते है कि आपके घर में सुख-शांति सभी प्यार से रहे, तो घर के उस स्थान पर लोटे में जल भरकर रखें। जहां पर घर के सभी सदस्य अधिक समय बीताते हो।

रुद्राक्ष : कहा जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव की आंसुओं से हुई है। जिसे घर में रखना बहुत ही शुभ माना हैं। इसे अपने घर के सबसे बड़े सदस्य या फिर मुखिया के कमरे में रखे।

डमरु

अगर आप चाहते है कि आपका बच्चा हर काम में सफलता प्राप्त करें। साथ ही उसके कमरे में किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा न आएं, तो इसके लिए बच्चों के कमरे में डमरु रखें।

संपादकीय

शुभेन्दु की चुनौतियां

देश को मिली स्वतंत्रता के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल में शनिवार को भारतीय जनता पाटी को राज्य में सरकार बनाने का अवसर मिला इसलिए शुभेन्दु अधिकारी को भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बनने का ऐतिहासिक सौभाग्य प्राप्त हुआ। शुभेन्दु अधिकारी की सरकार में जाति और क्षेत्रीय संतुलन को पूरी तरह ध्यान में रखा गया है। मुख्यमंत्री ब्राrाण हैं जबकि अग्निमित्रा पाल कायस्थ हैं। अशोक कीर्तनिया मतुआ समुदाय के हैं जो अनुसूचित जाति के हैं। बुद्धिराम टूडू जंगल महल के आदिवासी हैं। निशीथ प्रामाणिक उत्तर बंगाल के प्रभावशाली राजवंशी नेता हैं। दिलीप घोष ओबीसी समाज से आते हैं। इसी तरह क्षेत्रीय आधार देखें तो इस मंत्रिपरिषद में उत्तरी पश्चिम बंगाल से दो जबकि दक्षिण बंगाल से तीन मंत्रियों को शामिल किया गया है। जहां भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री ने अपने पद और गोपनीयता की शपथ के साथ पहली वैबिनेट बैठक में ही चुनाव के समय किए गए वायदे को पूरा करने के संकल्प को पूरा करने की शुरुआत के व्रम में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा राज्य के मुख्य सचिव एवं अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ की, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनजी ने भाजपा को हटाने के लिए सभी विरोधी पार्टियों को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने दुश्मन के दुश्मन दोस्त की राजनीतिक वास्तविकता को दरकिनार करके उन वामपंथी विचारधाराओं के लोगों से भी समर्थन मांगा ताकि भाजपा को रोका जा सके। दरअसल भाजपा ने शुरू से ही पश्चिम बंगाल की जनता की समस्याओं को दूर करने का संकल्प लिया और उन्हें दूर करने की जो रणनीति बना रही है, वह समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी साबित होगी। सच तो यह है कि राजनीति में जिस तरह नेताओं की निष्ठाएं किसी एक जगह खूंटे में बंधकर नहीं रहती, ठीक उसी तरह मतदाता मात्र भाषण देने वालों और कल्याणकारी योजनाओं को रोकने वालों को हमेशा समर्थन देने के लिए बाध्य नहीं है। जनता हमेशा ऐसे नेताओं की तलाश में रहती है जो उनके कल्याण के लिए काम करे। भाजपा के सामने सबसे बड़ी समस्या है जन-जन की सुरक्षा सुनिश्चित करना और राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ाना। किन्तु वास्तविकता यह है कि सुरक्षा और रोजगार दोनों एक-दूसरे से बंधे हैं। टीएमसी ने जिस तरह राज्य की सरकारी मशीनरी का राजनीतिकरण किया और राजनीति का अपराधीकरण कर दिया उसी दिन पश्चिम बंगाल विकास में आग लग गई और वह भस्म हो गई। कभी राज्य में वामपंथी अपराधियों ने पश्चिम बंगाल में पूंजी निवेशक देशी उद्योगपतियों को सड़कों पर नंगा करके जलील किया तो कभी उद्योगों को कटमनी देने के लिए विवश किया। वही सिलसिला ममता की टीएमसी के अपराधी कार्यंकर्ताओं ने भी किया। इस तरह देश के जाने-माने बिरला, टाटा, किरलोस्कर, ऊषा, डाबर और भारी उद्योगों ने पश्चिम बंगाल से अपना कारोबार समेट लिया। अपराधियों ने राज्य के जूट उद्योग को भी धमका कर चौपट कर दिया। रही सही कसर टीएमसी के चिरवुट नेताओं ने व्यापारियों के मार्वेटिंग कारोबार को भी उगाही और लूट- खसोट करके चौपट कर दिया। इसीलिए जब तक राज्य में कानून व्यवस्था में सुधार नहीं होगा तब तक पश्चिम बंगाल में खुशहाली नहीं आ सकती। इसीलिए बिना किसी राजनीतिक लाभ-हानि की परवाह किए शुभेन्दु अधिकारी सरकार को कठोरता से राजनीति को अपराधियों के चंगुल से छुड़ाकर राजनीतिक कार्यंकर्ताओं की जान बचानी होगी तथा राज्य के व्यापारियों, किसानों और स्थानीय व्यवसाय के क्षेत्र में सव्रिय लोगों को अपनी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करना होगा। एक बार राज्य में कटमनी, टोलाबाजी और अराजकता पर नियंत्रण हो गया तो बड़े उद्योगपति खुद ही पूंजी निवेश करने के लिए आकर्षित होंगे और राज्य दूसरे राज्यों की तरह समृद्ध होगा। शुभेन्दु सरकार को साबित करना होगा कि वह जनता के सच्चे हितैषी हैं और राज्य में विकास लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस वक्त शुभेन्दु के सामने तमाम चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं और उन्हें इन सभी से निपटना होगा।

भारतीय जनता पाटी को राज्य में सरकार बनाने का अवसर मिला इसलिए शुभेन्दु अधिकारी को भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बनने का ऐतिहासिक सौभाग्य प्राप्त हुआ। शुभेन्दु अधिकारी की सरकार में जाति और क्षेत्रीय संतुलन को पूरी तरह ध्यान में रखा गया है। मुख्यमंत्री ब्राrाण हैं जबकि अग्निमित्रा पाल कायस्थ हैं। अशोक कीर्तनिया मतुआ समुदाय के हैं जो अनुसूचित जाति के हैं। बुद्धिराम टूडू जंगल महल के आदिवासी हैं। निशीथ प्रामाणिक उत्तर बंगाल के प्रभावशाली राजवंशी नेता हैं। दिलीप घोष ओबीसी समाज से आते हैं। इसी तरह क्षेत्रीय आधार देखें तो इस मंत्रिपरिषद में उत्तरी पश्चिम बंगाल से दो जबकि दक्षिण बंगाल से तीन मंत्रियों को शामिल किया गया है। जहां भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री ने अपने पद और गोपनीयता की शपथ के साथ पहली वैबिनेट बैठक में ही चुनाव के समय किए गए वायदे को पूरा करने के संकल्प को पूरा करने की शुरुआत के व्रम में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा राज्य के मुख्य सचिव एवं अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ की, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनजी ने भाजपा को हटाने के लिए सभी विरोधी पार्टियों को एकजुट होने का आह्वान किया।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

ललित गर्ग

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है। विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार 'पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम 'नारी शक्ति' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह 'सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है। हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है। यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे। आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं। यह समय आंकड़ों पर औपचारिक चिंता जताने का नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन और ठोस कार्रवाई का है।

वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने।

कुछ अलग

जीवन में शांति के उपाय

याद रहे, पुण्य और पाप कर्म दोनों ही बांधते है। एक लोहे की जंजीर है तो एक सोने की। लोहे की जंजीर से छुटकारा पाने का मन भी करता है। लेकिन अगर जंजीर सोने की हो, तो छूटने का मन नहीं करेगा। पाप कर्म बंधन है तो पुण्यकर्म भी बंधन है। जब तुम सुख में होते हो तो इसमें एक इच्छा होती है। फिर मन करता है कि अब यह परिस्थिति बनी रहे। हमेशा सुख बना रहे। यह कामना जब मन में उत्पन्न होती है तो हम भूल जाते हैं कि परिस्थिति परिवर्तनशील होती है। कोई भी परिस्थिति कायम नहीं रहती। कभी राजा, कभी रंक, कभी बहुत कुछ, कभी कुछ भी नहीं। क्या समुद्र में रहकर कोई जहाज एकदम शांत रह सकता है? जब समुद्र के पानी में ही लहरें उठ रही हों, तो भला जहाज कैसे शांत रह सकता है। समय बदलता रहता है। बदलाव समय का स्वरूप है। इक्कीस साल पहले हमारा जो शरीर था, वह आज नहीं है। गंगा के घाट पर बैठकर गंगाजी को देखते हो तो तुम्हें लगता है कि गंगा वही है, ऐसा नहीं है। गंगा वही नहीं है, बल्कि घाट वही है। देखते-देखते गंगा में बहुत जल बह गया। समय का चक्र चलता ही रहता है। हमारी दृष्टि में वर्तमान, भूत, भविष्य काल ऐसे भेद हो सकते हैं। समय अपने आप में न भूत है, न वर्तमान है, न भविष्य है। सब कुछ समय के भीतर हो रहा है, और समय में सब बदल रहा है। लेकिन समय नहीं बदलता। वह अव्यय, अखंड है। यह समय, यह काल परमात्मा का ही स्वरूप है। गीता में कहा गया है कि परमात्मा सबके भीतर है, सबके बाहर भी है। जो भीतर है उसको हम अंतर्यामी कहते हैं, और जो बाहर है उसको हम काल स्वरूप कहते हैं। अंतर्यामी हैं प्रभु। तुम्हारे भावों, तुम्हारे विचारों सबके वह साक्षी हैं।

देश दुनीया से

एक पौधा हमें बचा सकता है, हम उसे बचा नहीं पा रहे

प्रकृति की गोद में रची-बसी भारतीय धरती आज भी जैव-विविधता के अनगिनत रहस्यों को अपने भीतर समेटे हुए है, और आधुनिक वैज्ञानिक खोजें लगातार यह साबित कर रही हैं कि यह खजाना अभी पूरी तरह सामने नहीं आया है। हाल ही में खोजी गई पौध प्रजाति यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि हमारे पारिस्थितिक तंत्र में अभी भी अनेक अनदेखे रहस्य मौजूद हैं। यह खोज केवल एक नई वनस्पति की पहचान नहीं, बल्कि यह संकेत है कि भारत के वन, पर्वतीय क्षेत्र और सूक्ष्म आवास विज्ञान के लिए निरंतर नए द्वार खोल रहे हैं। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट में ऐसी खोजों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि पर्यावरणीय अनुसंधान अब अधिक गहराई और विस्तार के साथ आगे बढ़ रहा है। मरुस्थल जैसी कठोर परिस्थितियों में भी जीवन की सूक्ष्म संभावनाएँ कितनी समृद्ध हो सकती हैं, यह यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस की खोज स्पष्ट रूप से दर्शाती है। यह दुर्लभ पौधा आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले के निगिडी वन क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों के बीच लगभग 450 से 550 मीटर की ऊँचाई पर पाया गया है, जहाँ अत्यंत कठिन जलवायु परिस्थितियाँ मौजूद हैं। फिर भी यह प्रजाति अपनी विशिष्ट जैविक संरचना के बल पर जीवित है और पर्यावरण के साथ अद्भुत संतुलन स्थापित करती है। इसकी पत्तियों और तनों की बनावट जल संरक्षण की अत्यंत उन्नत क्षमता प्रदान करती है, जिससे यह शुष्क क्षेत्रों में भी टिकाऊ बनी रहती है। इसी असाधारण अनुकूलन क्षमता के कारण यह पौधा वैज्ञानिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और गहन अध्ययन का विषय बन चुका है। वैज्ञानिक अनुसंधानों की बढ़ती गति ने भारत की जैव-विविधता को नए आयामों में उजागर करना प्रारंभ कर दिया है। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में सैकड़ों नई पौध प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं, जो यह स्पष्ट करती हैं कि भारत केवल सांस्कृतिक रूप से ही नहीं, बल्कि जैविक दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध देश है। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट और बॉटेनिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत में हजारों नई पौध प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। केवल वर्ष 2024 में ही 410 से अधिक नई प्रजातियाँ दर्ज की गईं। इनमें अनेक प्रजातियाँ औषधीय गुणों से युक्त हैं, जो भविष्य में चिकित्सा विज्ञान के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। ये निरंतर हो रही खोजें प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और उनके संतुलित उपयोग की आवश्यकता को और अधिक अनिवार्य बना देती हैं। इन दुर्लभ पौधों का अध्ययन अब केवल जैव-विज्ञान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को समझने का आधार बन गया है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसी प्रजातियाँ दर्शाती हैं कि छोटे-से-छोटे आवासों में भी जीवन के सूक्ष्म और जटिल चक्र सक्रिय रहते हैं। यदि इन संवेदनशील क्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप बढ़ता रहा, तो अब तक अनदेखी जैव-विविधता गंभीर रूप से प्रभावित या विलुप्त हो सकती है। इसलिए वैज्ञानिक ऐसे क्षेत्रों की सतत निगरानी और संरक्षण पर विशेष जोर दे रहे हैं। यह प्रजाति अत्यंत दुर्लभ है; लगभग 2.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में केवल करीब 80 पौधे ही पाए गए हैं। ग्रेनाइट खनन और जंगल की आग इसके अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। विस्तृत जैव-भौगोलिक परिदृश्य में फैले पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत और दक्कन पठार आज नई प्रजातियों की खोज के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। हर वर्ष यहाँ होने वाली नई पहचानें यह स्पष्ट करती हैं कि वनस्पति और जीव-जगत का एक बड़ा हिस्सा अभी भी विज्ञान की वर्तमान समझ से बाहर है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस की खोज भी इसी निरंतर श्रृंखला का हिस्सा है, जो यह दर्शाती है कि सूक्ष्म स्तर पर भी प्रकृति अत्यंत जटिल और विविध संरचनाओं से बनी हुई है। ऐसी खोजें न केवल वैज्ञानिक अध्ययन को दिशा देती हैं, बल्कि नीति निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत प्रदान करती हैं। इन वैज्ञानिक खोजों की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि ये स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान और अनुभव से गहराई से जुड़ी होती हैं। आदिवासी और ग्रामीण समाज अक्सर ऐसे पौधों की पहचान पहले ही कर लेते हैं, जिनका औपचारिक वैज्ञानिक वर्गीकरण बाद में किया जाता है। यह सहभागिता जैव-विविधता अनुसंधान को अधिक सशक्त और विश्वसनीय बनाती है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसे पौधों के अध्ययन में भी स्थानीय ज्ञान की अहम भूमिका रही है, जो यह स्पष्ट करता है कि विज्ञान और परंपरा का संगम प्रकृति को समझने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से देखें तो ये खोजें केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी भी हैं। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण कई प्रजातियों को उनके दर्ज होने से पहले ही विलुप्ति की ओर धकेल रहे हैं। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि यदि संरक्षण उपायों को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में जैव-विविधता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसी संदर्भ में यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसी खोजें केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि प्रकृति के संरक्षण की तत्काल आवश्यकता का स्पष्ट संकेत भी हैं। भारत की जैव-विविधता एक ऐसी जीवित पुस्तक है, जिसके नए अध्याय हर वर्ष खुलते जा रहे हैं।

आप का नजरीया

जिंदगी निगलती रफ्तार

देश के नीति-नियंताओं की सोच रही है कि विकास के लिए चौड़ी व रफ्तार वाली सड़कें जीवन रेखा का काम करें। हाल के वर्षों में इसी सोच के साथ राजग सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया। देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है। खुली सड़क मिलते ही रफ्तार तेज होने लगती है, यह जानते हुए कि ये गति हमारी दुर्गति का कारण भी बन सकती है। इसके अलावा तेज स्पीड में भी फोन पर बात करते रहना और शराब पीकर वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह विडंबना ही है कि भारत में दुनिया के अन्य विकसित व समकक्ष विकासशील देशों के अनुपात में वाहनों की संख्या तो कम है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में हम अव्वल हैं। यह आंकड़ा डराता है कि साल भर में होने वाली करीब साढ़े चार लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा लाखों लोग घायल होते हैं। दुर्भाग्य से लाखों लोग ऐसे भी होते हैं जो जीवनपर्यंत अपंगता का शिकार हो जाते हैं। विडंबना यह भी कि सड़क दुर्घटनाओं में दम तोड़ने वाले लोगों में बड़ी संख्या युवा आबादी की है। ये युवा आबादी अपने परिवार की कमाई का मुख्य जरिया होती है, उनकी मौत पूरे परिवार को गरीबी की दलदल में धकेल देती है। यहां प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में कमी क्यों नहीं आ रही है। वास्तव में कोशिश होनी चाहिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए होने वाले प्रयास जमीनी हकीकत भी बनें, जो वास्तव में राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे को दुर्घटनाओं से निरापद बना सकें। निस्संदेह, चौड़ी व तेज गति देने वाली सड़कें देश के विकास को प्राणवायु देती हैं, लेकिन ये सड़कें यात्रियों की प्राण रक्षा करने वाली भी होनी चाहिए। सरकार की तरफ से कोशिश होनी चाहिए कि राजमार्गों पर ढाबे एक निश्चित दूरी पर हों और उनके पास ट्रकों व भारी वाहनों को खड़ा करने का पर्याप्त स्थान हो। साथ ही अक्सर बड़ी दुर्घटना का कारण बनने वाले सड़क पर खड़े वाहनों पर रोक लगाने के लिए सख्त नियम बने और सख्त जुर्माना तय हो। कायदे से राजमार्गों पर कहीं भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति प्रदान नहीं की जानी चाहिए। साथ ही सड़क निर्माण में किसी तकनीकी खामी की गुंजाइश न रहे, इसके लिये भी पर्याप्त सतर्कता उपाय किए जाने चाहिए। इन मार्गों पर अंधेरे में भी नजर आने वाले पर्याप्त संकेतक होने चाहिए ताकि वाहन चालकों को किसी तरह का असमंजस राजमार्ग पर चलते हुए न हो।

देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है।

दृष्टि कोण

तमिलनाडु में विजय की पाटा की विजय राजनीति में नईं शुरुआत

तमिलनाडु में विजय की पाटा की विजय राजनीति में नईं शुरुआत वुछ दिन पूर्व पांच विधानसभाओ के चुनाव हुए और इन चुनावों में आसाम, बंगाल और पुडुचेरी में भाजपा के हिदू धर्म पर आधारित राजनीति विजयी हुईं विशेषकर बंगाल में जहां ममता बनजा के 15 वर्ष के शासन का अंत हुआ और पहली बार डॉ श्यामा प्रसाद मुखजा के राज्य बंगाल में भाजपा की सरकार बनी। पर केरल में कांग्रेस की सरकार और तमिलनाडू में अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की जीत ने आज की धर्म और जाति की राजनीति को नकार कर नईं शुरुआत की। पिछले 5 दशक यानि 1967 के बाद से पहली बार डी एम के और ए आईं आईं डी एम के को नकारने हुए ईंसाईं पिता और हिदू मा के बेटे विजय जिसकी आस्था डॉ आंबेडकर और पेरियार में रही है को जिताया है। प्रश्न यह है कि क्या दक्षिण राज्यों विशेषकर तमिलनाडू में नईं राजनीति की शुरुआत हो रही है। जहां तक एम के स्टॅलिन के नेतृत्व वाली डी एम के सरकार की पराजय का प्रश्न है तो विधानसभा चुनाव परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि मात्र हिदी भाषा और उत्तर भारतीयों के विरोध के विरोध से ही चुनाव नहीं जीते जा सकते, यद्यपि स्टालिन सरकार ने स्वूलों आदि में जाति पर आधारित सरनेम को न लिखने जैसे अनेक प्रगति शाली कदम उठाए हैं पर क्षेत्र की सिर्प उत्तर विरोध पर आपको अनन्त समय तक समर्थक नहीं दे सकते इसके लिए इन चीजों से ऊपर उठकर आर्थिक विकाश के लिय काम करना होगा। थलपत विजय की जीत के महत्वपूर्ण कारणों का विश्लेषण करने पर यह बात सामने आईं है कि उनकी यह जीत 15 वर्षो की मेहनत का नतीजा है। भले ही टीवीके की नींव 2 साल पहले यानी 2024 में रखी गईं पर विजय ने वर्ष 2009 में गुपचुप तरीके से इस पर काम करना शुरू कर दिया था करीब 15 साल तक उन्होंने एक मजबूत योजना पर काम किया और 2026 में उसे पुराने द्रविड़ राजनीति को चुनौती थी जिसमें सत्ता अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और द्रविड़ मुनेत्र खडगाम के घूमती रहती थी और 1967के बाद यह पहला अवसर है कि सत्ता इन दोनों परटियों से अलग किसी तीसरी पाटा को आईं है और सबसे बड़ी और आर्यंजनक बात यह है कि भारतीय जनता पाटा की पूरे देश में स्वीकार्यंता तथा वेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे खुशहाल रणनीतिकार के रहते हुए तमिलनाडु के लोगो ने परिवर्तन के नाम पर एआईंएडीएमके और डीएमके को नकारने के बाद थलपति विजय की पाटा को विकल्प के रूप में चुना है। अभिनेता विजय ने राजनीति में प्रवेश करने और चुनाव लड़ने के पैसले के साथ ही अपने पैंस को ही अपनी ताकत बनाया। अपने पैन्स क्लब को संगठित कर विजय मक्कल इयक्कम नाम का सामाजिक संगठन खड़ा किया। भले ही ये ऊपर से समाज सेवा का मंच दिखता था लेकिन असल में यह धीरे-धीरे एक मजबूत राजनीतिक संगठन बन गया। शुरू के करीब 10 वर्षो तक राज्यभर में हजारों पैंस क्लब बनाए इनके जरिए यह समाज सेवा और चैरिटी के काम करने लगे। साल 2011 में चव्रवात के समय राहत शिविर लगाए गए, होनहार छात्रों को सम्मानित किया और गरीब बच्चों के लिए पढ़ाईं की व्यवस्था कीगईं। इसके अलावा ब्लड डोनेशन वैंप आयोजित करना, खाना बांटना और महिला सशत्तिकरण और गरीबी उन्मूलन जैसे प्रयासों से लोगों के बीच उनकी पहचान और मजबूत हुईं। विजय की सियासी सफलता के पीछे उनके रणनीतिकारों की बड़ी भूमिका रही, टीवी के इस जीत में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने प्रमुख भूमिका निभाईं उनके साथ अनुभवी रणनीतिकार माने जाने वाले जान आरोक्या स्वामी ने संगठन को मजबूत करने में पूरा सहयोग किया।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हाकी टीम

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हाकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लास एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हाकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शार्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। फारवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी आक्रामक खिलाड़ी हैं, जिनसे गोल दागने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

वैभव को तीनों प्रारुपों में खेलते देखना चाहिते हैं अश्विन

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे 15 साल के उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भविष्य का सितारा है। अश्विन ने ये भी कहा कि वह इस युवा को तीनो प्रारुपों में खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना करते हुए कहा, वह जिस प्राकर से सभी गेंदबाजों को निशाना बनाता है। उससे साफ है कि वह निडर है और किसी भी गेंदबाज को खेल सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि वैभव में टेस्ट क्रिकेट खेलने की भी क्षमताएं हैं। अश्विन ने कहा, उसे टेस्ट में जगह मिलेगी तो प्रशंसक स्वयं मैच देखने आएंगे क्योंकि वह दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करता है। उन्होंने वैभव के अंडर-19 विश्व कप फाइनल के प्रदर्शन को याद करते हुए कहा कि उसमें गेंद को पूरी ताकता से खेलने की क्षमताएं हैं। वहीं ये भी माना कि इतनी कम उम्र में वैभव पर जरुरत से अधिक दबाव न डाला जाये। अश्विन ने कहा कि उन्हें खुलकर क्रिकेट खेलने देना चाहिए। साथ ही कहा कि क्रिकेट करियर में बहुत कम मौके आते हैं जब आप बिना किसी दबाव के खेल का आनंद लेते हैं। वह अभी सिर्फ 15 साल का है। हमें उसे उसी तरह खेलने देना चाहिए।, अश्विन ने साथ ही कहा कि अभी उससे ऐसी चीजों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, जो उनके करियर की शुरुआत में जरुरी नहीं हैं। इस दिग्गज स्पिनर के अनुसार रॉयल्स के पास कई अनुभवी बल्लेबाज मौजूद हैं, इसलिए वैभव पर अकेले ही टीम की पूरी जिम्मेदार न डाली जाये। साथ ही कहा कि ध्रुव जुरेल, रियान पराग और डोनोवन फरेरा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। अश्विन का मानना है कि अगर वैभव टीम को अच्छी शुरुआत दिलाता है, तो राजस्थान को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिये।

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

ढ़ाका। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं उससे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्काटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज़ में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी।

आईपीएल 2026 : आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर जुर्माना, अंपायर से बहस करना पड़ा भारी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले

गए रोमांचक मुकाबले के दौरान रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर आचार संहिता उल्लंघन के चलते जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार एंडी फ्लावर ने खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बनाई गई आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन किया। इस कारण उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। फ्लावर पर आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का आरोप लगा, जो मैच के दौरान आपत्तिजनक या अशोभनीय भाषा के इस्तेमाल से संबंधित है। यह घटना मैच के 17.2 ओवर के दौरान हुई, जब एंडी फ्लावर चौथे अंपायर के साथ आक्रामक अंदाज में बातचीत करते नजर आए।

पंजाब किंग्स की आईपीएल 2026 में लगातार चौथी हार जीत के साथ प्लेऑफ की रेस में बरकरार दिल्ली कैपिटल्स

धर्मशाला: पंजाब किंग्स को आईपीएल 2026 के 55वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 3 विकेट से हार मिली। शुरुआत 7 मैचों में अजेय रहने के बाद श्रेयस अय्यर की टीम की यह लगातार चौथी हार है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में टॉस हारने के बाद पहले खेलते हुए पंजाब ने 5 विकेट पर 210 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स ने 19 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। यह धर्मशाला के मैदान पर सबसे बड़ा रनचेज भी है। 11 मैचों में 13 पॉइंट के सात पंजाब टेबल में चौथे नंबर पर है। 12 मैचों में 10 पॉइंट के साथ दिल्ली 7वें नंबर पर आ गई है।

पावरप्ले में ही पंजाब ने 72 रन ठोके

प्रियांश आर्य ने प्रभसिमरन सिंह के साथ मिलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इन सलामी बल्लेबाजों ने 41 गेंदों में 78 रन की साझेदारी की। प्रभसिमरन 15 गेंदों में 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद प्रियांश आर्य ने 33 गेंदों में 6 छक्कों और 2 चौकों के साथ 56 रन बनाकर आउट हुए। पंजाब किंग्स ने 97 के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को खो दिया था। कूपर कोनोली ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 83 रन जोड़े। कूपर कोनोली 27 गेंदों में 38 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने फिफ्टी ठोकी

पंजाब ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर मार्कस स्टोइनिस और दूसरी पर शशांक सिंह का विकेट खो दिया। इसके बाद बैटिंग करने उतरे सूर्यांश शेडगे ने श्रेयस अय्यर ने छठे विकेट के लिए 10 गेंदों में 23 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 200 के पार पहुंचाया। अय्यर 36 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ 59 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सूर्यांश ने 8 गेंदों में 2 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 21 रन जोड़े। डीसी की तरफ से मिचेल स्टार्क और माधव तिवारी को 2-2 विकेट हाथ लगे। मुकेश कुमार ने 1 विकेट हासिल किया।

अक्षर और मिलर के बल्ले से फिफ्टी निकली

दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत खराब रही। इस टीम ने 33 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए थे।

अभिषेक पोरेल, केएल राहुल और साहिल परख कोई बड़ा कमाल नहीं कर पाए। यहां से ट्रिस्टन स्टब्स ने कप्तान अक्षर पटेल के साथ चौथे विकेट के लिए 23 गेंदों में 41 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। ट्रिस्टन स्टब्स 17 गेंदों में 12 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अक्षर ने डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 34 गेंदों में 64 रन जोड़कर टीम को 138 के स्कोर तक पहुंचाया। कप्तान अक्षर 30 गेंदों में 2 छक्कों और 8 चौकों के साथ 56 रन बनाकर आउट हुए।

यहां से डेविड मिलर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 28 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन बनाए, जबकि आशुतोष ने 10 गेंदों में 24 रन की तूफानी पारी खेली। विपक्षी खेमे से अर्शदीप सिंह और यश ठाकुर ने 2-2 विकेट हासिल किए। बेन ड्वारशुइस और मार्कस स्टोइनिस ने 1-1 विकेट निकाला।

विराट के कारण बदली मेरे जिंदगी : जर्मन व्लागर लिजलैज

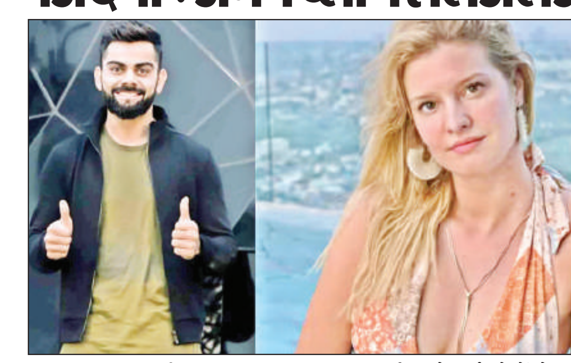

बर्लिन

जर्मनी की व्लागर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर लिजलैज ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली के कारण उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। विराट ने हाल ही में लिजलैज की एक तस्वीर को लाइक किया था हालांकि, उन्होंने कुछ ही मिनटों में इस तस्वीर को अनलाइक भी कर दिया था पर इतनी देर में ही विराट के इसे लाइक करने की बात फैल गयी थी।

इसका स्क्रीनशाट वायरल सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लिजलैज के नाम की धूम मच गयी। इसी के बाद व्लागर लिजलैज का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने विराट के तस्वीर को लाइक करने के बाद अपनी जिंदगी में आए भारी बदलावों के बारे में बताया है। लिजलैज ने कहा कि यह घटना उनके लिए बहुत ही अजीब थी। उन्होंने कहा, जैसे ही विराट ने मेरी तस्वीर लाइक की, मुझे कई लोगों से संदेश मिलने लगे। कई बड़े ब्रांड्स ने मुझे साझेदारी के भी प्रस्ताव देने शुरु कर दिये। मुझे कई वीडियो प्रोजेक्ट्स के प्रस्ताव मिले और कई रियलिटी शो में शामिल होने के लिए भी मुझसे संपर्क किया गया। कई लोगों ने मुझसे अपने साथ काम करने के लिए भी पूछा।

इस घटना के बाद, लिजलैज ने कहा यह बहुत अजीब था क्योंकि मैं सुबह उठी और मैंने देखा कि मैं हर जगह खबरों में थी। मुझे तो पता ही नहीं चला कि विराट ने कब मेरी तस्वीर को लाइक किया था, मुझे तो इस घटना के बारे में खबरों के जरिए ही पता चला। बहुत सारे लोगों ने मेरे बारे में अलग-अलग प्लेटफार्म्स पर छपी खबरें ढूंढीं और मुझे सीधे मेरे संदेश भेजे। उस दिन मुझे सैकड़ों मैसेज मिले, लोग इस बात को लेकर बहुत उत्साहित थे। वहीं जब लिजलैज से कोहली द्वारा बाद में पोस्ट को अनलाइक करने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने एक दिलचस्प जवाब दिया। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मुझे उनके लिए थोड़ा बुरा लगा! उन्होंने साथ ही कहा, मैं बहुत खुश थी कि उन्होंने मेरी तस्वीर को लाइक किया, लेकिन फिर जब उन्होंने इसे अनलाइक किया, तो मुझे उनके लिए थोड़ा बुरा महसूस हुआ, क्योंकि मुझे समझ नहीं आया कि यह इतनी बड़ी खबर कैसे बन गई।

जूनियर टेनिस टूर्नामेंट : रेयांश पटेल, मोहम्मद अली और शिवांश पाण्डेय मुख्य दौर में

इंदौर। मध्य प्रदेश टेनिस संघ द्वारा इंदौर टेनिस क्लब में आयोजित की जा रही प्योराश्योर आल इण्डिया टेलेन्ट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल क्वालिफाइंग राउण्ड में प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बालक 14 वर्ष आयु वर्ग के निर्णायक मुकाबलों में मध्यप्रदेश के रेयांश पटेल ने कड़े संघर्ष में महाराष्ट्र के सक्षम जैन को 9-7 से हराकर मुख्य दौर में प्रवेश किया। एक अन्य मुकाबले में मोहम्मद अली खान ने अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए ओमकारा सिंह निखरा को 9-4 से मात दी, जबकि शिवांश पाण्डेय ने अनन्त यादव को 9-6 के अंतर से पराजित कर अगले दौर का टिकट कटाया। मैदान पर राजवीर राय ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए महाराष्ट्र के अद्ववेत रायबोले को 9-2 से पीछे छोड़ा। गुजरात के अरहम उदानी ने अथर्व लाहोटी को 9-4 से हराकर अपनी जीत दर्ज की। दिन के सबसे एकतरफा मुकाबलों में विहान नवाब ने मेधांष केलोत्रा को 9-0 से क्लीन स्वीप किया, वहीं रूहान तलरेजा ने शविम ठाकुर को 9-1 और महाराष्ट्र के अरभ गुप्ता ने अयान केड़ीया को 9-1 से हराकर मुख्य दौर में अपनी जगह सुरक्षित की। अब टूर्नामेंट के मुख्य दौर के मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच खिताब के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

न्यूजीलैंड की नई टी20 लीग एनजेड20 की शुरुआत टली, अब दिसंबर 2027 में होगा शुभारंभ

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट की नई पुरुष और महिला टी20 लीग एनजेड20 की शुरुआत को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले इस लीग की शुरुआत जनवरी 2027 में प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसके दिसंबर 2027 में शुरू होने की संभावना है।

सोमवार को जारी बयान में न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि लीग की स्थापना और लाइसेंस प्रक्रिया को लेकर सभी पक्षों के साथ सकारात्मक बातचीत चल रही है। हालांकि, बोर्ड ने माना कि प्रतियोगिता को मजबूत और सफल बनाने के लिए अभी और समय की जरूरत है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की अध्यक्ष डायना पुकेतापु-लिंडन ने कहा, हम चाहते हैं कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य टिकाऊ, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक क्रिकेट के अनुरूप हो। एनजेड20 के साथ हमारी बातचीत सकारात्मक रही है, लेकिन लीग को दीर्घकालिक सफलता दिलाने के लिए अतिरिक्त समय जरूरी है।

उन्होंने बताया कि जनवरी और फरवरी 2027 में आस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ पहले से तय टेस्ट श्रृंखलाओं के कारण कार्यक्रम काफी व्यस्त है, जिससे लीग के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया कि 2026-27 सीजन में सुपर स्मैश प्रतियोगिता जारी रहेगी। साथ ही भारत और श्रीलंका की पुरुष टीमों तथा बांग्लादेश महिला टीम के न्यूजीलैंड दौरे भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होंगे।

एनजेड20 स्थापना समिति के अध्यक्ष डान मैकिनन ने कहा कि लीग को जल्दबाजी में शुरू करने के बजाय विश्वस्तरीय बनाना प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि एनजेड20 बिना किसी समझौते के शुरू हो और पहले दिन से ही दीर्घकालिक सफलता के लिए तैयार हो। यह भी जरूरी है कि यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ तालमेल में चले, न कि उसके खिलाफ।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर जीता ला लीगा खिताब

बार्सिलोना

बार्सिलोना ने रविवार रात खेले गए एल क्लासिको मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर ला लीगा 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। कैंप नोउ में खेले गए इस मुकाबले में बार्सिलोना ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और जीत के साथ अपना 29वां ला लीगा खिताब सुनिश्चित कर लिया।

हांसी फ्लिक की टीम अब 91 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से 14 अंक आगे निकल चुकी है। सीजन में अब केवल तीन मुकाबले बचे हैं, ऐसे में रियल के लिए बार्सिलोना को पकड़ पाना असंभव हो गया है। वहीं विलारियल 69 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

मुकाबले की शुरुआत से ही बार्सिलोना आक्रामक नजर आया। नौवें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। एंटोनियो रुडिगर द्वारा फेरान

टोरेस पर बाक्स के बाहर फाउल करने के बाद मिले मौके को रैशफोर्ड ने बेहतरीन तरीके से गोल में बदल दिया।

इसके नौ मिनट बाद बार्सिलोना ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। फर्मिन लोपेज के क्रास पर दानी ओल्मो ने शानदार बैकहील पास दिया, जिस पर फेरान टोरेस ने जोरदार शाट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ हांसी फ्लिक ने लगातार दूसरा ला लीगा खिताब जीता। पिछले सीजन में भी उन्होंने बार्सिलोना को ला लीगा और कोपा डेल रे का दोहरा खिताब दिलाया था। दोनों टीमें कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से जूझ रही थीं। बार्सिलोना की शुरुआती एकादश में लामिन यामाल, राफिन्हा और जूल्स कुंडे शामिल नहीं थे। वहीं रियल मैड्रिड के कई अहम खिलाड़ी चोट और अन्य कारणों से बाहर रहे। एदर मिलिताओ, दानी कार्वाजाल, फेरलैंड मेंडी, आर्दा गुलर और रोड्रिगो टीम का हिस्सा नहीं थे। फेडेरिको वाल्वेर्डे भी सिर में चोट लगने के कारण नहीं खेल सके। बताया गया कि मिडवीक में ड्रेसिंग रूम में आरेलियन चुआमेनी के साथ झगड़े के बाद दोनों खिलाड़ियों पर पांच लाख यूरो का जुर्माना लगाया गया। किलियन एम्बाप्पे भी पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण टीम के साथ यात्रा नहीं कर सके। ऐसे में विनीसियस जूनियर और युवा स्ट्राइकर गोंजालो को आक्रमण की जिम्मेदारी सौंपी गई। पहले हाफ में रियल मैड्रिड ने कुछ मौके जरूर बनाए, लेकिन बार्सिलोना का हमला ज्यादा खतरनाक रहा। रियल के गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ ने कई शानदार बचाव कर टीम को बड़े अंतर से हारने से बचाया। दूसरे हाफ में भी बार्सिलोना का दबाव जारी रहा। रैशफोर्ड लगातार रियल के डिफेंस को परेशान करते रहे। वहीं फेरान टोरेस के एक और शानदार प्रयास को कोर्टुआ ने बेहतरीन बचाव कर रोक दिया।

वैश्विक संकटों के बावजूद अर्थव्यवस्था की मजबूत उड़ान वित्त वर्ष 2026-27 में 6.6% जीडीपी ग्रोथ का अनुमान

नई दिल्ली

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार अपना लचीलापन दिखा रही है। स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआई) की हालिया रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी विकास दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आंकड़ा इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पश्चिमी एशिया के संकट और अन्य बाहरी अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू खपत और मजबूत आर्थिक बुनियाद देश को विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ा रही है।

खपत और विकास दर का मजबूत आधार - पिछले वित्त वर्ष के लिए जीडीपी विकास दर 7.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जिसमें चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी विकास दर 7.2 प्रतिशत के करीब रह सकती है। उच्च आवृत्ति वाले आर्थिक आंकड़े यह दर्शाते हैं कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद विकास की गति मजबूत बनी हुई है। भारतीय स्टेट बैंक के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार डा. सौम्य कांति घोष के अनुसार, कृषि और गैर-कृषि गतिविधियों से मिलने वाले सकारात्मक संकेतों के कारण ग्रामीण खपत काफी मजबूत बनी हुई है। इसके साथ ही, राजकोषीय प्रोत्साहन के समर्थन से शहरी खपत में भी पिछले त्योहारी सीजन के बाद से लगातार तेजी देखी जा रही है, जो आर्थिक वृद्धि को सहारा दे रही है।

बैंक क्रेडिट ग्रोथ में शानदार उछाल - अर्थव्यवस्था में मांग और खपत बढ़ने का सीधा असर बैंकिंग सेक्टर के क्रेडिट (ऋण) वितरण पर पड़ा है। वित्त वर्ष 2026 में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की क्रेडिट ग्रोथ बढ़कर 16.1 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 11.0 प्रतिशत के स्तर पर थी। कुल वृद्धिशील ऋण वृद्धि 29.5 लाख करोड़ रुपये रही, जिसमें सरकार द्वारा जीएसटी के माध्यम से खपत को दिए गए प्रोत्साहन के कारण दूसरी छमाही में 24.5 लाख करोड़ रुपये का भारी ऋण वितरण शामिल था। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में क्रेडिट ग्रोथ मजबूत बनी रहेगी, लेकिन उच्च आधार प्रभाव के कारण दूसरी छमाही में इसमें मामूली गिरावट आ सकती है, जिससे पूरे वर्ष के लिए ऋण वृद्धि 13 से 14 प्रतिशत के बीच रह सकती है।

न्यूज ब्रीफ

हीरो मोटोकार्प इलेक्ट्रिक स्कूटर का जल्द आएगा सस्ता माडल

नई दिल्ली। हाल के महीनों में हीरो मोटोकार्प कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटरों की मांग में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है, जिससे बाजार में उसकी पकड़ मजबूत हुई है। बिक्री के हालिया आंकड़ों पर नजर डाले तो कंपनी ने कई प्रतिस्पर्धी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए बेहतर प्रदर्शन किया है। सीमित माडलों के बावजूद ग्राहकों की बढ़ती दिलचस्पी ने यह साफ कर दिया है कि लोग अब केवल कम कीमत ही नहीं बल्कि बेहतर तकनीक और विश्वसनीयता को भी महत्व देने लगे हैं। यही वजह है कि कंपनी अब अपने उत्पादन और उत्पादों के विस्तार पर तेजी से काम कर रही है। बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी ने वर्ष 2027 तक उत्पादन क्षमता को लगभग दोगुना करने की योजना बनाई है। इसके तहत उत्पादन को करीब 2.80 लाख इकाई तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए निर्माण संयंत्रों का विस्तार किया जाएगा ताकि ग्राहकों को समय पर डिलीवरी मिल सके और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके। कंपनी अगस्त 2026 तक एक नया किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर लान्च करने की तैयारी में है। इसमें लगभग 3.8 किलोवाट-घंटा क्षमता की बैटरी मिलने की संभावना है और इसकी कीमत एक लाख रुपये से कम रखी जा सकती है। यह माडल खासतौर पर मध्यम वर्ग और छोटे शहरों के ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कंपनी ने बैटरी सेवा माडल की शुरुआत भी की है, जिसके तहत ग्राहक बैटरी को किराये पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे स्कूटर की शुरुआती कीमत काफी कम हो जाती है और ज्यादा लोग इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए आकर्षित हो रहे हैं।

नई एडवेंचर टूरर बाइक अपाचे आरटीएक्स 300 हो रही लोकप्रिय

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टीवीएस मोटर की नई एडवेंचर टूरर बाइक अपाचे आरटीएक्स 300 तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यह मोटरसाइकिल प्रीमियम बाइक सेगमेंट में लगातार ग्राहकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। हाल ही में किए गए टैंक-टू-टैंक माइलेज टेस्ट में इस बाइक ने फुल टैंक पर शानदार दूरी तय की। टीवीएस अपाचे आरटीएक्स 300 में कंपनी का नया आरटी-एक्सडी4 इंजन दिया गया है। यह पूरी तरह नया 310 सीसी इंजन है, जिसे खास तौर पर टूरिंग और लंबी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बाइक में 12.5 लीटर का फ्यूल टैंक मिलता है। हालांकि इसका टैंक आकार में छोटा माना जा रहा था, लेकिन माइलेज टेस्ट के बाद इसकी क्षमता ने सबको चौंका दिया। माइलेज टेस्ट के दौरान बाइक का टैंक पूरी तरह भरकर लगभग 391 किलोमीटर की दूरी तय की गई। इसके बाद दोबारा टैंक फुल करने पर पता चला कि बाइक ने 9.65 लीटर पेट्रोल खर्च किया। इस हिसाब से बाइक का औसत माइलेज करीब 40.5 किलोमीटर प्रति लीटर रहा। टेस्ट के दौरान बाइक को हाईवे पर करीब 85 किलोमीटर प्रति घंटे की स्थिर गति से चलाया गया और क्रूज कंट्रोल का इस्तेमाल किया गया।

टाटा पंच ने पीछे छोडा नेक्सन और ब्रेजा जैसी एसयूवी को

नई दिल्ली। बीते महीने अप्रैल 2026 की बिक्री रिपोर्ट में टाटा पंच ने सभी बड़ी एसयूवी को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, टाटा पंच को पिछले महीने कुल 19,107 नए ग्राहक मिले, जो सालाना आधार पर करीब 52.9 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्शाता है। इतना ही नहीं, यह देश की दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार भी बन गई। बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर मारुति सुजुकी फ्रोंक्स रही, जिसकी 18,829 यूनिट बिकीं। फ्रोंक्स की बिक्री में भी 31.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं तीसरे नंबर पर टाटा नेक्सन रही, जिसने 18,126 यूनिट की बिक्री के साथ 17.3 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। चौथे स्थान पर मारुति सुजुकी ब्रेजा रही, जिसकी 14,124 यूनिट ग्राहकों तक पहुंचीं। हुंडई वेन्यू ने भी शानदार प्रदर्शन किया और 56.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 12,420 यूनिट बेचीं। इसके अलावा किया सोनेट, हुंडई एक्सटर और महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ भी बिक्री सूची में शामिल रहीं।

पेंशन अब म्यूचुअल फंड जितनी आसान : यूपीआई से खुलेगा खाता, मिलेगा बुढ़ापे को डबल कवर

नई दिल्ली

अब से ठीक 10 साल बाद यानी 2036 में भारत की तस्वीर बदल चुकी होगी। तब तक देश में बुजुर्गों की आबादी 20 करोड़ को पार कर जाएगी। साल 2011 की तुलना में यह दोगुनी होगी। परिवार छोटे हो रहे हैं और औसत उम्र बढ़ रही है। ऐसे में सवाल सिर्फ आज की कमाई का नहीं, बल्कि उस वक्त की आर्थिक गरिमा का है, जब हाथ-पैर काम करना बंद कर देंगे। पेंशन म्यूचुअल फंड नहीं है। अक्सर हम इन दोनों को एक ही तराजू में तौलते हैं लेकिन पेंशन का मकसद एटीएम से पैसा निकालना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित भविष्य के लिए लोहे की दीवार खड़ी करना है। एनपीएस को आम आदमी के लिए सरल व सुलभ बनाने के लिए पीएफआरडीए पेंशन क्षेत्र में बड़े बदलाव करने जा रहा है।

एनपीएस संचय बनेगा सरल निवेश विकल्प

एनपीएस संचय उन निवेशकों के लिए डिजाइन किया गया है जो फंड मैनेजर या एसेट एलोकेशन (इक्विटी, सरकारी बान्ड या कारपोरेट बान्ड) चुनने की जटिलता में नहीं पड़ना चाहते। यह योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसमें निवेश का एक निश्चित ढांचा होगा जैसा कि 2004 से सरकारी कर्मचारियों के लिए चल रहा है। यह स्कीम उन लोगों के लिए है जिन्हें एसेट एलोकेशन की समझ नहीं है लेकिन वे एक सुरक्षित उत्पाद चाहते हैं, जो अच्छा मार्केट रिटर्न दे सके। पिछले 15 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार इस ढांचे ने लगभग 9.5% का औसत वार्षिक रिटर्न दिया है, जो कई अन्य सरकारी बचत योजनाओं और बैंक एफडी से काफी अधिक है।

यूपीआई से खुलेगा खाता

पेंशन को उतना ही सरल बनाने की कोशिश की जा रही है, जितना सरल एक बैंक खाता खोलना या यूपीआई पेमेंट करना है। इसके लिए अगले 30 दिनों के भीतर दो बड़े डिजिटल प्लेटफार्म लान्च होने की उम्मीद है। भीम इंटरफेस पर यूपीआई के माध्यम से आप मात्र दो क्लिक में अपना एनपीएस खाता खोल सकेंगे। यदि आपका किसी बैंक (जैसे एसबीआई) में पहले से बचत खाता है, तो यूपीआई एप आपके बैंक के माध्यम से ही आपकी केवाईसी जानकारी प्राप्त कर लेगा। आपको अलग से कागजी कार्रवाई करने की जरूरत नहीं होगी। खाता खुलने के बाद आप यूपीआई के जरिये कभी भी और कितनी भी बार आसानी से पैसा जमा कर पाएंगे।

स्टार एनपीएस से बढ़ेगी पहुंच

यह प्लेटफार्म बीएसई स्टार के साथ मिलकर बनाया गया है। इसके माध्यम से सभी गैर-बैंक डिस्ट्रीब्यूटर्स और यहां तक कि ग्रामीण स्तर पर काम करने वाली प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को भी पेंशन एजेंट बनाया जा सकेगा। इससे टियर-2 और टियर-3 शहरों के साथ-साथ सुदूर गांवों तक एनपीएस की पहुंच आसान हो जाएगी।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

वर्तमान में म्यूचुअल फंड में कमीशन (ट्रेल कमीशन) लगभग 1.5% के करीब है, जबकि एनपीएस में यह बहुत कम है। डिजिटल वितरण से न केवल लागत कम होगी, बल्कि उन 50 करोड़ लोगों तक पहुंचना भी मुमकिन होगा, जो वर्तमान में किसी भी पेंशन दायरे से बाहर हैं।

पेंशन + स्वास्थ्य: बुढ़ापे का डबल कवर

पेंशन सेक्टर का सबसे क्रांतिकारी बदलाव पेंशन-स्वास्थ्य खाता होने वाला है। एक प्रूफ आफ कान्सेप्ट पर काम चल रहा है। इसमें आपके पेंशन फंड का एक हिस्सा स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होगा। यह एक टाप-अप इंश्योरेंस की तरह काम करेगा। अस्पताल के खर्च का पहला हिस्सा आपके स्वास्थ्य खाते से जाएगा और बाकी का 5 लाख तक का कवर इंश्योरेंस कंपनी देगी। इसका प्रीमियम बहुत कम होगा क्योंकि यह एक ग्रुप पालिसी की तरह काम करेगा।

एनपीएस अब पहले से कहीं ज्यादा लचीला है

पहले 60% पैसा निकाल सकते थे और 40% की एन्युटी (पेंशन) लेना अनिवार्य था। अब इसे बदलकर 80-20 कर दिया गया है। यानी अब आप मैच्योरिटी पर अपनी जमा राशि का बड़ा हिस्सा अपने पास रख सकते हैं। यदि आपका कुल कार्पस 5 लाख रुपये तक है, तो आप इसे कभी भी निकाल सकते हैं। 15 साल के लाक-इन का डर अब खत्म हो गया है। आप 75 साल की उम्र तक अपनी एन्युटी को टाल सकते हैं, तब तक आपका पैसा बाजार के रिटर्न के साथ बढ़ता रहेगा।

कार खरीदते समय इन बातों का रखेंगे ध्यान, तो बचेंगे नुकसान से

नई दिल्ली

कार खरीदते समय केवल माडल और कीमत ही नहीं, बल्कि उससे जुड़ी अन्य सेवाओं और शर्तों को भी समझना जरूरी है। कार खरीदते समय सबसे बड़ी गलती लोग इंश्योरेंस को लेकर करते हैं। अधिकांश ग्राहक सुविधा के लिए शोरूम से ही बीमा करवा लेते हैं, लेकिन डीलर कई बार बाजार दर से ज्यादा प्रीमियम वसूल लेते हैं।

ऐसे में कार फाइनल करने के बाद आनलाइन प्लेटफार्म और अलग-अलग कंपनियों की कीमतों की तुलना करना फायदे का सौदा हो सकता है। इससे ग्राहक हजारों रुपये तक बचा सकते हैं। इसके अलावा एक्सेसरीज के नाम पर भी ग्राहकों से अतिरिक्त पैसे वसूले जाते हैं। शोरूम अक्सर महंगे पैकेज आफर करते हैं, जिनमें कई गैरजरूरी सामान शामिल होते हैं।

विशेषज्ञों की सलाह है कि केवल जरूरी चीजें जैसे फ्लोर मैट, सीट कवर और मड फ्लैप ही लें, जबकि बाकी एक्सेसरीज बाजार से कम कीमत में लगवाई जा सकती हैं। कार की आन-रोड कीमत में कई तरह के छिपे हुए चार्ज भी जोड़े जाते हैं। इनमें हैंडलिंग चार्ज, प्रोसेसिंग फीस और डिलीवरी शुल्क जैसे खर्च शामिल हो सकते हैं। ग्राहकों को शोरूम से पूरा कोटेशन मांगना चाहिए और गैरजरूरी शुल्क हटाने के लिए कहना चाहिए। लोन लेते समय भी जल्दबाजी से बचना जरूरी है। ब्याज दर, प्रोसेसिंग फीस और प्री-पेमेंट पेनाल्टी जैसी शर्तों को ध्यान से पढ़ना चाहिए।

साथ ही डिलीवरी लेने से पहले गाड़ी की पूरी जांच करना भी बेहद जरूरी है ताकि किसी तरह की खरोंच, खराबी या ज्यादा चली हुई कार ग्राहक को न थमा दी जाए। मालूम हो कि देश में कार अब केवल शौक नहीं बल्कि जरूरत बन चुकी है और लगभग हर परिवार अपनी सुविधा के लिए कार खरीदना चाहता है। ऐसे में पहली बार कार खरीदने वाले लोगों के लिए कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही हजारों रुपये का अतिरिक्त खर्च बढ़ा सकती है।

मारुति स्विफ्ट को हाइड्रोजन इंजन तकनीक के साथ किया प्रदर्शित

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी कंपनी ने मारुति स्विफ्ट को भविष्य की टेक्नोलाजी के साथ पेश कर आटोमोबाइल इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। सुजुकी मोटर कार्पोरेशन ने मोबिलिटी टेक्नोलाजी कंपनी एवीएल के साथ मिलकर स्विफ्ट को हाइड्रोजन इंजन तकनीक के साथ प्रदर्शित किया है। खास बात यह है कि यह कार इलेक्ट्रिक नहीं बल्कि सीधे हाइड्रोजन ईंधन से चलती है। अब तक हाइड्रोजन तकनीक वाले वाहनों में फ्यूल सेल का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें हाइड्रोजन को बिजली में बदलकर मोटर चलाई जाती थी। लेकिन नई तकनीक में हाइड्रोजन का इस्तेमाल सीधे ईंधन की तरह किया गया है। इस नई हाइड्रोजन डीआई टेक्नोलाजी को 2026 वियना मोटर सिम्पोजियम में पेश किया गया। इसके लिए एक प्रोटोटाइप मारुति स्विफ्ट का इस्तेमाल किया गया, जिसमें 1.4 लीटर चार सिलेंडर हाइड्रोजन इंजन लगाया गया है। कंपनी के अनुसार यह इंजन लीन और स्टोइकियोमेट्रिक दोनों मोड में काम करने में सक्षम है। इससे इंजन को अधिक पावर और बेहतर टार्क मिलता है। नई तकनीक के जरिए इंजन की क्षमता बढ़कर 100 किलोवाट और 220 न्यूटन मीटर तक पहुंच गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में कार्बन उत्सर्जन कम करने में अहम भूमिका निभा सकती है। भारत सरकार भी पर्यावरण के अनुकूल ईंधन को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये से लेकर 1,54,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये से लेकर 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु शुरुआती कारोबार के दौरान 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,490 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

क्रूड आयल की कीमत में आई तेजी के कारण ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे, लेकिन डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 49,609.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। दूसरी ओर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े स्टाक्स में आई तेजी के कारण एस एंड पी 500 इंडेक्स और नैस्डेक रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,398.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 440.88 अंक यानी 1.71 प्रतिशत उछल कर 26,247.08 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स 106.84 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,502.32 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,233.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 186.85 अंक यानी 2.30 प्रतिशत टूट कर 8,112.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 324.98 अंक यानी 1.34 प्रतिशत लुढ़क कर 24,338.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 339.50 अंक यानी 1.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,900.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 84.55 अंक यानी 1.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,884.85 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 71.71 अंक यानी 0.27 प्रतिशत लुढ़क कर 26,322 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 88.65 अंक यानी 0.14 प्रतिशत टूटकर 62,625 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

दूसरी ओर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 378.55 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,982.49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.94 प्रतिशत उछल कर 4,219.13 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 334.27 अंक यानी 4.46 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,832.27 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,936.34 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,503.72 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बोलारम में सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा द्वारा विशेष समर कैंप आयोजित

एचआईवी/एड्स प्रभावित बच्चों के लिए किया गया प्रेरणादायक कार्यक्रम

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोलारम स्थित डिज़ायर सोसाइटी में सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा द्वारा एक प्रेरणादायक समर कैंप का आयोजन किया गया। सोसाइटी में लगभग 150 एचआईवी/एड्स प्रभावित बच्चे निवास करते हैं, जिनके लिए यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को गुडी बैग्स वितरित किए गए, जिनमें पानी की बोतलें, आम, फ्रूटी, टी-शर्ट्स सहित अनेक उपयोगी उपहार शामिल थे। उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी एवं उत्साह साफ दिखाई दिया।समर कैंप में शाखा की सचिव श्रीमती नीति अग्रवाल ने बच्चों को बड़े कागज़ के सुंदर फूल (जायंट पेपर फ्लावर) बनाना सिखाया। इसके साथ ही बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह समर कैंप बच्चों के लिए खुशियां लेकर आया तथा समाज के प्रति सेवा, सहयोग एवं संवेदनशीलता का प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल, सचिव श्रीमती नीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मीना अग्रवाल, सहायक कोषाध्यक्ष संतोष अग्रवाल, परामर्शदात्री निर्मला अग्रवाल, केंद्रीय सदस्य श्वेता, लक्ष्मी अग्रवाल तथा कोठापेट शाखा की सदस्य श्वेता ने सक्रिय भूमिका निभाई।

तेलंगाना सरकार विजन 2047 को हासिल करने के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम करेगी: रेवंत

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार विजन 2047 और विकसित भारत के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए केंद्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने को तैयार है।

श्री रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से अनौपचारिक बातचीत करते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री की सहयोग की अपील का स्वागत किया है। श्री रेड्डी ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियां राजनीतिक प्रकृति की नहीं थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच वैचारिक और राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों पर केंद्र के साथ समन्वय में आगे बढ़ने में कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के विकास के लिए केंद्र और राज्यों, दोनों को आपसी सहयोग की भावना से काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने में योगदान देना है और उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में केंद्र के साथ पूरी तरह सहयोग करने के लिए तैयार है।

हिंदू उत्सव समिति भाग्यनगर द्वारा ठंडी मसाला छाछ वितरण सेवा आयोजित

ग्रीष्म ऋतु के आठवें रविवार को राहगीरों की सेवा

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू उत्सव समिति भाग्यनगर द्वारा ग्रीष्म ऋतु के आठवें रविवार को राहगीरों के लिए विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक राहगीरों के बीच लगभग 8 हजार मसाला ठंडी छाछ का वितरण किया गया।सेवा कार्यक्रम में समिति के सदस्य रमेश सिमलावाला, रमेश बसाईवाला, संजय अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, शरद वर्मा, विष्णु अग्रवाल, जगदीश शर्मा, धर्मेश जैन, योगेश अग्रवाल, प्रद्युम्न शर्मा एवं आरव तायल ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राहगीरों की सेवा की।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के उपरांत किरण तायल ने सभी सहयोगियों एवं सेवा कार्य में भाग लेने वाले सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में इस प्रकार की सेवा मानवता एवं सामाजिक सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सोमनाथ मंदिर का अमृत महोत्सव भारतीय संस्कृति और सनातन आस्था का प्रतीक : रोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया गया तथा उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा लगातार विभिन्न क्षेत्रों में सेवा, अन्नदान एवं सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग सहभागिता निभाते हैं।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रोहित अग्रवाल ने कहा कि आज हम सबके लिए अत्यंत गर्व और आस्था का विषय है कि विश्व प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर अपने 75वें अमृत महोत्सव वर्ष का उत्सव मना रहा है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, आत्मसम्मान और अटूट श्रद्धा का जीवंत प्रतीक है।

रोहित अग्रवाल ने कहा कि गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित डोपरींह ढशाश्रिश को भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना कर इस मंदिर की स्थापना की थी। हजारों वर्षों से यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि इतिहास में कई विदेशी आक्रमणकारियों ने इस मंदिर को तोड़ने का प्रयास किया। विशेष रूप से महमूद गजनवी ने वर्ष 1025 में सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण कर इसे भारी क्षति पहुंचाई, लेकिन भारतीय समाज की श्रद्धा और विश्वास कभी समाप्त नहीं हुआ। समय-समय पर यह मंदिर पुनः निर्मित होता रहा और हर बार पहले से अधिक भव्य रूप में खड़ा हुआ।

रोहित अग्रवाल ने कहा कि देश की आजादी के बाद लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। उनके प्रयासों और देशवासियों की आस्था के कारण मंदिर का पुनर्निर्माण संभव हो पाया। वर्ष 1951 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति ठर-क्षशपवअॅर झअॅरीरव की उपस्थिति में मंदिर का उद्घाटन हुआ, जिसने पूरे राष्ट्र में सांस्कृतिक चेतना और गौरव का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि आज जब सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, तब प्रत्येक सनातनी और प्रत्येक भारतीय के लिए यह गर्व का अवसर है। यह मंदिर हमें यह संदेश देता है कि सनातन संस्कृति को कितनी भी चुनौतियां मिलें, उसकी आस्था और शक्ति को कभी समाप्त नहीं किया जा सकता।

कार्यक्रम में महेश गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जयप्रकाश शारदा, ई. जगन, जयप्रकाश सारडा, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के सफल कार्यक्रम पर भाजपा अध्यक्ष रामचंदर राव का सम्मान

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। परेड ग्राउंड में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल कार्यक्रम के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रामचंदर राव का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्हें शॉल, साफा एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

सम्मान कार्यक्रम में भाजपा स्टेट एग्जीक्यूटिव सदस्य गोविंद नारायण राठी, भाजपा गनफाउंड्री के शैलेंद्र यादव, मनोज जायसवाल एवं कार्तिक राठी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संगठन की कार्यशैली एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग की सराहना की।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का भाग्य नगर की धरा पर स्वागत एवं अभिनंदन करते सुरेश शर्मा

सखी सहेली महिला शाखा गोशामहल का ग्रांड तंबोला कार्यक्रम सम्पन्न

महिलाओं ने उत्साहपूर्वक लिया भाग, जीते आकर्षक पुरस्कार

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सखी सहेली महिला शाखा गोशामहल द्वारा आयोजित ग्रांड तंबोला कार्यक्रम 4 मई, सोमवार को आबिड्स स्थित राघव रतन टावर में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लगभग 80 से 100 महिलाओं ने भाग लेकर खेल का आनंद उठाया तथा विभिन्न आकर्षक पुरस्कार जीते।कार्यक्रम के अंतर्गत तंबोला के तीन राउंड आयोजित किए गए। प्रथम कॉम्प्लिमेंट्री राउंड की विजेताओं में दिव्या, हर्षिता, सरिता, शालू, प्रति एवं अन्य सदस्य शामिल रहीं।

इसके पश्चात आयोजित दूसरे इलेक्ट्रॉनिक राउंड की विजेताओं में पूनम, स्नेहा, ज्योति, सिद्धि, बबीता एवं शालू रहीं।

तीसरे नॉन-स्टिक तंबोला राउंड में नेहा, आशु, प्रतिभा, सिद्धि, पायल, शीतल, श्वेता एवं दुर्गा विजेता रहीं।

तंबोला कार्यक्रम के पश्चात सभी उपस्थित महिलाओं के लिए मध्यान भोजन की भी व्यवस्था की गई। पूरे कार्यक्रम में उत्साह एवं आनंद का वातावरण बना रहा।

सखी सहेली महिला शाखा ने कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष दीपा अग्रवाल, उपाध्यक्ष संगीता पटवारी, कोषाध्यक्ष एकता गुप्ता, मंत्री नीलम संघी, सह मंत्री शिखा अग्रवाल, के.एस. आरती अग्रवाल, कीर्ति अग्रवाल, पायल अग्रवाल एवं वर्षा अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

पशु तस्करी एवं फर्जीवाड़े के खिलाफ आंध्र प्रदेश गोशाला फेडरेशन का कड़ा रुख

प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम, उच्चस्तरीय जांच की मांग

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश गोशाला फेडरेशन ने तेलंगाना के कोमारम भीम (आसिफाबाद) जिले में कथित रूप से चल रहे बड़े पैमाने पर अवैध पशु परिवहन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। फेडरेशन के मानद अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने आरोप लगाया कि राज्य में पशु क्रूरता निवारण कानूनों एवं न्यायालय के आदेशों की खु-लेआम अवहेलना की जा रही है।

फेडरेशन ने आरोप लगाया कि पशुपालन विभाग की मिलीभगत के बिना यह अवैध कारोबार संभव नहीं है। संस्था का दावा है कि विभागीय अधिकारियों द्वारा फर्जी पशु चिकित्सा प्रमाणपत्र जारी किए जा रहे हैं, जिनकी सहायता से प्रतिमाह हजारों पशुओं का अवैध परिवहन किया जा रहा है। फेडरेशन ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

सरकार से की कई महत्वपूर्ण मांगें

संस्था ने गृह विभाग एवं ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को पत्र लिखकर तत्काल प्रभाव से कई कदम उठाने की मांग की है। इनमें अवैध परिवहन में संलिप्त संदिग्ध वाहनों की जब्ती, नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त विशेष टास्क फोर्स के गठन की मांग

शामिल है।

इसके अतिरिक्त फेडरेशन ने अवैध वध स्थलों एवं कथित होल्डिंग प्वाइंट्स पर छापेमारी, पिछले 72 घंटों में जारी सभी परिवहन प्रमाणपत्रों की जांच तथा तस्करी से मुक्त कराए गए पशुओं को मान्यता प्राप्त गोशालाओं को सौंपने की मांग भी की है।

कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट जाने की चेतावनी

महेश अग्रवाल ने प्रशासन को 24 घंटे के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समयावधि में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो फेडरेशन तेलंगाना हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर करेगा।

उन्होंने कहा, कानून का शासन एवं न्यायालय की गरिमा बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि प्रशासन विफल रहता है, तो हमें न्यायपालिका की शरण लेनी होगी।

स्वच्छ फल्गु-स्वच्छ गयाजी अभियान के तहत राय बिंदेश्वरी घाट पर चला जनजागरण कार्यक्रम

श्रमदान कर फल्गु नदी को स्वच्छ रखने का लिया संकल्प

पटना, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, पौराणिक एवं धार्मिक नगरी गयाजी में स्थानीय किरानी घाट रोड स्थित राय बिंदेश्वरी घाट पर स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान के अंतर्गत स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के तहत स्थानीय लोगों के बीच जनजागरण चलाया गया तथा प्रत्येक रविवार की तरह इस रविवार को भी एक से दो घंटे श्रमदान कर फल्गु नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प दोहराया गया। इस अवसर पर अभियान समिति के संयोजक विजय कुमार मिट्ठू, सह-संयोजक बैजू प्रसाद, टिंकू गिरी, अंश उपाध्याय, रवि कुमार सिंह, बाबूलाल प्रसाद सिंह, मुरारी प्रसाद, मिथिलेश तिवारी एवं मोहम्मद ऐहतेश्याम सहित अन्य लोगों ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध अंतःसलिला एवं मोक्षदायिनी फल्गु नदी को स्वच्छ बनाए रखने के लिए गयावासी लगातार छह रविवार से श्रमदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं।

अभियान में शामिल प्रबुद्धजनों ने कहा कि गया नगर निगम, स्थानीय नागरिकों, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से फल्गु नदी की सफाई को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही नदी को प्रदूषण एवं अतिक्रमण से बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने फल्गु नदी के दोनों किनारों पर मैरीन ड्राइव निर्माण की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि पश्चिमी छोर पर बोधगया से चाकंद तक तथा पूर्वी छोर पर गुरियावां से खिजरसराय तक सड़क निर्माण होने से घनी आबादी के बीच फल्गु नदी अतिक्रमण से सुरक्षित रहेगी तथा यातायात व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी।

मगध विवि इकाई के अध्यक्ष निर्वाचित हुए प्रो. विजय कुमार मिट्ठू

जहानाबाद कॉलेज में सम्पन्न हुआ महासंघ का संगठन चुनाव

पटना, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार राज्य संबद्ध डिग्री कॉलेज शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ की मगध विश्वविद्यालय इकाई का संगठन चुनाव जहानाबाद कॉलेज, जहानाबाद में सम्पन्न हुआ। चुनाव में मगध विश्वविद्यालय अंतर्गत गया, जहानाबाद, नवादा, औरंगाबाद एवं अरवल जिले के सभी अनुदानित संबद्ध 39 कॉलेजों के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चुनाव प्रक्रिया महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शंभू नाथ सिन्हा, सीनेट सदस्य धर्मेंद्र कुमार चौधरी, महासचिव प्रो. राजीव रंजन, प्रो. नवल किशोर प्रसाद सिंह, पूर्व अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार सिंह एवं प्रो. अरविंद कुमार की देखरेख में सम्पन्न हुई। महासंघ के प्रवक्ता प्रो. अरुण कुमार गौतम ने बताया कि चुनाव से पूर्व संगठन के सशक्तिकरण, नए पदाधिकारियों के चयन, विश्वविद्यालय स्तर पर चरणबद्ध आंदोलन तथा गया, जहानाबाद, औरंगाबाद, नवादा एवं अरवल जिला इकाइयों को मजबूत बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके उपरांत सभी पर्यवेक्षकों एवं सदस्यों की सहमति से पदाधिकारियों की सूची प्रस्तुत कर सर्वसम्मति से निर्वाचन की घोषणा की गई। निर्वाचित पदाधिकारियों में मगध विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष पद पर महाबोधि कॉलेज बेलागंज के रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार मिट्ठू चुने गए। संरक्षक पद पर प्रो. नवल किशोर प्रसाद, उपाध्यक्ष पद पर डॉ. बीरेन्द्र सिंह एवं प्रो. शशि रंजन कुमार सिंह, महासचिव पद पर प्रो. शशि प्रसाद एवं प्रो. रमेश कुमार, कोषाध्यक्ष पद पर प्रो. राम कुमार सिंह तथा मीडिया प्रभारी पद पर प्रो. विकास कुमार निर्वाचित हुए।

कार्यकारिणी सदस्यों में प्रो. राजेश कुमार, श्री प्रकाश, शिवेंद्र कुमार, प्रो. अनिल कुमार सिंह, प्रो. मोहम्मद अली, प्रो. सरोज कुमार, प्रो. अखिलेश कुमार, प्रो. राजेश रंजन मिश्रा, प्रो. अश्विनी कुमार, प्रो. मदन कुमार एवं प्रो. मनोज कुमार सिन्हा शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सोने-तेल...

पीएम मोदी ने गुजरात में कहा कि मेरी हर देशवासी से अपील है कि जहां संभव हो, पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करें और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी और निजी दफ्तरों में वर्चुअल मीटिंग और वर्क फ्रॉम होम को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि खाने के तेल के आयात पर भी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। समय की मांग है कि वोकल फॉर लोकल को अपनाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भी तेलंगाना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से देशहित में एक साल तक सोना खरीदने से बचने की अपील की थी। इस दौरान उन्होंने दुनिया में जारी जंग के असर का जिक्र करते हुए कहा कि वैश्विक संघर्षों का भारत पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिकंदराबाद (तेलंगाना) में बताया कि पिछले दो महीनों से हमारे पड़ोस में जंग चल रही है, जिसका असर दुनिया के साथ-साथ भारत पर भी हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत के पास बड़े पैमाने पर तेल के भंडार नहीं हैं और जंग के चलते पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं।

वडोदरा पहुंचे झच् मोदी

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के वडोदरा पहुंचे। वडोदरा के अनखोल में पीएम मोदी ने गुजरात के तीसरे सरदारधाम प्रोजेक्ट से संलग्न विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण किया। सरदारधाम प्रोजेक्ट के तहत 150 करोड़ के खर्च से निर्मित 2,000 छात्र-छात्राओं की शिक्षा के लिए डॉक्टर दुष्यंत और दक्षा पटेल छात्रालय का लोकार्पण भी किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का दिन किसी पुण्य पर्व से कम नहीं है। सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के 75 वर्ष पूरे होने पर सोमनाथ अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनावी नतीजों का जिक्र करते हुए कहा कि इन परिणामों ने देशभर में उत्साह का माहौल बनाया है। पीएम मोदी ने बताया कि गुजरात ने हमेशा राजनीतिक स्थिरता को महत्व दिया।

अपील के पीछे ...

सोना दूसरे नंबर पर है।

* 2025-26 में भारत ने पिछले कारोबारी साल के मुकाबले 4.76% कम मात्रा में सोना खरीदा, लेकिन सोने के इम्पोर्ट बिल में 24% तक का उछाल आया। इसकी सबसे बड़ी वजह थी- सोने की तेजी से बढ़ती कीमतें। सोने का दाम 76 हजार डॉलर प्रति किलो से बढ़कर 1 लाख डॉलर प्रति किलो तक पहुंच गया।

* फिलहाल सोने की कीमत करीब 1.52 लाख डॉलर प्रति किलो है। इन कीमतों पर सोना खरीदने से भारत के फॉरेन रिजर्व में डॉलर तेजी से घटेगा। सोने की बढ़ी कीमतों के चलते गोल्ड इम्पोर्टर्स हाथ पीछे खींच रहे हैं और कम सोना भारत आ रहा है।

* जनवरी में करीब 100 टन, फरवरी में करीब 65 टन और मार्च में करीब 22 टन सोना खरीदा गया। अप्रैल में अनुमान है कि सिर्फ 15 टन सोना खरीदा जाएगा, जो पिछले 30 सालों के सबसे निचले स्तर में से एक है।

* सोने की घरेलू कीमतें 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम ज्यादा हैं, जिसका असर कस्टमर की जेब पर पड़ रहा है।

* वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक 2026 की पहली तिमाही में भारत में निवेश के लिए सोने की मांग गहनों से भी ज्यादा है।

* यानी अगर आप सोना नहीं खरीदेंगे, तो भारत का इम्पोर्ट बिल घटेगा। इससे फॉरेन रिजर्व में डॉलर स्थिर बना रहेगा और रूपया तेजी से कमजोर नहीं होगा।

पेट्रोल-डीजल के कम इस्तेमाल और मवर्क फ्रॉम होमफसे क्या होगा?

पीएम मोदी ने कहा: भारत के पास दूसरे देशों की तरह बड़े-बड़े तेल के कुएं नहीं हैं। हमें पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करना होगा। शहरों में जहां मेट्रो है, वहां हम तय करें कि हम ज्यादा से ज्यादा मेट्रो का ही उपयोग करेंगे। अगर कार में ही जाना जरूरी है, तो फिर कार पूल करने का प्रयास करें। और भी लोगों को साथ बिठा लें। अगर हमें कहीं सामान भेजना हो तो कोशिश करनी है कि वह ज्यादा से ज्यादा रेलवे गूड्स सर्विस से भेजें। वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन कान्फ्रेंसेस, वर्चुअल मीटिंग, इनको हमें फिर से प्राथमिकता देनी है।

अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने के बाद दुनियाभर में तेल की कीमतें 50% तक बढ़ी हैं। ईरान पर अमेरिकी हमले के एक दिन पहले यानी 27 फरवरी को इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 72.87 डॉलर प्रति बैरल थी, जो 11 मई को 103.78 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं।

* पाकिस्तान में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 320 से बढ़कर 415 पाकिस्तानी रुपए पहुंच गई। अमेरिका में 45% और ब्रिटेन में भी तेल की कीमतें 20% बढ़ीं हैं।

* इसके उलट भारत ने दाम ज्यों के त्यों रखे हैं। इससे भारतीय तेल कंपनियों को हर दिन 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है।

* दरअसल, भारत अपनी जरूरत का लगभग 70% तेल आयात करता है, जिसमें से आधा तेल होर्मुज स्ट्रेट से होकर आता है, लेकिन युद्ध के चलते ये रास्ता बंद है। इससे भारत को तेल खरीदी में दिक्कतें आ रही हैं।

* वहीं भारत के इम्पोर्ट बिल में कच्चे तेल की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 22.4% है। 2024-25 में इस पर 11.66 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए थे। फिर 2025-26 में क्रूड के भाव घटने से खर्च 10.35 लाख करोड़ रुपए था।

* मैक्वेरी ग्रुप लिमिटेड के मुताबिक, जब कच्चे तेल में 10 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोत्तरी होती है, तो भारतीय तेल कंपनियों को 6 रुपए प्रति लीटर का घाटा होता है।

* पिछले दो महीने से जारी जंग के कारण क्रूड 50% महंगा हुआ है। ऐसे में अनुमान है कि भारत का क्रूड इम्पोर्ट बिल 17 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

* यानी पेट्रोल-डीजल की खपत घटने से भारत का डॉलर बचेगा और सप्लाई पर भी दबाव घटेगा।

* वहीं वित्त मंत्रालय की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2024-25 के मुताबिक कार पूलिंग से सालाना 38 करोड़ लीटर फ्यूल बचाया जा सकता है।

फर्टिलाइजर के बजाय प्राकृतिक खेती पर शिफ्ट होने की अपील क्यों?

पीएम मोदी ने कहा: ये बहुत जरूरी है कि हम केमिकल फर्टिलाइजर की खपत 25-50% तक घटाएं, उसे आधी कर दें। हम इसके साथ-साथ नेचुरल फार्मिंग की तरफ बढ़े। मैं कोविड काल से कहता आया हूं कि हम स्थानीय चीजें खरीदें। वोकल फॉर लोकल के मंत्र को लेकर चलें। हम मेड इन इंडिया चीजें खरीदकर भी विदेशी मुद्रा बचा सकते हैं।

ऐसा क्यों कहा: भारत फर्टिलाइजर, यानी खाद के मामले में दुनिया के सबसे बड़े खरीदारों में से एक है। भारत अपनी जरूरत का 25-30% यूरिया, 90% अझ और 100% पोटाश विदेशों से खरीदता है। भारत के इम्पोर्ट बिल में इसका हिस्सा करीब 3% है।

फर्टिलाइजर का कम इस्तेमाल करने की अपील के पीछे 3 बड़ी वजहें हैं

1. इम्पोर्ट बिल कम करना: कच्चे तेल के चढ़े दामों के कारण पहले से ही इम्पोर्ट बिल ज्यादा है। ऐसे में फर्टिलाइजर का भी इम्पोर्ट बिल बढ़ा, तो सरकारी खजाने पर काफी असर पड़ेगा।

2. कच्चे माल की कमी: यूरिया बनाने में नेचुरल गैस लगती है। 60% गैस होर्मुज के रास्ते आती है, जिसमें अभी रुकावटें हैं। वहीं डीएपी और पोटाश बनाने का कच्चा माल- रॉक फास्फेट और पोटेशियम साल्ट रूस, मोरक्को, जॉर्डन और सऊदी अरब देशों से आता है। सऊदी और जॉर्डन से आने वाले कच्चे माल में दिक्कतें आ रही हैं।

3. सब्सिडी का बोझ: सरकार किसानों को बहुत कम दाम पर खाद बेचती है और घाटा खुद उठाती है। 2026-27 के लिए बजट में 1.71 लाख करोड़ रुपए फर्टिलाइजर सब्सिडी के लिए दिए गए हैं। अगर महंगे दाम पर सरकार ने फर्टिलाइजर खरीदे तो उसे और घाटा उठाना पड़ सकता है।

यानी फर्टिलाइजर की कम खपत से इम्पोर्ट बिल और सब्सिडी का खर्च कम होगा। हालांकि इससे पैदावार घटने का संकट भी खड़ा हो सकता है।

घूमने यानी शादी के लिए विदेश नहीं जाने से क्या होगा?

पीएम मोदी ने कहा: आजकल मिडिल क्लास में विदेशों में शादियों का, विदेश घूमने का और वैकेशन पर जाने का कल्चर बढ़ता जा रहा है। हमें तय करना होगा कि जब यह संकट का काल है और हमारी देशभक्ति हमें ललकार रही है, तो कम से कम एक साल के लिए हमें विदेश जाने की बातों को टालना चाहिए।

मार्च 2025 में आई टूरिज्म डिपार्टमेंट की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में 3.27 करोड़ भारतीयों ने विदेश यात्रा की। इसमें से 43.5% छुट्टी मनाने या घूमने वगैरह के लिए विदेश गए, जो 2024 से 6% ज्यादा है।

* देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों, जैसे- जयपुर, भोपाल, लखनऊ, झांसी, उदयपुर और अमरावती के लोग भी अब घूमने-फिरने के लिए विदेश यात्रा कर रहे हैं। ट्रैवल-टेक कंपनी ट्रेवल क्लेन की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में 63% विदेश जाने वाले लोग इन्हीं शहरों से थे।

* 2023-24 में विदेश यात्राओं में भारतीयों का कुल खर्च 2.72 लाख करोड़ रुपए था, जो 2025-26 में 3.65 लाख करोड़ रुपए हो गया। यानी भारतीयों ने विदेशों में खर्च बढ़ा दिया है।

* अनुमान है कि अगर घूमने-फिरने के लिए विदेश जाने वाले भारतीयों में से आधे न जाएं, तो देश को लगभग 78,500 करोड़ रुपए की बचत हो सकती है।

* वहीं 2023 में कॉन्फिडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, सीएआईटी ने बताया था कि हर साल कम से कम 5000 भारतीय जोड़े विदेशों में जाकर शादी करते हैं। ऐसी डेस्टिनेशन वेडिंग्स पर 50 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च आता है।

* डेस्टिनेशन वेडिंग और वैकेशन के लिए विदेश जाने के बजाय भारत में किसी जगह जाने से स्थानीय रोजगार पैदा होगा। होटल, टैक्सी एजेंसियों को फायदा होगा और जो पैसा डॉलर या फॉरेन करेंसी की शक्ल में विदेश में खर्च हो रहा है, वो भारत की इकोनॉमी को बढ़ाएगा।

खाने का तेल कम खाने की बात क्यों कही?

पीएम मोदी ने कहा: मखाने के तेल आयात के लिए भी बहुत बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। हर परिवार अगर खाने के तेल का उपयोग 10% कम करे, तो भी वह देशभक्ति का बहुत बड़ा काम है।फ

ऐसा क्यों कहा: भारत अपने खाने के तेल की जरूरतों का लगभग 60-65% हिस्सा विदेशों से मंगाता है। 59% पाम ऑयल, 23% सोयाबीन ऑयल, 15% सनफ्लावर ऑयल इम्पोर्ट करता है।

* 2024-25 में भारत ने कुल 1.6 करोड़ टन खाद्य तेल आयात किया, जिसका ज्यादातर हिस्सा इंडोनेशिया, मलेशिया, अर्जेंटीना, ब्राजील और रूस से आया। इस पर करीब 1.61 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए, जो 2023-24 की तुलना में 22% ज्यादा हैं।

* ऐसे में जब डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर पड़ रहा है। तब अगर खाने के तेल की खपत कम होगी तो भारत को कम डॉलर बाहर भेजने पड़ेंगे। इससे भारत के फॉरेन रिजर्व में डॉलर बना रहेगा।

* इससे पहले भी पीएम मोदी खाने का तेल कम इस्तेमाल करने को कह चुके हैं। फरवरी 2025 में ममन की बातफ कार्यक्रम में उन्होंने पहली बार खाने के तेल की खपत 10% कम करने को कहा था।

* तब उन्होंने मोटापा, फैटी लीवर, टाइप-2 डायबिटीज और हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों की वजह से ऐसी अपील की थी।

सवाल: क्या पीएम मोदी की अपीलों के पीछे कोई गहरी चिंता छिपी हुई है?

जवाब: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है- क्या खरीदें, क्या न खरीदें, कहां जाएं, कहां न जाएं।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने पोस्ट किया, सारी पाबंदियां चुनाव के बाद ही क्यों याद आई हैं? भाजपाइयों ने चुनाव में जो हजारों चार्टर हवाई यात्राएं कीं वो क्या पानी से उड़ रहीं थीं? वो क्या होटलों में नहीं ठहर रहे थे या सिलेंडर की फोटो लगाकर खाना बनाकर खा रहे थे?

दरअसल, पीएम मोदी की 7 अपीलों के पीछे की वजह भारत का घटता फॉरेन रिजर्व है। 1 मई को भारत का कुल फॉरेन रिजर्व 690.69 बिलियन डॉलर, यानी करीब 65.6 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। एक हफ्ते में ये करीब 26 हजार करोड़ रुपए कम हुआ है।

फरवरी 2026 में यह अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर था। तब यह कुल 728.49 बिलियन डॉलर था। यानी पिछले ढाई महीनों में इसमें करीब 37.8 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है।

वहीं भारत के स्ट्रैटेजिक ऑयल रिजर्व को देखें तो मार्च के आखिर में सरकार ने बताया था कि कुल 5.33 मिलियन मीट्रिक टन की क्षमता में से करीब 3.37 मिलियन मीट्रिक टन तेल स्टॉक में हैं। यानी कुल क्षमता का 64% तेल भरा हुआ है, जबकि 36% खाली है।

पीएम मोदी ने जिन 4 चीजों- सोना, कच्चा तेल, फर्टिलाइजर और खाने के तेल को लेकर अपील की है, उनका इम्पोर्ट बिल 240 बिलियन डॉलर, यानी करीब 22 लाख करोड़ रुपए है। ये कुल इम्पोर्ट बिल का करीब 31% है।

ब्रिटिश न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के 46 अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि भारत में महंगाई दर मार्च 2026 में 3.4% थी, जो अप्रैल में बढ़कर 3.8% हो गई। अलग-अलग अर्थशास्त्रियों ने इसके 2.8% से 4.2% तक होने का अनुमान लगाया है।

पूर्व भारतीय डिप्लोमैट निरुपमा राव के मुताबिक, ईरान जंग से भारतीयों की रोजमर्रा की जिंदगी पर असर पड़ा है। पीएम की अपील का मतलब है कि हमें यह संकट समझने की जरूरत है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था संकट में है। जो बोझ पड़ रहा है उसे सरकार, व्यवसायों और आम लोगों के बीच बांटना जरूरी है।

इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के गुजरात प्रेसिडेंट नैनेश पच्चीगर के मुताबिक पीएम मोदी की अपील भारत के फॉरेन एक्सचेंज बचाने में मदद कर सकती है।

सवाल: आम लोगों को सोना न खरीदने को कहा, लेकिन सरकार खुद ज्यादा क्यों खरीद रही?

जवाब: एक तरफ पीएम मोदी ने देशवासियों से 1 साल तक सोना न खरीदने की अपील की है। दूसरी तरफ भारतीय रिजर्व बैंक यानी ठइख का गोल्ड रिजर्व अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 के बीच 104.2 टन तक बढ़ा है। अभी भारत के पास करीब 880 टन गोल्ड रिजर्व है। पिछले 10 सालों में यह 57.81% तक बढ़ा है। 2023 से 2025 के बीच 280 टन सोना ठइख ने जुटाया।

दरअसल, सोना खरीदने का यह ट्रेंड भारत ही नहीं दुनिया के कई देशों के सेंट्रल बैंकों अपना रहे हैं। चीन, ब्राजील, तुर्किये, पोलैंड जैसे कई देश गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका ने रूस का 300 बिलियन डॉलर फॉरेन रिजर्व पर रोक लगा दी थी। इसके बाद से दुनियाभर के देशों में डॉलर के प्रति भरोसा कम होने लगा और वो अपना फॉरेन रिजर्व दूसरी करेंसी और खासकर सोने में डाइवर्सिफाय करने लगे।

सोने को एक सुरक्षित निवेश समझा जाता है, जो जरूरत के समय काम आता है। पहले भारत अपना सोना दूसरे देशों के बैंकों में भी रखता था। अब इसे भी घर में ही रख रहा है। 2023 में आरबीआई का 38% सोना ही देश में था। अब 77% देश में है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ज्यादा सोना देश में रखने से वैश्विक अस्थिरता के समय देश में सुरक्षा सुनिश्चित रहती है। दूसरे देशों पर निर्भरता भी कम होती है।

ममता के...

3. भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र को जमीन का ट्रांसफर प्रोसेस तुरंत शुरू होगा। कैबिनेट ने चीफ सेक्रेटरी और राज्य के लैंड और लैंड रेवेन्यू डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी को अगले 45 दिनों के अंदर प्रोसेस पूरा करने का अधिकार दिया है।

बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिवारों की जिम्मेदारी

4. बीजेपी के जिन 321 कार्यकर्ताओं ने बंगाल में जान गंवाई, उनके परिवारों की पूरी जिम्मेदारी सरकार लेगी। बीजेपी का दावा है कि बंगाल में ममता सरकार के दौरान उसके 300 से ज्यादा कार्यकर्ताओं की राजनीतिक हिंसा में हत्या हुई।

5. पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य सरकार के अधीन गैर-सांविधिक निकायों, बोर्डों, संगठनों और सार्वजनिक उपक्रमों में नियुक्त सभी मनोनीत सदस्यों, निदेशकों और अध्यक्षों के कार्यकाल को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्देश जारी किया। इसके साथ ही राज्य सरकार ने 60 वर्ष की सामान्य सेवानिवृत्ति आयु के बाद एक्सटेंशन या री-अपॉइंटमेंट पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवाएं भी तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है।

6. विधानसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर रहे मनोज अग्रवाल को शुभेंदु अधिकारी की बीजेपी सरकार में राज्य का नया चीफ सेक्रेटरी बनाया गया है। सोमवार को जारी एक ऑफिशियल ऑर्डर के मुताबिक वर्तमान चीफ सेक्रेटरी दुष्यंत नरियाला को नई दिल्ली में प्रिंसिपल रेजिडेंट कमिश्नर नियुक्त किया गया है। इसके अलावा एडमिनिस्ट्रेटिव सुधारों के तहत, राज्य के आईएएस अधिकारी अब दूसरे राज्यों की तरह केंद्र सरकार के ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लेंगे।

7. पश्चिम बंगाल सरकार ने 1 जून से बसों में महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा की शुरुआत की है। ये बीजेपी के चुनावी वादे का हिस्सा था।

8.शुभेंदु ने सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों के लिए ऊपरी उम्र सीमा में पांच साल की छूट की घोषणा की है। इस घोषणा से अब जनरल कैटेगरी के आवेदकों को मौजूदा उम्र सीमा 40 से 45 साल तक की छूट मिलेगी, और एससी, एसटी और ओबीसी कैटेगरी के लोग मौजूदा उम्र सीमा 43 से 48 साल तक नौकरियों के लिए अप्लाई कर सकेंगे।

जनगणना शुरू करने का फैसला

9. अधिकारी सरकार ने पश्चिम बंगाल में तुरंत जनगणना शुरू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार जनगणना प्रक्रिया के बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय के 16 जून, 2025 के निर्देश को लागू करने में नाकाम रही थी। मौजूदा सरकार ने पेंडिंग एडमिनिस्ट्रेटिव सर्कुलर को तुरंत लागू कर दिया है।

'सर' पर हार ....

इसी दौरान टीएमसी सांसद और वकील कल्याण बनर्जी ने बागची की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अगर जीत का अंतर हटाए गए वोटों से कम है, तो अदालत शिकायतों पर विचार कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई बहस के प्रमुख बिंदु

* सुप्रीम कोर्ट: इस मामले में ममता और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं।

* चुनाव आयोग अधिवक्ता डीएस नायडू: इसका उपाय चुनाव याचिका है। एसआईआर से जुड़े मुद्दों और मतदाता सूची संशोधन के दौरान वोट जोड़ने या हटाने के खिलाफ अपीलों के लिए ही चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

* कल्याण बनर्जी: मेरे एक उम्मीदवार 862 वोटों से हारे, जबकि दिलचस्प बात यह है कि उस निर्वाचन क्षेत्र में एसआईआर के दौरान 5,550 वोट हटा दिए गए थे। ऐसी 31 सीटें हैं, जहां जीत का अंतर हटाए गए वोटों से कम था। हालांकि लिस्ट नहीं दी। टीएमसी और भाजपा के बीच कुल वोटों का अंतर करीब 32 लाख था और वोट डिलीशन के खिलाफ 35 लाख अपीलें अभी भी पेंडिंग हैं।

* न्यायमूर्ति बागची: परिणामों, वोट हटाने आदि के बारे में जो भी कहना है, उसके लिए अलग अंतरिम आवेदन दाखिल करना होगा। चुनाव आयोग जो यह कह रहा है कि चुनाव याचिका ही उपाय है, वह अपनी जवाबी हलफनामे में यह बात रख सकता है।

* एक याचिकाकर्ता वकील मेनका गुरुस्वामी: यह आशंका है कि अब वोट हटाने के खिलाफ अपीलों के निपटारे में चार साल लग सकते हैं।

* सुप्रीम कोर्ट: हम यह देखेंगे कि अपीलों के निपटारे की प्रक्रिया में कोई सुधार किया जा सकता है या नहीं।

भाजपा को बंगाल में 207 सीटें मिलीं, पहली बार सरकार बनाई

हाल में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 294 में से 207 सीटें जीतीं हैं, जबकि टीएमसी को 80 सीटें मिली हैं। इन चुनावों में राज्य में 90% से ज्यादा वोटिंग दर्ज की गई।

भाजपा को कुल 2 करोड़ 92 लाख 24 हजार 804 वोट मिले हैं। तृणमूल कांग्रेस को 2 करोड़ 60 लाख 13 हजार 377 वोट मिले हैं। बीजेपी को टीएमसी से 32 लाख 11 हजार 427 ज्यादा वोट मिले हैं। यानी 293 सीटों के हिसाब से भाजपा को हर सीट पर औसत 10,960 वोट ज्यादा मिले।

राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन से कुल 91 लाख वोट कटे। यानी हर सीट पर औसतन 30 हजार वोटरों के नाम काटे गए। कुल 293 सीटों में से 176 पर जीत का अंतर 30 हजार से कम और 117 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा।

* बंगाल में 30 हजार से कम मार्जिन पर जीत वाली 176 सीटों में भाजपा की 128 सीटें हैं। वहीं, 30 हजार से ज्यादा मार्जिन पर जीत वाली 117 सीटों में भाजपा की 79 सीटें हैं। तृणमूल की 44 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम और 36 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा है।

* 2021 में भाजपा की 77 में से 72 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम था। प्रतिशत में देखें तो भाजपा ने इस बार 62% सीटें 30 हजार से कम मार्जिन पर जीतीं, जबकि 2021 में ऐसी 93.5% थीं।

* साल 2021 में 121 सीटों पर तृणमूल की जीत का अंतर 30 हजार से कम था और 94 पर 30 हजार से ज्यादा। यानी बहुमत वाले दल के लिए ये आंकड़े ट्रेंड दर्शाते हैं। इस बार भाजपा की 25 सीटें ऐसी हैं, जहां हटाए या अयोग्य घोषित मतदाताओं की संख्या जीत के अंतर से अधिक है।

सुप्रीम कोर्ट ने 13 अप्रैल को कहा था कि चुनाव परिणाम में तभी दखल दिया जाएगा, जब बड़ी संख्या में मतदाता बाहर किए गए हों और वह संख्या जीत के अंतर को प्रभावित करती हो।

जस्टिस बागची ने आयोग से कहा था कि मान लीजिए कि जीत का अंतर 2% है और 15% मतदाता वोट नहीं डाल सके, तो हमें इस पर सोचना होगा। यह चिंता का मामला हो सकता है। यह मत समझिए कि बाहर किए गए मतदाताओं का सवाल हमारे दिमाग में नहीं है।

इस उदाहरण से आसानी से समझिए...

मान लीजिए विजेता को 1 लाख वोट मिले और निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 95 हजार वोट तो मार्जिन हुआ 5 हजार वोट। अगर हटाए गए वोट 5 हजार से कम हैं तो असर नहीं। लेकिन ज्यादा हैं तो नतीजों पर असर संभव।

बंगाल में 11.85% नाम हटे, ज्यादातर बांग्लादेश बॉर्डर के पास

पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85% वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग ने फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा जांच के तहत आए 60.06 लाख वोटरों में से 27.16 लाख के नाम हटाए गए। बांग्लादेश सीमा से लगे जिलों में भी बड़े स्तर पर नाम हटे। नॉर्थ 24 परगना में 5.91 लाख में से 3.25 लाख नाम हटे। वहीं, 8.28 लाख में से 2.39 लाख नाम हटे।

बंडी के बेटे...

न्यूजमीटर द्वारा प्राप्त एफआईआर में, साई भगीरथ ने परिवार और लड़की के खिलाफ आपराधिक धमकी, जबरन वसूली और उत्पीड़न का आरोप लगाया।

मैं (भगीरथ) एक साझा मित्र के माध्यम से लड़की के संपर्क में आया। हमारे दोस्त और माता-पिता एक सम्मानित समूह का प्रतिनिधित्व करते थे। उसके माता-पिता की भागीदारी के साथ, उन्होंने मेरे समूह और मेरे साथ मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित किए।

दोस्ती और सामाजिक संबंध के बहाने, उन्होंने मेरे दोस्तों और मुझे पारिवारिक समारोहों, समूह सभाओं और आध्यात्मिक स्थलों पर आमंत्रित किया। हम उन्हें विश्वसनीय और एक बड़े दोस्त सर्कल का हिस्सा मानते थे। मैं उनके और अन्य दोस्तों के साथ समूह के हिस्से के रूप में विजयवाड़ा मंदिर, अरुणाचलम मंदिर और तिरुमला मंदिर की यात्रा की। उन्होंने कहा कि कुछ समय बाद उनका व्यवहार बदल गया। माता-पिता ने मुझ पर अपनी बेटी से शादी करने के लिए दबाव डालना और धमकाना शुरू कर दिया। मेरे इनकार पर, उन्होंने मेरे खिलाफ झूठी आपराधिक शिकायतें दर्ज करने की धमकी दी, जिसमें उत्पीड़न के आरोप भी शामिल हैं। उन्होंने मुझसे भारी राशि की मांग की है। डर के मारे, मैंने उसके पिता को 50,000 रुपये की राशि दी है और उन्हें मुझे अकेला छोड़ने का आग्रह किया है। माता-पिता लगातार मुझे मानसिक उत्पीड़न और जबरदस्ती का शिकार बना रहे हैं, यह कहते हुए कि अगर मैं उन्हें 5 करोड़ रुपये की राशि नहीं देता तो लड़की की माँ आत्महत्या कर लेगी। मेरे कुछ दोस्तों को इन लोगों के साथ इसी तरह की समस्या थी और उन्होंने पहले निर्मल पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की थी।

काउंटर एफआईआर में क्या है?

8 मई को, परिवार ने पेटबशीरबाग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। साई भगीरथ के खिलाफ पोक्सो के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है। परिवार ने आरोप लगाया है कि साई भगीरथ ने लड़की का यौन शोषण किया, उसे मोइनाबाद में एक फार्महाउस पर नशीले पदार्थों का सेवन करने के लिए मजबूर किया और एक नाबालिग के साथ संबंध स्थापित किया गया था।

सीएम रेवंत ने क्या निर्देश दिए?

अब जांच शुरू हो गई है और पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। चीजें मिनटों में नहीं होंगी सिर्फ इसलिए कि बीआरएस नेता इसकी मांग कर रहे हैं। मामले पर आरएस प्रवीण कुमार की टिप्पणियों का संदर्भ देते हुए, सीएम ने कहा कि लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए कि वह एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी हैं। डीजीपी ने जाँच के लिए एक महिला अधिकारी को नियुक्त करने का निर्देश दिया है। पुलिक पीड़ितों के बयान दर्ज करेगी और कानून के अनुसार आगे बढ़ेगी। यह पुलिस खुद थी जिसने मामला दर्ज किया। क्या आरएस प्रवीण कुमार को यह नहीं पता? कानून से कोई ऊपर नहीं है। हमने अब तक किसी को नहीं बख्शा है। कानून अपना रास्ता लेगा और कोई छूट नहीं होगी।

सीएम ने नोट किया कि पुलिस ने पीएम मोदी की सार्वजनिक सभा से लगभग 48 घंटे पहले बंडी साई भगीरथ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। सीएम रेवंत ने सभी पक्षों से जिम्मेदारी की अपील की, यह कहते हुए कि मामला एक नाबालिग लड़की से संबंधित है।

बीआरसी ने भगीरथ की गिरफ्तारी की मांग की

बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष, के.टी. रामा राव और बाकी पार्टी विधायकों ने पोक्सो मामले में बंडी संजय के बेटे भगीरथ की गिरफ्तारी की मांग की है। बीआरएस ने मामले की जांच में राज्य पुलिस द्वारा जानबूझकर की गई देरी का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर, कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने कहा, हम सभी किसी डायस्टोपियन बुरे सपने जैसे नरक में रह रहे हैं? एक 17 वर्षीय बलात्कार पीड़िता और उसके परिवार को एफआईआर दर्ज कराने के लिए तीन महीने से अधिक संघर्ष क्यों करना पडा ? पीड़िता और उसके परिवार को उत्पीड़ित और अपराधी के रूप में क्यों व्यवहार किया जा रहा है? केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, बंडी संजय के बेटे को हर अन्य पोक्सो अपराध अपराधी की तरह क्यों नहीं बुक और जांच किया जा रहा है? नाबालिग लड़की ने दो बार आत्महत्या का प्रयास किया केटीआर ने कहा कि वे तीन महीने से न्याय के लिए भटक रहे हैं।

संघी समिति तेलंगाना की बैठक बहादुरपुरा में सम्पन्न

माता शीतला की पूजा एवं प्रार्थना के साथ हुआ शुभारंभ

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
संघी समिति तेलंगाना की बैठक बहादुरपुरा स्थित राजेन्द्र संघी के निवास पर सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ सभी सदस्यों द्वारा माता शीतला की पूजा एवं प्रार्थना के साथ किया गया। इसके पश्चात अध्यक्ष ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया तथा सचिव द्वारा पिछली बैठक की कार्यवाही (मिनट्स) प्रस्तुत की गई।

बैठक में संघी दर्पण साप्ताहिक समाचार पत्र के विषय में विस्तृत चर्चा की गई, जिसके संयोजक डॉ. प्रकाश संघी हैं। सदस्यों द्वारा समाचार पत्र के स्वरूप, उद्देश्य एवं समाजहित में उसकी भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि जुलाई माह में आयोजित होने वाले सावन की सैर कार्यक्रम के अवसर पर संघी दर्पण का भव्य लोकार्पण किया जाएगा। सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विभिन्न सुझाव भी प्रस्तुत किए।

बैठक में अध्यक्ष नागेन्द्र संघी, उपाध्यक्ष पंकज कुमार संघी, सचिव प्रभात संघी, संयुक्त सचिव संजय संघी, सलाहकार प्रताप नारायण संघी, राजेन्द्र संघी, गौरव संघी, डॉ. प्रकाश संघी, विवेक संघी, यश संघी, सुरेंदर संघी, सुनीता संघी एवं कविता संघी उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की वार्षिक आम सभा भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा, मलकपेट महिला शाखा एवं मलकपेट युवा मोर्चा शाखा की वार्षिक आम सभा (एजीएम) सैदाबाद स्थित सुरेश चंद गुप्ता बिस्किट फैक्ट्री में भव्य रूप से आयोजित की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन हर्ष बंसल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सभी सदस्यों द्वारा महाराजा अग्रसेनजी की पूजा एवं प्रार्थना के साथ हुई। इसके पश्चात महिला शाखा द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की गई। शाखा अध्यक्ष पंकज संघी ने स्वागत भाषण देकर सभी अतिथियों एवं सदस्यों का अभिनंदन किया।

सभा में सचिव प्रदीप बंसल ने पिछली बैठक की कार्यवाही प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल ने वर्षभर में आयोजित कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी ने वर्ष 2025-26 का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया, जिसे सभा ने करतल ध्वनि के साथ पारित किया।

महिला शाखा की अध्यक्षा रेखा अग्रवाल ने महिला शाखा की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि युवा मोर्चा शाखा के अध्यक्ष हर्ष बंसल ने युवा शाखा की उपलब्धियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों का शाखा के सलाहकारों द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष हरगोविंद अग्रवाल ने अपने संबोधन में केंद्रीय समिति की प्रगति तथा विवाह समिति को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया।

संयुक्त सचिव प्रतीक ने केंद्रीय समिति के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी, जबकि कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन पंकज पटवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर पंकज संघी, अशोक अग्रवाल, प्रदीप बंसल, शैलेश अग्रवाल, सत्यनारायण मोदी, गोविंद नारायण मोदी, सुरेश पटवारी, महावीर प्रसाद अग्रवाल, लाजपत राय गुप्ता, हरीश चंद्र बजाज, श्याम सुंदर अग्रवाल, सतीश बंसल, सुरेश गोयल, संजीव गोयल, गोपाल दास मोदी, आनंद अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, गोविंद, पंकज पटवारी, श्रवण अग्रवाल, महिला शाखा से रेखा अग्रवाल, डॉ. मिता बजाज, रेखा सुरेखा, शीतल रुंगटा, स्वाति अग्रवाल तथा युवा मोर्चा से हर्ष बंसल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सेवा कार्य से जुड़ना हम सबका सौभाग्य : मनोज डालमिया

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मनोज डालमिया ने कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि हमें राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के इस पावन सेवा कार्य से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा ही सनातन संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है तथा जरूरतमंदों की सहायता करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अन्नदान जैसे पुण्य कार्यों के माध्यम से समूह समाज में मानवता, सहयोग एवं सेवा का संदेश दे रहा है। कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बंडी संजय के बेटे की तत्काल गिरफ्तारी की मांग, बीआरएस नेताओं का प्रदर्शन

बांसवाड़ा, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बीआरएस नेताओं ने कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा स्थित अंबेडकर चौक पर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया तथा केंद्रीय मंत्री बंदी संजय और उनके पुत्र साई भागीरथ के फोटो वाले प्लेकार्ड जलाए। इस दौरान पुलिस ने जब प्लेकार्ड जलाने से रोकने का प्रयास किया, तब बीआरएस नेताओं और पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई। बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री बंदी संजय के पुत्र साई भागीरथ ने एक नाबालिग युवती के साथ तीन माह तक दुष्कर्म किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इस मामले में केवल मामूली प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे बीआरएस नेताओं ने मांग की कि साई भागीरथ को तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा बंदी संजय को केंद्रीय मंत्री पद से हटाया जाए। नेताओं ने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो बीआरएस द्वारा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पहला सोकुडो इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल शोरूम उद्घाटित

बीकानेर, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते चलन के बीच अब बीकानेरवासियों को एक और आधुनिक विकल्प मिल गया है। ङ्गसोकुडो इलेक्ट्रिकफ का बीकानेर का पहला ऑटोमोबाइल शोरूम सोमवार, 11 मई 2026 को भव्य समारोह के साथ शुरू हुआ। बीकानेर ऑटोमोबाइल का यह नया शोरूम कोर्ट के पास, गवर्नमेंट प्रेस रोड पर खोला गया है।

शोरूम का उद्घाटन स्वामी विमर्शानन्दजी महाराज एवं पूर्व महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर संतोषानन्द महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कार्यक्रम को आध्यात्मिक वातावरण प्रदान किया।

बीकानेर संभाग के मैनेजिंग डायरेक्टर जितेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बीकानेर ऑटोमोबाइल शोरूम में ङ्गसोकुडो इलेक्ट्रिकफ की विभिन्न आधुनिक ई-स्कूटर्स एवं अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों की संपूर्ण रेंज उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों तथा पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है।

इस अवसर पर रविंद्र सिंह राठौड़ ने व्यवस्थाओं का दायित्व संभाला। कार्यक्रम में चलाना अस्पताल के प्रतीक चलाना, बीकानेर वेलनेस सेंटर के अनिल जुनेजा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अग्रवाल परिवार ने तिरुपति एवं श्री कालहस्ती धाम में किए दर्शन

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल परिवार द्वारा आयोजित तिरुमला तिरुपति देवस्थानम यात्रा के दौरान भगवान श्री वेंकटेश्वर बालाजी एवं श्री कालहस्ती महादेव के दर्शन एवं अर्चना की गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने धर्म स्तंभ का पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना की प्रार्थना की।

यात्रा में अनिरुद्ध अग्रवाल, पंकज कुमार अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, मालती देवी अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, राखी अग्रवाल, अंजलि अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, ईशान अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, मोहक अग्रवाल, राधिका अग्रवाल, ऋषित अग्रवाल, तृषा अग्रवाल सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे धार्मिक वातावरण एवं श्रद्धा-भक्ति के साथ सम्पन्न हुई इस यात्रा में परिवार के सभी सदस्यों ने मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना कर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति प्राप्त की।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद सामाजिक समरसता और सेवा का अनुपम उदाहरण : पन्नालाल अग्रवाल

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित चंदन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रुप के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सेवा भाव और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग और संस्कारों का एक सशक्त परिवार है। यह ग्रुप सबका साथ, सबके साथ की भावना के साथ समाज में सकारात्मक कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम और सेवा भाव की अत्यंत आवश्यकता है तथा राधे-राधे ग्रुप इन मूल्यों को व्यवहारिक रूप में समाज के सामने प्रस्तुत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों से लोगों में आध्यात्मिक चेतना जागृत होती है और समाज में एकता एवं भाईचारे की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने संगठन की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार समाजहित के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनिल धारशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, मोहित अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल, रवि अग्रवाल, रेनू गुप्ता एवं रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

गया कॉलेज में 16-17 मई को होगा राष्ट्रकवि दिनकर स्मृति एवं सम्मान समारोह

पटना, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मां निर्दोष सेवा केंद्र एवं हिंदी विभाग, गया कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 16 एवं 17 मई को गया कॉलेज स्थित प्रेमचंद सभागार में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर स्मृति एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर साहित्य प्रेमियों एवं शिक्षाविदों में उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

इस संबंध में कार्यक्रम के आयोजक हिमांशु शेखर ने बताया कि समारोह के उद्घाटनकर्ता के रूप में गया नगर विधायक एवं बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपनी उपस्थिति की सहमति प्रदान की है। उन्होंने बताया कि समारोह में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से शोधार्थी एवं साहित्यकार भाग लेंगे।

कार्यक्रम के दौरान गया जी के कई निजी एवं सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की रचित कविताओं का पाठ भी प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सत्येंद्र सिंह चंद्र एवं संजय अथर्व ने बताया कि युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि तथा संवेदनशीलता विकसित करने की दिशा में यह आयोजन मील का पत्थर साबित होगा।

सेफ्टी समर कैंप में बाल संस्कार शिविर के बच्चों ने लिया भाग

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सोमवार को तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित रोड सेफ्टी समर कैंप में सनातन धर्म संस्कृति संस्कार बाल संस्कार शिविर के बालक-बालिकाओं को विशेष आमंत्रण दिया गया। शिविर के बच्चों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया तथा विभिन्न गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समर कैंप में भाग लेने वाले बालक-बालिकाओं को उनकी उत्कृष्ट सहभागिता एवं प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा उन्होंने सड़क सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कीं।

कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के शिविर बच्चों में जागरूकता एवं अनुशासन की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एलआरएस आवेदनों के निस्तारण हेतु विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित

मंचेरियाल, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने बताया कि एलआरएस आवेदनों के निस्तारण, शुल्क भुगतान, शुल्क में दी गई रियायत तथा लंबित आवेदनों के समाधान के लिए जिले के नसपुर स्थित समेकित जिला कार्यालय परिसर में विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 31 जुलाई तक एलआरएस शुल्क एवं अन्य प्रभारों के भुगतान पर 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई है। इसके साथ ही जन प्रशासन प्रगति योजना के 99 दिवसीय कार्य कार्यक्रम के अंतर्गत लंबित एलआरएस आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के लिए विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि यह नियंत्रण कक्ष प्रतिदिन कार्यालय समयानुसार सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कार्य करेगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि एलआरएस से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए दूरभाष क्रमांक 08736-250501 पर संपर्क करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित आवेदनों के निस्तारण में तेजी लाई जाए तथा आवेदकों को समय पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

हैदराबाद के मोहम्मद शमसुद्दीन को अंतरराष्ट्रीय मामलों और सदस्यता समन्वयक तथा स्पोर्ट्स संवाददाता प्रतिनिधि के पद पर अप्रैल 2028 तक नियुक्त किया गया है। आज हैदराबाद में उन्होंने तेलंगाना के के. श्रीनिवास रेड्डी मीडिया अकादमी में मुलाकात की।

चेयरमैन ने शमसुद्दीन को इस अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल करने पर बधाई दी और उनकी भावी जिम्मेदारियों तथा वैश्विक मीडिया प्रयासों में बड़ी सफलता की कामना की। यह प्रतिष्ठित नियुक्ति पत्रकारिता, अंतरराष्ट्रीय मीडिया सहयोग और खेल रिपोर्टिंग में उनके उत्कृष्ट योगदान को पहचान देती है।

मातृदिवस पर काव्य कौमुदी संस्था का अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मातृदिवस के उपलक्ष्य में 9 मई 2026, शनिवार को काव्य कौमुदी बहुभाषीय संस्था द्वारा जूम प्लेटफ़ॉर्म पर दो चरणों में अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कविसम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में देश-विदेश के 50 से अधिक कवियों ने अपनी प्रतिभागिता प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस अवसर पर काव्य कौमुदी ग्रुप की अध्यक्ष डॉ. कुमुद बाला ने बताया कि देश-विदेश के कवियों ने अपने-अपने समय क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन से जुड़ने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि यह संस्था के लिए गर्व का विषय है कि कार्यक्रम में 50 से अधिक कवियों ने सहभागिता की।

मुख्य सलाहकार एवं हिंदी-भोजपुरी की बहुभाषीय कवयित्री मीना चौहान (अमेरिका) ने कहा कि विश्व की सभी भाषाओं का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि भाषाएँ मनुष्य की अभिव्यक्ति एवं कविता दोनों को समृद्ध बनाती हैं।

कल्चरल हेड तथा हिंदी, अंग्रेजी और बांग्ला की बहुभाषीय कवयित्री मोऊ मल्लिक दे ने कहा कि विश्व की सभी भाषाएँ सांस्कृतिक धरोहर हैं और

इन्हें सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाना चाहिए।

कविसम्मेलन के प्रथम चरण की मुख्य अतिथि बहुभाषीय कवयित्री डॉ. मंजुला अस्थाना महंती (भुवनेश्वर, ओडिशा) थीं, जो हिंदी, उड़िया और अंग्रेजी भाषाओं की विदुषी हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में हैदराबाद की प्रसिद्ध हिंदी, अंग्रेजी एवं तेलुगु की बहुभाषीय कवयित्री डॉ. श्री सुधा कोलाचना उपस्थित रहीं।

द्वितीय चरण की मुख्य अतिथि मलयालम एवं अंग्रेजी की बहुभाषीय कवयित्री प्रोफेसर डॉ. मौली जोसेफ (केरल) थीं। विशिष्ट अतिथियों में डोबोका (आसाम) के आसामी एवं अंग्रेजी के बहुभाषीय कवि डॉ. हसीनस सुल्तान तथा केरल के मलयालम एवं अंग्रेजी के कवि डॉ. पी. एल. श्रीधरन पाराकोड शामिल रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दोनों चरणों में कर्नाटक संगीत के सुप्रसिद्ध कलाकार उदय श्री (हैदराबाद) एवं शालिनी नंदकयोल्यार (कोलकाता) द्वारा प्रस्तुत भजनों से हुआ।

बहुभाषीय कविसम्मेलन का कुशल संचालन काव्य कौमुदी इंटरनेशनल मल्टीलिंगुअल पोएट्स मीट की अध्यक्ष एवं बहुभाषीय कवयित्री डॉ. कुमुद बाला ने किया।

दोनों सत्रों में धन्यवाद ज्ञापन क्रमशः जयश्री एम. चारी (चेन्नई) एवं आसाम की स्नेहा गोयल ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में तेलुगु, हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, उड़िया, उर्दू, राजस्थानी, मलयालम, कश्मीरी, भोजपुरी, बांग्ला सहित अनेक भाषाओं के कवियों ने अपनी कविताओं का पाठ किया। प्रमुख प्रतिभागियों में उदय श्री, पुष्माओती सुबरून (मॉरीशस), गणेश चंद्र बिसोई, सीमा साहू, भार्गवी रघुराम, जयश्री चारी, जयश्री रे, डॉ. कृष्ण लाल बिश्नोई, स्नेहा गोयल, हयात अफ़शां, बंदिता दास, राजीव मूथेडथ, पूर्णा पद्मजा, बाला सरस्वती, पृथ्वी सिंह बेनीवाल, डॉ. मीनाक्षी बोराणा, रास्मिता बारिक, डॉ. जोबा मुरमू, अली शायदा, जाकिर मल्लिक, डॉ. टी. श्रीलता, अरुंधति मुखर्जी, डॉ. गरिमा रावत, डॉ. पारामिता मुखर्जी मल्लिक, डॉ. दिलीश एस., उत्तीर्णा धर, मोऊ मल्लिक दे एवं डॉ. कुमुद बाला सहित अनेक कवि एवं कवयित्रियाँ शामिल रहीं।

आश्वासन के बावजूद मोदी ने की राजनीतिक बयानबाजी : रेड्डी

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के भुवनगिरी लोकसभा से कांग्रेस सांसद चमला किरण कुमार रेड्डी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हैदराबाद दौरे के दौरान राजनीतिक बयानबाज़ी करने का आरोप लगाया, जबकि उन्होंने पहले यह आश्वासन दिया था कि राजनीति पर चर्चा नहीं करेंगे।

कांग्रेस सांसद ने आज यहां जारी वीडियो बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केवल प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान तेलंगाना से संबंधित लंबित मुद्दों के समाधान में केंद्र से सहयोग की मांग की थी। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले ढाई वर्षों में मुख्यमंत्री ने कई मौकों पर प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की और राज्य के विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए ज्ञापन प्रस्तुत किए।

श्री रेड्डी ने प्रधानमंत्री के हैदराबाद में दिये गये बयान का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि श्री मोदी ने विकासात्मक मुद्दों से भटककर राजनीतिक टिप्पणियों की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया था कि तेलंगाना के विकास के लिए उतना ही समर्थन प्रदान किया जाए, जितना कि पूर्व प्रधानमंत्री

डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गुजरात को मिला था। उन्होंने इसे विडंबना बताया कि श्री मोदी ने कथित तौर पर कहा कि यदि कांग्रेस नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समान समर्थन दिया गया होता तो तेलंगाना को वर्तमान सहायता का आधा भी नहीं मिलता। उन्होंने यह भी कहा कि कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थान केवल तब स्थापित हुए जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी।

श्री रेड्डी ने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता में आने के बाद से केवल सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ावा देने और विपक्षी दलों को कमजोर करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का राजनीतिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भाजपा देश में एकमात्र प्रमुख शक्ति बनी रहे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दिया कि यदि विपक्षी दल विकासात्मक सहायता पाना चाहते हैं तो उन्हें भाजपा के साथ मिलना चाहिए। श्री रेड्डी ने कहा, क्या विकास केवल मोदी के साथ जुड़ने पर ही संभव है? प्रधानमंत्री संघीय प्रणाली के तहत सभी राज्यों का समान प्रतिनिधित्व करते हैं।

श्री रेड्डी ने कहा कि राज्यों को अपने उचित हिस्से के कर राजस्व का हक़ है और केंद्र संविधान के तहत सभी राज्यों के साथ निष्पक्ष और समान व्यवहार करने के लिए बाध्य है।

कांग्रेस सांसद ने दोहराया कि मुख्यमंत्री रेड्डी ने केवल तेलंगाना के विकास और भविष्य की प्रगति के लिए केंद्र से सहयोग मांगा था लेकिन प्रधानमंत्री ने अंततः पहले दिए गए आश्वासन के बावजूद राजनीतिक टिप्पणी करना चुना।

नाबालिग लड़की पर दुष्कर्म का प्रयास मामला

बंडी संजय के बेटे पर पॉक्सो केस दर्ज होना दुखद : राजा सिंह

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
यदि वास्तव में गलती हुई है, तो किसी को भी कानून से ऊपर नहीं माना जाना चाहिए। अगर बंडी संजय के बेटे ने गलती की है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई होने पर हमें कोई आपत्ति नहीं है। कानून अपना काम करे। लेकिन एक बात स्पष्ट रूप से कहनी चाहिए। किसी एक व्यक्ति पर मामला दर्ज होने का मतलब यह नहीं कि पूरे परिवार या पार्टी को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जाए। सरकार ने इस मामले में डखढ गठित कर जांच शुरू की है। सच्चाई सामने आनी चाहिए। जिसने भी गलती की होगी, वह बच नहीं पाएगा। कानून और अदालतें मौजूद हैं। लेकिन जिस तरह बीआरएस ,और कांग्रेस इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार चला रहे हैं, उसे देखकर यह एक राजनीतिक साजिश जैसा लग रहा है।

बंडी संजय एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत करके जनता, देश और हिंदू धर्म के लिए संघर्ष करते हुए इस स्तर तक पहुंचे हैं। वे पैसों या पारिवारिक राजनीति के दम पर आगे नहीं बढ़े।

फिर बंडी संजय इस्तीफा क्यों दें? बीआरएस शासन में 29 इंटरमीडिएट छात्रों की मौत हुई थी, वे सभी नाबालिग थे। तब केसीआर और केटीआर ने इस्तीफा क्यों नहीं दिया? जुबलीहिल्स मामले में एमआईएम नेता के बेटे पर रेप के आरोप लगे थे, तब किसी ने इस्तीफे की मांग क्यों नहीं की? उन्हें पार्टी से क्यों नहीं निकाला गया? बंडी संजय हमेशा यही कहते आए हैं कि गलती करने वालों पर जांच होनी चाहिए। उन्होंने कभी जांच का विरोध नहीं किया। इसलिए अब भी कानून को अपना काम करने देना चाहिए। राजनीतिक द्वेष और सस्ती राजनीति बंद होनी चाहिए। इस कठिन समय में मैं बंडी संजय के साथ खड़ा हूं। मैं हिंदू समाज से भी अपील करता हूं कि वे उनके साथ खड़े रहें।

मोदी की तेलंगाना यात्रा से राज्य को कुछ नहीं मिला: प्रभाकर

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग (बीसी) कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि तेलंगाना की उनकी यात्रा से राज्य को कोई ठोस लाभ नहीं मिला। श्री प्रभाकर ने गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि तेलंगाना के लोगों को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री की यात्रा से राज्य के लिए विकास संबंधी आश्वासन मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और राज्य के नेताओं ने श्री मोदी का सम्मानपूर्वक स्वागत किया और आधिकारिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, लेकिन प्रधानमंत्री के भाषण ने जनता में विश्वास जगाने के बजाय डर और अनिश्चितता पैदा की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से सवाल किया कि कालेश्वरम परियोजना में कथित अनियमितताओं की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच का आदेश देने में देरी क्यों हुई, जबकि अतीत में भाजपा नेताओं ने बार-बार इसकी मांग की थी। उन्होंने भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे केंद्र द्वारा तेलंगाना को आवंटित धन पर सार्वजनिक बहस करें और इस बात पर स्पष्टीकरण मांगा कि पिछले 12 वर्षों में इस नए बने राज्य को क्या विशेष सहायता दी गयी है। मंत्री ने आरोप लगाया कि तेलंगाना को अवसंचना विकास और वित्त पोषण से जुड़े मामलों में केंद्र सरकार से भेदभावपूर्ण रवैये का सामना करना पड़ा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राज्य से भाजपा सांसदों ने क्षेत्रीय रिंग रोड, मेट्रो रेल विस्तार और रेडियल सड़कों जैसी परियोजनाओं के लिए निधि की मांग की थी। जाति जनगणना के मुद्दे पर श्री प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विजन के अनुरूप जाति सर्वेक्षण कराया है और मांग की कि पिछड़े वर्गों को भी राष्ट्रीय जनगणना में शामिल किया जाए।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय के बेटे पर लगे आरोपों से जुड़े मामले का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि कानून अपना काम करेगा और जोर देकर कहा कि जांच में किसी भी तरह का दबाव या प्रभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और चेतावनी दी कि पुलिस अधिकारियों की ओर से किसी भी तरह की लापरवाही पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। श्री प्रभाकर ने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ कथित तौर पर की गई टिप्पणियों की भी आलोचना की और भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया।

भाजपा ने मोदी एवं मनमोहन युग की तुलना करने पर रेवंत की आलोचना की

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान केंद्र-राज्य संबंधों की तुलना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार से करने के लिए सोमवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की कड़ी आलोचना की।

हैदराबाद में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, भाजपा तेलंगाना के मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी एन वी सुभाष ने मुख्यमंत्री की टिप्पणी को राजनीतिक रूप से अपरिपक्व एवं बौद्धिक रूप से बेईमान करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री रेड्डी में या तो शासन एवं राजकोषीय संघवाद की समझ की कमी है या वह राजनीतिक लाभ के लिए तेलंगाना के लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री सुभाष ने मुख्यमंत्री के इस दावे को खारिज कर दिया कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोदी के कार्यकाल के दौरान केंद्र की संप्रग सरकार के समर्थन के कारण गुजरात का विकास हुआ। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व, पारदर्शी शासन, वित्तीय अनुशासन, औद्योगिक दृष्टिकोण एवं प्रशासनिक दक्षता के कारण गुजरात एक मॉडल राज्य बनकर उभरा है। भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार की सार्वजनिक बैठक के दौरान इस बात पर बल दिया था कि वित्तीय अनुशासन एवं जिम्मेदार शासन के बिना विकास प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि कोई भी राज्य खुद को बढ़ते कर्ज में धकेलते समय असीमित वित्तीय सहायता की उम्मीद नहीं कर सकता है। श्री रेड्डी द्वारा खुद की तुलना श्री मोदी से करने की आलोचना करते हुए, श्री सुभाष ने इसे राजनीतिक अतिक्रमण एवं आत्म-उपहास करार दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि जहां गुजरात ने मोदी के कार्यकाल में विकास, निवेशकों का विश्वास एवं भ्रष्टाचार मुक्त शासन देखा वहीं कांग्रेस शासन के अंतर्गत तेलंगाना वित्तीय कुप्रबंधन, बढ़ते कर्ज, अधूरी गारंटी एवं शासन की पंगुता का सामना कर रहा है।

श्री सुभाष ने कहा कि श्री मोदी का सुझाव कि श्री रेड्डी को उनके साथ सहयोगी होना चाहिए, एक राजनीतिक व्यंग्य नहीं था बल्कि एक संदेश था कि जब राज्य टकराव की राजनीति छोड़कर केंद्र के साथ समन्वय करता है तो वह तेजी से प्रगति करता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रचार से प्रेरित भाषण देने के बजाय शासन, वादों के कार्यान्वयन, राज्य के वित्त को मजबूत करने, अवसंरचना में सुधार, किसानों का समर्थन एवं रोजगार के अवसर उत्पन्न करने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।भाजपा प्रवक्ता ने आगे आरोप लगाया कि जहां प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक संबद्धताओं के बावजूद सभी राज्यों के साथ समान व्यवहार किया वहीं कांग्रेस नेता हक की राजनीति से प्रेरित सामंती मानसिकता से ग्रस्त रहे।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त गुजरात मॉडल और राज्य के वित्त प्रबंधन के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस सरकार के बीच अंतर करने में सक्षम हैं।

श्री सुभाष ने यह भी कहा कि केंद्र तेलंगाना के विकास का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन जोर देकर कहा कि विकास के लिए तेलंगाना मॉडल के नारे के बजाय अनुशासन, पारदर्शिता, दूरदर्शिता एवं प्रभावी शासन की आवश्यकता है।

हनुमंत राव ने प्रधानमंत्री की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकार के सलाहकार वी. हनुमंत राव ने सोमवार को कहा कि हैदराबाद में हाल ही में एक जनसभा के दौरान कांग्रेस पार्टी के खिलाफ की गयी टिप्पणियों को लेकर

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। श्री राव ने गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुये आरोप लगाया कि श्री मोदी ने कांग्रेस को मुस्लिम और माओवादी पार्टी बताकर दुर्भावनापूर्ण टिप्पणियां की हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुस्लिम भारतीय समाज का हिस्सा नहीं हैं और इस बात पर जोर दिया कि इस समुदाय ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री पर देश को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया और दावा किया कि श्री मोदी आरएसएस के निर्देशों के अनुसार काम कर रहे हैं। श्री राव ने यह भी कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पिछड़े वर्गों के प्रति प्रधानमंत्री की तुलना में अधिक ईमानदारी दिखाई है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण से हस्तक्षेप करने और श्री मोदी को राष्ट्रव्यापी पिछड़ा वर्ग जाति जन-गणना कराने के लिए मनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि पिछड़े वर्गों और अन्य पिछड़े वर्गों की अलग से गणना करने का कोई प्रावधान नहीं है, तो इन वर्गों को जनगणना प्रक्रिया में भाग लेने से बचना चाहिये। श्री राव ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री पिछड़ा वर्ग समुदाय को धोखा दे रहे हैं और पिछड़े वर्गों से संबंधित लगभग 60 करोड़ लोगों के साथ अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि श्री मोदी की नीतियां अंबानी और अडानी जैसे उद्योगपतियों के पक्ष में होती हैं, जबकि कमजोर वर्गों के कल्याण की उपेक्षा करती हैं। श्री राव ने प्रधानमंत्री की भाषा और कार्यशैली की आलोचना करते हुये सवाल उठाया कि क्या ऐसी टिप्पणियां एक प्रधानमंत्री के लिए उचित हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उचित जाति जनगणना के बिना पिछड़े समुदायों के लिए न्याय संभव नहीं होगा और कहा कि श्री मोदी पिछड़े वर्गों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध नहीं हैं। उन्होंने यह विश्वास भी व्यक्त किया कि भाजपा को तेलंगाना में सत्ता हासिल करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

तेलंगाना में भाजपा मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है : रामचंद्र राव

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भाजपा के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सोमवार को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए तेलंगाना की जनता, पार्टी कार्यकर्ताओं और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है।

श्री रामचंद्र राव ने नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चुनाव का समय न होने के बावजूद सभा में उमड़ी भारी भीड़ तेलंगाना में भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। उन्होंने इस आयोजन की सफलता का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण, नेताओं के बीच समन्वय और कैडरों की प्रतिबद्धता को दिया।

उन्होंने कहा कि साधु समाज के स्वामीजी, बंजारा और लंबाडी समुदायों की महिलाएं, डॉक्टर, नर्स, वकील, युवा और महिलाओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी ने इस सभा को एक बड़े सार्वजनिक उत्सव में बदल दिया। उनके अनुसार, इतनी बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति भाजपा में जनता के बढ़ते विश्वास का संकेत है।

श्री रामचंद्र राव ने दावा किया कि तेलंगाना में

राजनीतिक परिवर्तन अब अपरिहार्य हो गया है और विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा मजबूत विकल्प के रूप में उभरेगी। राज्य की कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वह जनता से किये गये वादों और गारंटियों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी तेलंगाना के विकास, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और आर्थिक प्रगति का प्रतीक है।

भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी जनहित के मुद्दों पर आंदोलन जारी रखेगी और कार्यकर्ताओं से तेलंगाना में भाजपा को सत्ता में लाने के लक्ष्य के साथ प्रयासों को तेज करने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार दोनों ने जनता को धोखा दिया है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की चल रही प्रक्रिया का बचाव करते हुए श्री रामचंद्र राव ने कहा कि यह चुनाव आयोग की देखरेख में की जाने वाली नियमित प्रक्रिया है।

इसका उद्देश्य वास्तविक मतदाताओं को प्रभावित किये बिना फर्जी और दोहराव वाले वोटों के साथ-साथ मृत व्यक्तियों के नाम हटाना है।

श्री रामचंद्र राव ने जनसभा को सफल बनाने में योगदान देने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं, जनता और मीडिया प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया और कहा कि भाजपा पूरे तेलंगाना में लगातार जन समर्थन हासिल कर रही है।

कांग्रेस को मुसलमानों की पार्टी बोलने के लिए मोदी के खिलाफ शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और तेलंगाना पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सलाहकार वी हनुमंता ने कांग्रेस पर भड़काऊ टिप्पणी करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अंबरपेट पुलिस स्टेशन में सोमवार को शिकायत दर्ज की।

श्री राव ने हैदराबाद में दिये गये प्रधानमंत्री के उस बयान के खिलाफ शिकायत दर्ज की, जिसमें उन्होंने कांग्रेस को मुसलमानों की पार्टी बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह टिप्पणी भड़काऊ थी और सामाजिक कलह पैदा करने के लिए की गयी थी। इस अवसर पर श्री राव अंबरपेट के थाना प्रभारी (एसएचओ) किरण कुमार से मिले और इस बयान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए एक आधिकारिक शिकायत दर्ज की।

उन्होंने कहा कि देश में सामाजिक सौहार्द को खतरे में डालने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे वे किसी भी पद पर हों। कांग्रेस नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी इस टिप्पणी पर असहजता जाहिर करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने एवं सामाजिक सौहार्द बरकरार रखने की जिम्मेदारी का आभास होना चाहिए। उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया कि इस शिकायत की गहन जांच हो तथा आवश्यक कार्रवाई की जाये। कांग्रेस सचिव शंबुला श्रीकांत गौड़, गोर्ना के. के कॉर्पोरेटर उम्मीदवार पोलिनेनी राममोहन और कई अन्य नेता शिकायत दर्ज होने के समय मौजूद रहे।

टीआरएस ने झंडा महोत्सव आयोजित करने की घोषणा की

हैदराबाद, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआ-रएस) प्रमुख के कविता ने सोमवार को प्रदेश में 20 मई से 20 जून तक महीने भर चलने वाले फ्लैग फेस्टिवल (झंडा महोत्सव) आयोजित करने की घोषणा की है। सुश्री कविता ने पार्टी कार्यकर्ताओं को एक संदेश में कहा कि पूरे प्रदेश में महीने भर चलने वाले इस आयोजन का उद्देश्य पार्टी की विचारधारा को ज़मीनी स्तर तक पहुंचाना है। यह कार्यक्रम राज्य की राजधानी से लेकर ज़िला मुख्यालय, चुनाव क्षेत्रों, मंडल सेंटर, गांवों और वार्ड स्तर तक बड़े पैमाने पर किया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर वार्ड में टीआरएस के झंडे फहराने और पार्टी की नीति और पार्टी की स्थापना बैठक के दौरान बताए गए पांचजन्य सिद्धांतों का सक्रिय रुप से प्रचार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना बनने के 12 साल बाद भी, राज्य कई बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है तथा तेलंगाना आंदोलन से जुड़े वादे पानी, फंड और नौकरियां पूरी तरह से पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि समाज के कई तबके, जिन्हें राज्य बनने के बाद बेहतर भविष्य की उम्मीद थी, अब अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के लिए एक बार फिर एकजुट होने का समय आ गया है, इस बार तेलंगाना के पुनर्निर्माण और समाज के सभी तबकों के उत्थान के लिए। सुश्री कविता ने बड़े पैमाने पर जनसंपर्क अभियान का आह्वान करते हुए राज्य भर में पार्टी नेताओं, नए शामिल हुए कार्यकर्ताओं और तेलंगाना जागृति कार्यकर्ताओं से महीने भर चलने वाले झंडा महोत्सव कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने की अपील की।

आंध्र प्रदेश में अज्ञात बदमाशों ने की पुलिस कांस्टेबल की हत्या

काकीनाडा, 11 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्रप्रदेश में काकीनाड़ा के गांधी नगर में अज्ञात बदमाशों ने सोमवार तड़के एक पुलिस कांस्टेबल की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि मृतक नागेश्वर राव आंध्र प्रदेश विशेष पुलिस (एपीएसपी) शाखा में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत थे। जब वह घर जा रहे थे, तभी कुछ बदमाशों ने सड़क पर उन पर हमला कर उनका गला काट दिया। उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी नगर अस्पताल भेज दिया। एएसपी मनीष पटिश देवराज और दो टाउन सर्कल इंस्पेक्टर अप्पाला नायडू ने घटनास्थल का दौरा किया और साक्ष्य जुटाए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.